@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 30 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 355 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भाजपा सत्ता में आई तो वापस मिलेगी आदिवासियों की जमीन: चंपई सोरेन

रांची, 29 अक्टूबर। झारखंड में 81 विधानसभा सीटों पर होने वाले विधानसभा चुनाव के चलते राज्यभर की राजनीति में गर्माहट है। इसी बीच झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को कहा कि आदिवासियों को बांग्लादेशी घुसपैठियों की साजिश से बचाना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि

अगर भाजपा सत्ता में आती है तो आदिवासियों की कथित तौर पर हड़पी गई जमीन उनको वापस लौटा दी जाएगी। बता दें कि अगस्त में झामुमो छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सोरेन सरायकेला विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। चुनाव से पहले जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने कहा कि सिदो-कान्हो, चांद-वैराभ, फूलो-झानो और बाबा तिलका मांझी जैसे महापुरुषों ने हमारी जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी और शहीद हो गए। अब घुसपैठिए उस जमीन को हड़प रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा चुनाव में सत्ता में आती है तो पारंपरिक सामुदायिक संगठनों के प्रमुखों की बैठक बुलाई जाएगी और अवैध रूप से हड़पी गई आदिवासी जमीनों को असली मालिकों को लौटाया जाएगा। बता दें कि झारखंड चुनाव में भाजपा के प्रमुख मुद्दे बांग्लादेशियों की कथित घुसपैठ, स्थानीय आदिवासी महिलाओं से उनकी शादी और आदिवासियों की जमीन हड़पना हैं। सोरेन ने दावा किया कि बांग्लादेशियों की घुसपैठ के कारण कई गांवों में आदिवासियों का अस्तित्व मिट चुका है और आदिवासी महिलाओं की गरिमा खतरे में है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठियों ने आदिवासियों के धार्मिक स्थलों पर भी कब्जा कर लिया है।

पीएम मोदी ने युवाओं को बांटे 51000 नियुक्ति पत्र

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले में युवाओं को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र बांटे। रोजगार मेला देशभर में 40 जगहों पर आयोजित, जिसमें राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय जैसे विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में भर्ती हुए लोग शामिल हो रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा, इस उत्सवी माहौल में, आज इस पावन दिन पर, रोजगार मेले में 51,000 युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। मैं आप सभी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। भारत सरकार में देश के लाखों युवाओं को स्थायी सरकारी नौकरी देने का सिलसिला जारी है। भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। पीएम मोदी ने हरियाणा के रंगरूटों को विशेष रूप से बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा, हरियाणा में हमारी सरकार की एक विशेष पहचान है। वहां की सरकार नौकरियां तो देती है, लेकिन बिना खर्चे और बिना पर्ची के देती है। आज मैं हरियाणा सरकार में नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं को विशेष रूप से बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं, दुनिया में नई तकनीकें आती थीं। लेकिन भारत में हम उनका इंतजार करते थे, ये सोचकर कि ये दुनिया के पास आ गई है, हमारे पास कब आएगी। जो तकनीक पश्चिमी देशों में पुरानी और बेकार हो जाती थी, वो हमारे पास आ जाती थी। ये मानसिकता बना दी गई कि हमारे देश में आधुनिक तकनीक विकसित नहीं हो सकती। इस मानसिकता से कितना बड़ा नुकसान हुआ, भारत न सिर्फ आधुनिक विकास की दौड़ में पिछड़ गया, बल्कि रोजगार के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत भी हमसे दूर होने लगे। उन्होंने आगे कहा, आधुनिक दुनिया में अगर रोजगार पैदा करने वाले उद्योग नहीं होंगे, तो रोजगार कैसे मिलेगा? इसीलिए हमने देश को पिछली सरकारों की उस पुरानी सोच से मुक्त करने के लिए काम करना शुरू किया है। अंतरिक्ष क्षेत्र से लेकर सेमी कंडक्टर तक, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक, हमने हर नई तकनीक में प्रगति की है। उन्होंने कहा कि इस सरकार की

देखरेख में 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप शुरू किए गए हैं, साथ ही उन्होंने युवाओं के लिए भुगतान किए गए इंटर्नशिप कार्यक्रम की ओर भी इशारा किया, जिसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में एक करोड़ से अधिक युवाओं को शामिल करना है। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से इस तरह आचरण करने को कहा कि उन्हें दुनिया भर में एक उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाए। मोदी ने कहा, वे सेवक हैं, शासक नहीं। प्रधान मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने लाखों युवाओं को स्थायी सरकारी नौकरियों की पेशकश की है और उनमें से बड़ी संख्या में भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा शासित राज्यों में भी नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। मोदी ने कहा कि हरियाणा में उत्सव का माहौल है, जहां नवगठित सरकार ने 26,000 युवाओं को नौकरियां दी हैं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वहां की भाजपा सरकार बिना खर्ची और पर्ची (रिश्वत और सिफारिश) के ऐसा करने के लिए जानी जाती है। वडोदरा में एक विमान विनिर्माण सुविधा के उद्घाटन का जिक्र करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि हजारों लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, जबकि विनिर्माण मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनने से एमएसएमई क्षेत्र को काफी फायदा होगा। मोदी ने कहा, जब भी कोई योजना शुरू की जाती है, तो उसका ध्यान न केवल उसके लक्षित समूह को सीधे लाभ पहुंचाने पर होता है, बल्कि रोजगार सृजन का संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर भी होता है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं से की राहत प्रयासों में शामिल होने की अपील: प्रियंका

नरेश मल्होत्रा

तिरुवनंतपुरम, 29 अक्टूबर। केरल के कासरगोड में दिवाली से ठीक पहले अंजूतामबलम वीरकावु मंदिर में उत्सव के दौरान आतिशबाजी में विस्फोट होने से कम से कम 154 लोग घायल हो गए। इस हादसे पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने चिंता जताई। उन्होंने बताया कि वह मंदिर में पटाखा दुर्घटना की थबर से परेशान हैं। इस हादसे में आठ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। प्रियंका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीड़ितों और उनके परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राहत प्रयासों में जुटने और समर्थन का आग्रह किया। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कासरगोड में पटाखा विस्फोट से परेशान हूं। इस हादसे में सैंकड़ों लोग घायल हो गए, जिनमें से आठ गंभीर रूप से घायल हैं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिजनों के साथ है। मैं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह करती हूं कि वे राहत प्रयास में जुटे और इसका समर्थन करें। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करती हूं। कासरगोड पटाखा विस्फोट घटना पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल एंथनी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह बहुत दुखद घटना है। 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। केंद्र सरकार स्थिति का जायजा ले रही है। हमारे प्रदेश अध्यक्ष और केरल से हमारे दो केंद्रीय मंत्री

स्थिति का जायजा ले रहे हैं। हम पीड़ितों के साथ खड़े हैं। हमारी संवेदनाएं उनके साथ हैं। कई सारे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम राज्य सरकार से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध करते हैं कि घायलों को उचित चिकित्सा सुविधाएं मिलें और पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। पुलिस के अनुसार, सोमवार की रात को कासरगोड जिले के नीलेश्वरम के पास अंजूतामबलम वीरकावु मंदिर में उत्सव के दौरान पटाखा विस्फोट हुआ। जिलाधिकारी ने मंगलवार को कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, सुरक्षा सावधानियों के नियमों का उल्लंघन हुआ है। पटाखा भंडारण की जगह आतिशबाजी की जगह से 100 मीटर दूरी पर थी। इससे पहले पुलिस ने बताया था कि जब आतिशबाजी हो रही थी तो एक चिंगारी पटाखा भंडारण वाली जगह गिरी और उससे धमाका हो गया। इस हादसे में कई लोग झुलस गए। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मंदिर समिति के आठ सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बिना अनुमति के आतिशबाजी करने और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में मंदिर समिति के सदस्यों के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईआर में कहा गया है कि लापरवाही के कारण आतिशबाजी भंडारण क्षेत्र में आग लग गई। प्रियंका गांधी ने हाल ही में अपनी चुनावी पारी का आगाज किया। उन्होंने 23 अक्तूबर को वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। गौरतलब है कि बीते लोकसभा चुनावों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल की वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत दर्ज की थी। हालांकि उन्होंने बाद में रायबरेली की सीट अपने पास बरकरार रखी और वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया। जिसके कारण अब इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। मंगलवार को एक सभा को संबोधित हुए प्रियंका गांधी ने कहा, मेरे भाई की छवि को खराब करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया गया। इस अभियान में बहुत सारे पैसे और बहुत सारे संसाधन खर्च किए गए। एक समय ऐसा भी था, जब सभी ने उससे मुंह मोड़ लिया था, लेकिन अब सभी उससे बहुत प्यार करते हैं, उसका समर्थन करते हैं। आज जो सब देख रहे हैं, यह आपने पहले देखा है। आपने इस आदमी की लड़ाई को दूसरों से पहले ही पहचान लिया था। वायनाड के लोगों से उसे बहुत प्यार मिला। प्रियंका गांधी ने 23 अक्तूबर को वायनाड सीट से नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान उनके साथ उनकी मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई अन्य नेता मौजूद रहे। यह प्रियंका गांधी का पहला चुनाव है। वायनाड उपचुनाव में प्रियंका गांधी का सामना भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास से होने वाला है। हालांकि, नव्या हरिदास ने पहले ही प्रियंका गंधी को कड़े मुकाबले की चुनौती दे चुकी हैं।

अजित पवार ने नवाब मलिक को बनाया प्रत्याशी

कौमी संवाददाता

मुंबई, 29 अक्टूबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए एनसीपी अजित गुट की तरफ से नवाब मलिक को विधानसभा प्रत्याशी बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक एनसीपी ने नवाब मलिक को मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किया है। इसके बाद नवाब मलिक ने एनसीपी अजित गुट के प्रत्याशी के तौर पर नामांकन भी दाखिल किया है। बता दें कि महाराष्ट्र में बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार) महायुति गठबंधन का हिस्सा हैं. बीजेपी ने नवाब मलिक को टिकट देने का विरोध किया था। वहीं अपना नामांकन दाखिल करने के बाद नवाब मलिक ने कहा कि, आज मैंने एनसीपी उम्मीदवार के तौर पर मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। मैंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर भी नामांकन दाखिल किया था। लेकिन पार्टी ने एबी फॉर्म भेजा और हमने इसे दोपहर 2.55 बजे जमा

कर दिया और अब मैं एनसीपी का आधिकारिक उम्मीदवार हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे का बहुत आभारी हूं। उन्हें मुझ पर भरोसा है, बड़ी संख्या में मतदाता निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे, मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार हम मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र जीतेंगे। पहली बार महाराष्ट्र के मुस्लिम बाहुल्य नेहरू नगर सीट पर 1996 में उपचुनाव में सपा के टिकट पर चुनाव लड़कर जीते और विधानसभा पहुंचे।

विपक्षी उम्मीदवारों के खिलाफ पुलिस का इस्तेमाल कर रही महायुति सरकार: संजय राउत

मुंबई, 29 अक्टूबर। शिवसेना नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर विपक्षी उम्मीदवारों के खिलाफ पुलिस तंत्र का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। संजय राउत ने राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला को भी पद से हटाए जाने की मांग की। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, महा विकास आघाडी (एमवीए) उम्मीदवारों पर हमले कर रही है, उन्हें धमकियां दे रही है और उन्हें डराने के लिए पुलिस दबाव का इस्तेमाल कर रही है क्योंकि उसे राज्य में चुनाव हार जाने का डर है। शिवसेना यूबीटी नेता ने दावा किया कि नासिक के मालेगांव बाह्य निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) नेता अद्वय हिरे पर कथित तौर पर शिवसेना मंत्री एवं उम्मीदवार दादा भूसे के गुंडों ने हमला किया। राउत ने कहा, पुलिस ने अब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। यह केवल मालेगांव बाह्य तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने (सत्तारूढ़ महायुति ने) हमले करने के लिए पुलिस तंत्र का इस्तेमाल किया है। शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा कि यही वजह है कि विपक्ष ने आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी रश्मि शुक्ला को राज्य पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद से हटाने की मांग की है।

गाजियाबाद जिला कोर्ट में हंगामा

गाजियाबाद, 29 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिला कोर्ट में आज भारी बवाल मच गया। कोर्ट में पुलिस ने वकीलों पर लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज के दौरान कई वकील घायल हो गए। पूरा मामला जिला जज और पूर्व बार अध्यक्ष की कहासुनी से शुरू हुआ। कोर्ट में मंगलवार सुबह एक जमानत अर्जी ट्रांसफर करने की मांग पर जिला जज अनिल कुमार और पूर्व बार अध्यक्ष नाहर सिंह यादव के बीच बहस हो गई। इसके बाद जिला जज डायस से नीचे आ गए। कहासुनी के बाद जिला जज से बदसलूकी की। भारी हंगामे के बीच कोर्ट रूम में पुलिस को बुलाना पड़ा। वकीलों ने हंगामे के दौरान कामकाज बंद कर दिया। सूचना मिलते ही ग्राउंड फ्लोर पर तैनात पीएसी के जवान भी पहुंच गए और जमकर लाठियां भांजी, इससे नाराज होकर जिला न्यायालय में अधिवक्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसी दौरान कचहरी में भगदड़ मच गई। इसी बीच पुलिस चौकी में आग लगने की सूचना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वकीलों का आरोप है कि जिला जज कोर्ट रूम में उन्हें चारों तरफ से दरवाजे बंद करके पीटा गया। जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इसी बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश अधिवक्ता एसोसिएशन इस घटना पर नाराजगी व्यक्त की है। इसके साथ ही लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों और पुलिस कर्मियों के विरोध दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो पुलिस प्रशासन के विरुद्ध प्रखर आंदोलन किया जाएगा। इसी बीच एसोसिएशन इस संबंध में एक बैठक भी बुलाई है। कोर्ट रूम में एक व्यक्ति की जमानत को लेकर सुनवाई चल रही थी।

शेख हसीना की पार्टी पर प्रतिबंध की मांग वाली याचिका वापस ली गई

सौरभ शर्मा

ढाका, 29 अक्टूबर। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की राजनीतिक पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका वापस ले ली गई है। सोमवार को भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं सरजिस आलम, हसनत अब्दुल्ला और हसीबुल इस्लाम की तरफ से ये याचिका ढाका उच्च न्यायालय में दायर की गई थी। अब इस याचिका को वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि कथित भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रदर्शनों के चलते ही शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था। याचिका में अवामी लीग समेत 10 अन्य राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। ढाका उच्च न्यायालय में दायर एक अन्य याचिका में साल 2014, 2018 और 2024 में हुए आम चुनावों की वैधता पर भी सवाल उठाया गया था। इन चुनाव में शेख हसीना की पार्टी ने जीत हासिल की थी। 2024 के चुनावों का तो मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी ने बहिष्कार किया था। मंगलवार को इस याचिका को भी वापस ले लिया गया। ढाका उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को सुनवाई के लिए इन दोनों याचिकाओं को सूचीबद्ध किया था, लेकिन अदालत की कार्यवाही शुरू होते ही इन याचिकाओं को वापस ले लिया गया।

याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने पीठ को सूचित किया कि उनके मुवक्किल रिट के साथ आगे नहीं बढ़ेंगे। जिसके बाद जस्टिस फातिमा नजीब और जस्टिस शिकदर महमूदुर राजी की पीठ ने रिट को सूची से हटाने का आदेश दिया। आवामी लीग के साथ-साथ जिन अन्य राजनीतिक पार्टियों पर प्रतिबंध की मांग की गई, उनमें जातीय पार्टी (इरशाद), जातीय पार्टी (मंजू), गणतन्त्र पार्टी, जातीय समाजतांत्रिक दल, बिकल्प धारा बांग्लादेश, बांग्लादेश तरीकत फेडरेशन, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ बांग्लादेश (सीपीबी), लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ बांग्लादेश (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (बरुआ) और वर्कर्स पार्टी ऑफ बांग्लादेश का नाम शामिल था। याचिका में उनकी पार्टी का नाम शामिल किए जाने पर एलडीपी ने याचिकाकर्ताओं से माफ़ी की मांग की। वहीं सीपीबी ने कहा कि शायद गलतफहमी के कारण उनका नाम लिया गया है और जातीय पार्टी (इरशाद) ने कहा कि वे कानूनी तरीकों से इस मामले को सुलझाएंगे। दक्षिणपंथी एलडीपी और वामपंथी सीपीबी, आवामी लीग शासन के कटु आलोचक थे और उन्होंने चुनावों में हिस्सा नहीं लिया। हालांकि, हसीना के निष्कासन के बाद बांग्लादेश की राजनीति में प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी बीएनपी ने कहा कि वे चुनावों में समावेशिता के लिए किसी भी राजनीतिक दल पर प्रतिबंध का विरोध करते हैं।

केंद्र ने खैरात नहीं दी, जो पैसा मिला, वह हमारा हक: मुख्यमंत्री सुक्खू

तेजिन्दर कौर बब्बर

धर्मशाला, 29 अक्टूबर। केंद्र सरकार ने कोई खैरात थोड़ी दी है, हमें जो पैसा मिला है वह हमारा अधिकार है। आपदा का पैसा केंद्र सरकार ने नहीं दिया। एनपीएस (न्यू पेंशन स्कीम) के 9,200 करोड़ रुपये केंद्र सरकार ने दबा रखे हैं। प्रदेश सरकार अपनी संपदा और संसाधनों से चल रही है। यह बात मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को धर्मशाला के परिधि गृह में पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि बोर्ड और कॉरपोरेशन दोनों अलग-अलग हैं। 1200 करोड़ रुपये कर्मचारियों और अधिकारियों की तनख्वाह बनती है। 800 करोड़ रुपये पेंशन बनती है। प्रदेश के 1.70 लाख कर्मचारियों को करीब दो हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता है। इस पैसे पर आरबीआई के साथ हमारी ट्रेजरी जुड़ी होती है। इस पर साढ़े सात फीसदी ब्याज लगता है। इस राशि पर साढ़े तीन करोड़ रुपये ब्याज का हम पेंशन के रूप में देते हैं। वित्तीय अनुशासन लाने की कोशिश प्रदेश सरकार ने की है। सरकार ने कहा था कि वेतन पांच तारीख और पेंशन 9 तारीख को मिलेगी। देशभर के नेताओं ने इस पर चर्चा की और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी यहां आकर इस पर बयान दिया। लेकिन अच्छा होता कि आरबीआई और वित्त विभाग से नड्डा कुछ पूछते कि हमारी ट्रेजरी के क्या हाल हैं। उन्होंने

फिर दोहराया-दो साल बाद हिमाचल आत्मनिर्भर होगा और 2032 में हिमाचल प्रदेश देश का सबसे समृद्धशाली और अमीर राज्य बनेगा। स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों सरकार की प्राथमिकता में है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पैसों की कोई कमी नहीं है। लेकिन इन दोनों सेक्टरों में क्वालिटी होनी चाहिए, इस पर काम हो रहा है। सुक्खू ने कहा कि हम जयराम ठाकुर की तरह सत्ता सुख भोगने नहीं आए। व्यवस्था परिवर्तन के लिए आए हैं और वह हो रहा है। सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने कोई टैक्स नहीं बढ़ाया। भाजपा को हमारी व्यवस्था परिवर्तन से परेशानी हो रही है। क्योंकि खुद तो उन्होंने सत्ता में रहकर कुछ भी नहीं किया। पांच हजार करोड़ रुपये की रेबड़ियां बांट दीं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अनिश्चितता के कारण सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम स्थगित हुआ था, लेकिन अब फिर से यह कार्यक्रम शुरू है। गांव में रहकर कौन सी योजना लाई जाए, इस पर विचार किया जा रहा है। कांगड़ा के गांवों में भी यह कार्यक्रम किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली बोर्ड के कर्मचारी हमारे परिवार के सदस्य हैं। उन्हें भी बात समझनी होगी। पिछले पांच सालों में जहां सुधार होने चाहिए थे, वहां नहीं हो पाए। ऐसी परिस्थिति न पैदा हो कि बिजली बोर्ड को चलाने में कोई दिक्कत पेश आए। सबसे सस्ती बिजली हम खरीद रहे हैं और सबसे महंगी बेच रहे हैं, उसका युक्तिकरण करने की जरूरत है। बिजली बोर्ड को सामर्थ्यवान बनाना है। लेकिन कर्मचारियों के हित की अनदेखी नहीं होगी।

सेबी प्रमुख माधवी बुच पर राहुल गांधी के हमले तेज

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच पर लगे हितों के टकराव के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता और राहुल गांधी के हमले लगातार जारी हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के साथ बातचीत का तीसरा वीडियो जारी करते हुए कहा कि देश में 'एकाधिकार बचाओ सिंडिकेट' सक्रिय है। इस सिंडिकेट के तहत अदाणी समूह, प्रमुख नियामक संस्थाएं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच की खतरनाक सांठगांठ है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अदाणी डिफेंस की वेबसाइट से पता चलता है कि कैसे कंपनी केवल विदेश निर्मित हथियारों की रीब्रांडिंग करके मुनाफा कमाती है, जबकि युवा सैनिकों और उनके परिवारों के प्रशिक्षण, पेंशन और कल्याण के लिए जरूरी राशि को अग्निपथ जैसी योजनाओं के माध्यम से हटा दिया जाता है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता है और हमारे युवाओं के भविष्य को खतरे में डाल रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि माधवी पुरी बुच ने अपनी संपत्ति इंडियाबुल्स समूह से जुड़े एक व्यक्ति से संबंधित कंपनी को किराये पर दे दी, जबकि यह कंपनी सेबी की जांच के दायरे में थी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि बुच प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड से भी जुड़ी हुई हैं और इसमें उनकी इक्विटी है। सेबी की पूर्णकालिक सदस्य बनने के बाद भी उनके कंपनी में शेयर थे। पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करने वाली कंपनी जेसेसा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड का नाम पैराडाइज पेपर्स मामले में

सामने आया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षों से कड़ी मेहनत से बनाई गई सेबी की पवित्रता को नष्ट कर दिया है। इससे करोड़ों छोटे और मध्यम निवेशकों की मेहनत से अर्जित बचत खतरे में पड़ गई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी अपने द्वारा नियुक्त अध्यक्ष के तहत सेबी में पैदा हुई सड़ांध को छिपा नहीं सकते। लगातार हो रहे खुलासों से उनकी स्थिति अस्थिर हो गई है। आपने सेबी की पवित्रता को नष्ट कर दिया है।

काठमांडू में एयर इंडिया के विमान में बम की अफवाह

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांड स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहे एयर इंडिया के विमान को बम की सूचना के बाद रनवे से वापस बुलाना पड़ा। इसके बाद विमान को पार्किंग एरिया से दूर ले जाकर जांच की गई जहां किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। नेपाली सेना की बम डिस्पोजल यूनिट ने यात्रियों के साथ विमान एवं कार्गो की भी पूरी जांच की।त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के सुरक्षा प्रमुख नेपाल पुलिस के डीआइजी दान बहादुर कार्की ने मीडियाकर्मियों को बताया कि एयर इंडिया का विमान जैसे ही यात्रियों को बिठाकर रनवे की ओर जा रहा था, एयरपोर्ट के सुरक्षा कंट्रोल रूम में एक फोन आया जिसके बाद विमान को रनवे से वापस बुला लिया गया। भारतीय मोबाइल नंबर से विमान में बम होने की सूचना दी गयी थी। कार्की ने बताया कि पूरे प्रोटोकॉल के साथ विमान की जांच की गई। यात्रियों के हैंड लगेज की अलग से जांच की गई और यात्रियों को विमान से उतारकर उनकी जांच की गयी। बम की सूचना एक बार फिर अफवाह साबित हुई। विमान अपने निर्धारित समय से करीब साढ़े 3 घंटे के विलंब से 7.32 मिनट पर उड़ान भर सका।

अमेरिका में लोकतंत्र खतरे में, सर्वेक्षण में तीन-चौथाई मतदाताओं का दावा

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। कई अखबार और चुनाव सर्वेक्षण एजेंसिया मतदाताओं का मन टटोलने की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में अमेरिका के प्रमुख अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएन कॉलज ने भी संयुक्त रूप से सर्वेक्षण किया है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, तीन-चौथाई मतदाताओं ने कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स-सिएना कॉलेज के इस सर्वेक्षण के अनुसार, सभी अमेरिकी मतदाताओं में से लगभग आधे का मानना है कि अमेरिकी लोकतंत्र आम लोगों का प्रतिनिधित्व करने का अच्छा काम नहीं कर रहा। तीन-चौथाई मतदाताओं का कहना है कि लोकतंत्र खतरे में है। अखबार इस मत का विश्लेषण करते हुए कहता है कि यह धारणा पक्षपातपूर्ण झुकाव के आधार पर व्यापक रूप से भिन्न है। अधिकांश मतदाताओं का मानना है कि देश भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। इस सर्वेक्षण के विश्लेषण में कहा गया है कि लगभग 250 साल पुरानी अमेरिकी सरकार प्रणाली में विश्वास कम होने की वजह चार साल की अभूतपूर्व चुनौतियां हैं। इनमें 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को पलटने की कोशिश में हिंसक दंगा और बिगड़ती अर्थव्यवस्था प्रमुख कारक है।विभाजनकारी संस्कृति और भू-राजनीतिक संकट से मतदाता परेशान है।वोटर्स का मानना ??है कि अमेरिकी सरकार बुनियादी सुविधाओं को मुहैया कराने में विफल रही है। 58 प्रतिशत मतदाता चाहते हैं कि देश की वित्तीय और राजनीतिक प्रणाली में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है।

'एक्स' ने खामेनेई का हिब्रू अकाउंट किया ब्लॉक

तेहरान। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का हिब्रू भाषा का अकाउंट शुरू होने के एक दिन बाद ब्लॉक कर दिया।श्री खामेनेई ने हिब्रू भाषा में पोस्ट किया कि इजरायल ने ईरान पर हमला करके गलती की है और अपने क्षेत्र पर हमले के लिए ईरान की संभावित प्रतिक्रिया का संकेत दिया।दरअसल, शनिवार रात, इजरायल रक्षा बलों ने एक अक्टूबर को यहूदी राज्य पर हुए हमलों के जवाब में ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले की घोषणा की। फ़ार्स समाचार एजेंसी ने दावा किया कि इजरायल ने तेहरान के पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। वहीं, तस्नीम समाचार एजेंसी ने कहा कि ईरानी राजधानी के पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में स्थित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के सैन्य केंद्रों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

पूर्वी लेबनान पर इजरायली हवाई हमलों में 60 की मौत

बेरूत। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी पर हुए इजरायली हवाई हमलों में दो बच्चों सहित कम से कम 60 लोग मारे गए जबकि 58 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में घाटी के 12 इलाके प्रभावित हुए हैं, जिनमें से अधिकांश बालबेक क्षेत्र में हैं और मरने वालों की संख्या प्रारंभिक है क्योंकि बचाव कार्य अभी भी जारी हैं। बालबेक के गवर्नर बाचिर खोदर ने लेबनान और इज़रयइल के बीच संघर्ष की शुरुआत होने के बाद से क्षेत्र पर सबसे हिंसक हमले की निंदा की। उल्लेखनीय है कि 23 सितंबर के बाद से, इज़रायल ने लेबनान पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिनमें से अधिकांश हिजबुल्लाह को लक्षित करते हुए किए गए हैं और हाल ही में अपनी उत्तरी सीमा पर एक जमीनी अभियान शुरू किया है।

प्रधानमंत्री ओली के पार्टी मुख्यालय के दान वाली जमीन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपनी पार्टी के मुख्यालय भवन निर्माण के लिए विवादित व्यापारी से जमीन दान में लेने पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट से प्रधानमंत्री ओली और उनकी पार्टी के लिए यह एक बड़ा झटका है। कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री ओली ने देश के बड़े व्यापारी से एक बिगहा जमीन दान में लेकर पार्टी मुख्यालय निर्माण के लिए भूमि पूजन किया था। प

धानमंत्री ने जिस व्यापारी मीन बहादुर गुरूंग से यह जमीन दान में लिया था उस व्यापारी पर भ्रष्टाचार के आरोप में सुप्रीम कोर्ट में ही कई मामले लंबित है। नेपाल के सबसे बड़े जमीन घोटाले ललिता निवास कांड में गुरूंग को मुख्य साजिशकर्ता के रूप में सुप्रीम कोर्ट में चार्जशीट दायर कर मुकदमा चलाया जा रहा है। इसी मामले में गुरूंग करीब 9 महीने तक जेल में थे और इस समय जमानत पर बाहर है। प्रधानमंत्री ओली द्वारा आपराधिक चरित्र वाले व्यक्ति से जमीन दान में

लेने पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के वकील जान बहादुर बस्नेत के तरफ से दायर की गई रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश सुनील पोखरेल ने इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं आने तक अंतरिम रोक लगा दिया है। इस मामले पर अंतरिम आदेश सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दान में मिले जमीन का हस्तांतरण नहीं करने और वहां पर चल रहे निर्माण कार्य को फिलहाल स्थगित करने को कहा है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी व्यक्ति से प्रधानमंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति के द्वारा जमीन दान में लेने से न सिर्फ नैतिकता का बल्कि देने और लेने वाले की नीयत पर भी शंका उत्पन्न हुआ है। कोर्ट ने दान देने वाले और दान लेने वाले दोनों पक्षों को 15 दिन के भीतर लिखित जवाब देने को कहा है।

बांग्लादेश की औद्योगिक त्रासदी में 1,135 लोगों की मौत के केस में जेल में ही रहना होगा उद्योगपति सोहेल राणा को

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में हृदयविदारक औद्योगिक त्रासदी के आरोपित उद्योगपति सोहेल राणा को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन की तीन सदस्यी पीठ के आज के आदेश से राणा की अंतरिम जमानत पर रिहाई की उम्मीद खत्म हो गई। सोहेल राणा बांग्लादेश की मशहूर कपड़ा फैक्टरी %राणा प्लाजा% का मालिक है। 24 अप्रैल, 2013 को सावर में राणा प्लाजा की नौ मंजिला इमारत ढह गई थी। इस भयावह हादसे में कम से कम 1,135 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर कपड़ा श्रमिक थे और 2,500 से अधिक अन्य घायल हो गए थे।बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार की खबर में सोहेल के वकील मोहम्मद शिशिर मनीर के हवाले से कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट की अपीलीय डिवीजन ने आज अपने चैंबर जज के 2 अक्टूबर के आदेश को बढ़ा दिया। इस आदेश में सोहेल राणा को अंतरिम जमानत देने के हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से केस को दो महीने में निपटाने को कहा है। वाली राज्य सरकार की याचिका पर यह आदेश पारित किया। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल मोहम्मद अरशदुर रऊफ ने सुनवाई के दौरान राज्य का

वकील मनीर ने कहा कि अंतरिम जमानत पर रोक का आदेश केस के निपटारे तक जारी रहेगा। इसलिए वह अब रिहा नहीं हो सकता है। द डेली स्टार के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मोहम्मद अशफाकुल इस्लाम की अध्यक्षता वाली अपीलीय प्रभाग की तीन सदस्यी पीठ ने सोहेल राणा को हाई कोर्ट की अंतरिम जमानत को चुनौती देने प्रतिनिधित्व किया। 24 अप्रैल, 2013 को सावर में हुए इस हादसे के बाद बांग्लादेश में श्रम और मानवाधिकार मानकों पर सवाल खड़े हुए थे। सावर पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक वली अशरफ ने औद्योगिक त्रासदी के कुछ घंटों बाद जुबो लीग के पूर्व नेता सोहेल राणा, उनके पिता और कई अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था।

'अमेरिका में ऐसे लोग हैं जो वैध आव्रजन प्रतिबंधित करना चाहते', राष्ट्रपति बाइडन की सलाहकार का ट्रंप पर तंज

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति की घरेलू नीति सलाहकार नीरा टंडन ने उन राजनीतिक समूहों की आलोचना की है जो एशियाई देशों और दुनिया के अन्य हिस्सों से वैध प्रवासन को प्रतिबंधित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वासन की उनकी नीति कई बार उन लोगों और प्रियजनों को प्रभावित करेगी जो कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवास कर गए हैं।

टंडन ने कहा, मैं बस इतना कहूंगी की आव्रजन के बारे में बहुत बातचीत हो रही है। दोनों लोग, हमारा प्रशासन और अन्य हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मगर, कानूनी आव्रजन के मुद्दे पर देश के नेताओं के बीच एक बड़ा मतभेद है। हमारा समुदाय कुछ हद तक इसलिए बढ़ा है क्योंकि इस देश ने कानूनी आव्रजन के विस्तार को महत्वपूर्ण माना है।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर साधा निशाना

उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए कहा, %यह एक बड़ा अंतर है। ऐसे लोग हैं जो वैध आव्रजन को प्रतिबंधित करना चाहते हैं, विशेष रूप से एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों से। यह एक ऐसा मुद्दा है जो वास्तव में दांव पर है। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में पर्याप्त चर्चा हुई है। जबकि मौजूदा प्रशासन दस्तावेज पाने का सपना देखने वालों के लिए समर्थन बढ़ाने पर केंद्रित रहा है। उन्होंने आगे कहा, %हमें और भी काम करने की जरूरत है। हमें यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि अगर हम सामूहिक निर्वासन के बारे में बात कर रहे हैं, तो इसमें मिश्रित-स्थिति वाले परिवार भी शामिल होंगे। हालांकि, इसका मतलब यह भी हो सकता है कि हम वास्तव में कानूनी आव्रजन पर प्रतिबंध देख सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति की घरेलू नीति सलाहकार ने कहा, %इसलिए राष्ट्रपति की और वास्तव में सबसे महत्वपूर्ण बात उपराष्ट्रपति की सीमा विधेयक योजना में कानूनी आव्रजन का विस्तार करने और विशेष रूप से दस्तावेज पाने का सपना देखने वालों को सहायता प्रदान करने का प्रावधान था। मगर दुर्भाग्य से इस विधेयक को रिपब्लिकन द्वारा खारिज कर दिया गया था क्योंकि तब नामांकित डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें इसके खिलाफ वोट करने के लिए कहा था। यह पूछे जाने पर कि कानूनी आव्रजन पर ट्रंप की नीतियां भारतीय अमेरिकियों को कैसे प्रभावित करेंगी, उन्होंने कहा, %मैं वास्तव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के बारे में बात करने के लिए यहां नहीं हूं, लेकिन मैं यह कहूंगी कि आप अपने पहले प्रशासन में ट्रंप द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव को देखें। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रस्ताव रखा कि हम एशिया के देशों से कानूनी आव्रजन तक पहुंच को प्रतिबंधित करेंगे और यूरोप के देशों में इसका विस्तार करेंगे या इसे वैसा ही रखेंगे।

भारत दौरे को उत्सुक हैं नेपाल के प्रधानमंत्री, औपचारिक निमंत्रण का इंतजार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपने भारत भ्रमण के लिए औपचारिक निमंत्रण की प्रतीक्षा में हैं। औली ने सार्वजनिक रूप से भारत के दौरा के लिए निमंत्रण की इंतजार करने की बात कही है। नेपाल में उनकी सरकार बने सौ दिन पूरे हो चुके हैं। अपनी सरकार के सौ दिन पूरा होने पर सरकारी समाचार एजेंसी राष्ट्रीय समाचार समिति को दिए अन्तर्वार्ता के क्रम में प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि उन्हें अब तक भारत दौरा का औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला है। वो इसकी प्रतीक्षा में है जैसे ही निमंत्रण मिलेगा वो दिल्ली का भ्रमण करना चाहेंगे। प्रधानमंत्री ओली ने यह भी कहा कि उनके पास चीन सरकार के तरफ से दौरा की बात आई है, पर उनकी प्राथमिकता भारत भ्रमण की है। ओली ने कहा कि चीन से भ्रमण की बात हो रही है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी के तरफ से चीन आने का न्यौता तो मिला है, पर औपचारिक निमंत्रण वहां से भी नहीं आया है। प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय दोनों जगह ही भारत और चीन भ्रमण को लेकर एजेंडा की तैयारी की जा रही है।

औपचारिक निमंत्रण मिलते ही वो दिल्ली और बीजिंग की यात्रा पर जाएंगे। नेपाल के राजनीतिक गलियारों में ओली सरकार के असफल होने की चर्चाएं हो रही हैं। विदेश मामलों के जानकार अरुण संवेदी ने कहा कि ओली ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनको सौ दिन पूरा होने के बाद भी अपने दोनों पड़ोसी में से किसी से भी औपचारिक निमंत्रण नहीं मिलना यह दर्शाता है कि इस सरकार को कोई भी पड़ोसी देश पसंद नहीं कर रहा है। सुवेदी का कहना है कि नेपाल में नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति के साथ ही शपथग्रहण से पहले ही भारतीय प्रधानमंत्री का टेलीफोन आता है और भारत भ्रमण का निमंत्रण दिए जाने की परंपरा है पर ओली की नियुक्ति के बाद इस बार भारतीय प्रधानमंत्री का शुभकामना संदेशपत्र के रूप में आया जो महज औपचारिकता निभाया गया।

बुशरा बीबी को जेल में जहर दिया गया था : उमर अयूब खान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के केंद्रीय नेता और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने आरोप लगाया है कि अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में रहने के दौरान बुशरा बीबी को जहर दिया गया था। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, उमर अयूब खान ने यह आरोप रविवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हजारा डिवीजन के शहर हरिपुर में जारी बयान में लगाया। उल्लेखनीय है कि इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को हाल ही में जेल से रिहा किया गया है।पीटीआई नेता उमर अयूब खान ने दावा किया कि पूर्व प्रथम महिला बुशरा बीबी नौ महीने तक हिरासत में रहीं। वह किसी तरह जीवित रहीं। उन्होंने कहा कि पीटीआई संस्थापक इमरान खान की दोनों बहनों अलीमा खान

और उज्मा खान के साथ बुशरा बीबी की हालिया रिहाई कानूनन हुई है। इसके लिए सरकार से किसी भी तरह का राजनीतिक समझौता नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि पीटीआई संस्थापक इमरान खान के साथ अदियाला जेल में खराब व्यवहार होता है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की तरह पीटीआई नेता को भी प्लेटलेट स्तर में गिरावट का सामना करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने विदेश में निर्वासन नहीं मांगा है। उन्होंने न्यायिक निष्पक्षता की आशा व्यक्त की है। अयूब ने मौलाना फजलुर रहमान के साथ पीटीआई के गठबंधन को दोहराते हुए यह भी घोषणा की कि विपक्ष दल जल्द ही वर्तमान सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे।

पाकिस्तान में पुलिस ने मानवाधिकार कार्यकर्ता इमान मजारी और उनके पति को गिरफ्तार किया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान की मशहूर मानवाधिकार कार्यकर्ता और प्रसिद्ध वकील इमान मजारी और उनके पति अब्दुल हादी को आज गिरफ्तार कर लिया गया। इमान माजरी पाकिस्तान के पूर्व केंद्रीय मंत्री शिरीन मजारी की पुत्री हैं। चैनल की खबर में पुलिस सूत्रों के हवाले से कहा गया कि वकील इमान मजारी और उनके पति अब्दुल हादी को संघीय राजधानी इस्लामाबाद में गिरफ्तार किया गया। इन दोनों को सरकारी कार्यों में हस्तक्षेप के संबंध में आबपारा पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया।

इमान मजारी और उनके पति पर कुछ दिन पहले पाकिस्तान के दौरे पर आई इंग्लैंड टीम के ट्रैफिक प्रोटोकॉल के लिए लगाए गए सड़क अवरोधों

को हटाने के प्रयास और ट्रैफिक पुलिस के साथ हाथापाई करने का आरोप लगाया गया है। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, मजारी के पति ने पुलिसकर्मियों की पिटाई की। उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। हालांकि मजारी ने दावा किया कि वह जल्दी में थीं, क्योंकि उन्हें अदालत पहुंचना था। इस्लामाबाद पुलिस ने कहा कि दंपति ने राज्य अतिथियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का उल्लंघन किया है।

सूडान में कीट नियंत्रण हेलिकॉप्टर से टकराया वाहन, चार लोगों की मौत

एजेंसी

खार्तूम। सूडान के पूर्वी प्रांत गेदारेफ में एक कीट नियंत्रण छिड़काव हेलिकॉप्टर रनवे पर एक वाहन से टकरा जाने से चार कृषि श्रमिकों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

गेदारेफ राज्य के कार्यवाहक कृषि मंत्री अम्मार सुलेमान ने शिन्हुआ को बताया कि यह घटना शुक्रवार को तब हुई, जब एक कीट नियंत्रण छिड़काव हेलिकॉप्टर कृषि क्षेत्र में उतर रहा था। उसी दौरान, एक तीन पहिया वाहन (टुक-टुक)

अचानक रनवे पर आ गया, जिससे उसकी हेलिकॉप्टर से टक्कर हो गयी। इसमें सवार 15 लोगों में से चार लोगों की मौत हो गयी और आठ लोग घायल हो गये। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मंत्री ने कहा कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है और उसे इलाज के लिए पड़ोसी राज्य के कसाला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। न्होंने बताया कि जो लोग हताहत हुए हैं, वे सभी टुक-टुक में सवार थे। टुक-टुक में 15 लोग सवार थे।

फिलहाल, गेदारेफ़ राज्य में तिल की फ़सल के साथ-साथ अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की कटाई शुरू हो गयी है।

चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एलडीपी चुनाव प्रमुख ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

टोक्यो। जापान की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के चुनाव प्रमुख शिंजिरो कोइजुमी ने पार्टी के निराशाजनक चुनाव प्रदर्शन के मद्देनजर प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। स्थानीय समाचार चैनल 'एनएचके' ने यह जानकारी दी।

इस कदम को रविवार को आम चुनाव में पार्टी की महत्वपूर्ण हार की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें एलडीपी को 465 सदस्यीय निचले सदन में केवल 191 सीटें हासिल हुई। जापान के सत्तारूढ़ गठबंधन एलडीपी और उसके सहयोगी कोमिटो को कुल 215 सीटें मिलीं, जो 15 वर्षों में पहली बार

आम चुनाव में बहुमत की सीमा से कम हो गईं, जिससे पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही अर्थव्यवस्था में राजनीतिक अनिश्चितता भी आ गई। एनएचके ने श्री कोइजुमी के हवाले से कहा कि चुनाव प्रमुख के लिए चुनाव के परिणामों की जिम्मेदारी लेना स्वाभाविक है। प्रसारक ने बताया कि श्री इशिबा ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे शिंजिरो कोइजुमी ने स्वीकार किया कि पार्टी को मतदाताओं के फैसले के मद्देनजर यह स्वीकार करना चाहिए कि ÷एलडीपी को बदलना होगा÷। उन्होंने चुनावी हार के लिए राजनीतिक वित्तपोषण घोटाले से संबंधित मुद्दों को जिम्मेदार ठहराया। पार्टी अध्यक्ष पद के लिए उनके पिछले प्रयासों के बावजूद, नए प्रशासन की स्थापना के बाद श्री कोइजुमी को श्री इशिबा के नेतृत्व में चुनाव प्रमुख नियुक्त किया गया था।

व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति बाइडन ने भारतीय-अमेरिकियों के साथ मनाई दिवाली, बोले- मुझे इस पर गर्व है

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस में दिवाली का त्योहार मनाया गया। इस कार्यक्रम में 600 से ज्यादा प्रतिष्ठित भारतीय अमेरिकी नागरिक शामिल हुए। इस दौरान राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में मुझे व्हाइट हाउस में अब तक के सबसे बड़े दिवाली रिसेप्शन की मेजबानी करने का सम्मान मिला। बाइडन ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है कि बतौर सीनेटर, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति के रूप में काम करते हुए मेरे स्टाफ के प्रमुख सदस्य दक्षिण एशियाई अमेरिकी रहे।

जो बाइडन ने इस बात पर जताया गर्व: जो बाइडन ने कहा कि कमला हैरिस से लेकर डॉ. विवेक मूर्ति और यहां मौजूद बहुत से लोगों के लिए मुझे गर्व है कि मैंने अमेरिका जैसा दिखने वाला प्रशासन बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को निभाया।

बाइडन के संबोधन से पहले भारतीय अमेरिकी युवा सामाजिक कार्यकर्ता श्रुति अमुला और अमेरिकी सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति, सुनीता विलियम्स ने संबोधन दिया। सुनीता विलियम्स अभी अंतरिक्ष में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर मौजूद हैं, इसलिए उन्होंने वीडियो रिकॉर्डेड संदेश भेजा। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडन इस दिवाली कार्यक्रम में शामिल नहीं हुई, दोनों फिलहाल चुनाव प्रचार में जुटी हैं।

जो बाइडन ने प्रज्जवलित किया दीया

साल 2016 में व्हाइट हाउस में आयोजित हुए पहले दिवाली समारोह को याद करते हुए बाइडन ने कहा कि %दक्षिण एशियाई अमेरिकियों सहित अप्रवासियों के प्रति घृणा और शत्रुता से बना एक काला बादल% 2024 में एक बार फिर दिखाई दे रहा है। अमेरिका हमें अपनी शक्ति की याद दिलाता है कि हम सभी को प्रकाश बनना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान जो बाइडन ने व्हाइट हाउस के ब्लू रूम में औपचारिक दीया प्रज्जवलित किया। इस अवसर पर उन्होंने अमेरिकी लोकतंत्र में योगदान देने के लिए दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय को धन्यवाद दिया।

ओरेगन-वैंकूवर के बैलेट बॉक्स में आगजनी, कई मतपत्र क्षतिग्रस्त, जांच में जुटे अधिकारी

एजेंसी

ओरेगॉन। अमेरिका में ओरेगॉन के पोर्टलैंड क्षेत्र में दो बैलट ड्रॉप बॉक्स में आग लगने की घटनाओं पर संघीय अधिकारी जांच कर रहे हैं। वे इसके साथ वाशिंगटन के नजदीकी वैंकूवर क्षेत्र में दूसरी बार आग लगने की घटनाओं की भी जांच में जुटे हुए हैं।

पोर्टलैंड पुलिस ब्यूरो ने बताया कि अधिकारियों ने ओरेगॉन में लगभग 3:30 बजे बैलट ड्रॉप बॉक्स में आग लगने की घटना की जानकारी पाकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत आग पर काबू पा लिया, लेकिन हादसे में कई बैलट्स (मतपत्र) नष्ट हो गए।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आईएएस अधिकारी विपिन कुमार ने एएआई के अध्यक्ष का पदभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार कैडर के 1996 बैच के आईएएस अधिकारी विपिन कुमार ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। एएआई ने आज सोशल मीडिया एक्स पर आज यह जानकारी साझा की। एएआई के मुताबिक विपिन कुमार इससे पहले शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग में अतिरिक्त सचिव थे। बिहार में अपनी तैनाती के दौरान उन्होंने राज्य के कई जिलों में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में काम किया। वह बिहार पुल निर्माण निगम के अध्यक्ष, बिहार दुग्ध सहकारी संघ (सुधा) के प्रबंध निदेशक और मिड-डे स्कीम-बिहार के निदेशक भी रहे। विपिन कुमार के पास इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग की डिग्री है।

हरियाणा के कारण प्रदूषित हो रहा दिल्ली का हवा-पानी : विनय मिश्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। 'आप' विधायक विनय मिश्रा ने औपचारिक रूप से दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष का पद संभाल लिया।उन्होंने अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्लीवासियों को स्वच्छ और मुफ्त पानी उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। विनय मिश्रा ने कहा कि भाजपा ने अपनी गंदी राजनीति के चलते दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को एक साल से अपंग बना दिया था, पानी की सप्लाई और सीवर की सफाई के काम ठप थे। केजरीवाल के दिशा-निर्देश में जल बोर्ड फिर पटरी पर लौटेगा। उन्होंने कहा, ÷हम दिल्लीवासियों की पानी और सीवर की समस्या को जल्द हल कर देंगे। छठ पूजा हमारे लिए एक बहुत बड़ा आयोजन है। आप सरकार हर साल की तरह इस बार भी यमुना नदी पर छठ पूजा के अच्छे इंतजाम करेगी। हरियाणा में जलने वाली पराली और वहां से यमुना में छोड़े जाने वाले औद्योगिक कचरे की वजह से दिल्ली में वायु और जल प्रदूषण हो रहा है। मैंने मुख्यमंत्री आतिशी से अपील की है कि वह हरियाणा सरकार से बात करके वहां से आ रहे औद्योगिक कचरे को रुकवाएं ताकि हम दिल्ली वालों को साफ पानी मिल सके। विनय मिश्रा ने कहा कि दिल्ली पिछले एक साल से चुनौतियों का सामना कर रही है। सबसे पहले इन्होंने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री को गिरफ्तार करवाया और फिर अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ्तार करवाया ताकि दिल्ली के विकास कार्यों को रोका जा सके।

रेलरेस्ट्रो एप से ट्रेन सीट पर भोजन पहुंचाने की सुविधा 450 स्टेशनों तक पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रेन फूड एप रेलरेस्ट्रो ने कहा है कि वह अब देश भर में 450 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर रेल यात्रियों को उनकी सीट पर भोजन की आपूर्ति की सुविधा प्रदान कर रहा है। यह जानकारी रेलरेस्ट्रो की एक विज्ञप्ति में दी गयी। रेलरेट्रो के संस्थापक मनीष चंद्रा ने कहा, हम अपने एप की सुविधा को लेकर यात्रियों के भरोसे को देखकर काफी खुश हैं, हमारा लक्ष्य यात्रियों को खाने को लेकर अच्छा से अच्छा अनुभव प्रदान करना चाहते हैं।

मुख्तार अहमद की तरफ से देश वासियों को विशेष बधाई

नई दिल्ली,29 अक्टूबर। हज कमेटी दिल्ली के पूर्व चेयरमैन हाजी मुख्तार अहमद ने दीपावली के पर्व पर देश वासियों को विशेष बधाई दी है। उन्होंने अपने प्रेस बयान जारी करते होए कहा है कि

दीपों का पर्व कह जाने वाला दीपावली भारत का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार है। देश भर की बहुत सी संस्थाओं में विभिन्न पदों पर अपनी सेवा प्रदान करने वाले मुख्तार अहमद ने कहा कि दिवाली जोश और उमंग से भरपूर भारत का सबसे चमकदार त्यौहार है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का शानदार प्रतीक है । उन्होंने कहा कि दिवाली का त्यौहार हमें बुराई से लड़ने और अच्छाई के मार्ग पर चलने की शिक्षा देता है। मुख्तार अहमद ने यह भी कहा कि रोशनी का यह त्यौहार हम सभी की जीवन में खुश लेकर आए हम सब इसकी कामना करते हैं। उनका यह भी कहना था कि हमारे खूबसूरत और प्यारे भारत की विशेषता यह हे कि हम सभी देशवासी सारे त्यौहार पूरे जोश और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं साथ ही एक दूसरे को मुबारकबाद भी देते हैं, किंतु हमे हर हालत में अपने देश को मजबूत और आगे ले जाने की तरफ कोशिश करनी चाहिए, तभी हमारा देश विश्व गुरु बनेगा और खूब तरक्की भी करेगा।

एनसीपी शरद गुट ने पांच और उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

मुंबई, 29 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी शरद गुट ने पांच और प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। पार्टी ने सोलापुर जिले के मोहोल विधानसभा सीट पर प्रत्याशी को बदल दिया है। पार्टी ने मोहोल सीट से सिद्धि रमेश कदम की जगह राजू खरे को टिकट दिया है। बताया जाता है कि कदम को टिकट देने का विरोध किया जा रहा था। वहीं पार्टी ने सोलापुर जिले के माढ़ा विधानसभा क्षेत्र से अभिजीत पाटिल और पंढरपुर क्षेत्र से अनिल सावंत को मैदान में उतारा। इसके अलावा मोर्शी विधानसभा सीट से गिरीश कराले और संगीता वाजे मुंबई की मुलुंड सीट से चुनाव लड़ेंगी। एनसीपी शरद गुट ने अब तक 87 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने पहली सूची में 45, दूसरी सूची में 22, तीसरी सूची में नौ, चौथी सूची में सात और पांचवी सूची में पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इसमें एक सीट पर प्रत्याशी को बदला है। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, जबकि विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार की एनसीपी से मिलकर बनी महायुति सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है

सरदार पटेल की जयंती के कार्यक्रम में कार्यकर्ता बढ़चढ़ कर भाग लें : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं का देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ पटेल की 150वीं जयंती को धूमधाम से मनाने और मंगलवार को होने वाली रन फॉर यूनिटी में बढ़ चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया है।

श्री नड्डा ने आज यहां एक बयान में कहा कि भाजपा, भारत के लौह पुरुष, आजादी के बाद भारतवर्ष के एकीकरण के सूत्रधार, दूरद्रष्टा एवं देश के पहले उप प्रधानमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को पूरे हर्षोल्लास के साथ देश भर में मनाती है। 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पश्चात केंद्र सरकार पूरे देश में आदर एवं सम्मान के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती आदर एवं सम्मान के साथ मनाई जाती है।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सरदार पटेल की 143वीं जयंती के अवसर पर

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 31 अक्टूबर 2018 को दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का अनावरण किया था। इस दिन केंद्र सरकार की ओर से 'रन फॉर यूनिटी' सहित कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं और सरदार पटेल को नमन कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर हम 2014 से सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हैं।उन्होंने कहा, 'इस वर्ष सरदार पटेल जी जयंती का 150वां वर्ष शुरू हो रहा है। इस अवसर पर मोदी सरकार द्वारा अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। मेरा पार्टी के कार्यकर्ताओं से विनम्र अनुरोध है कि आप इन कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। साथ ही, भारत रत्न सरदार पटेल जी से जुड़े विचार और कार्य भी आप सोशल मीडिया पर सरदार150 हैशटैग के साथ साझा कर उनके विचारों, आदर्शों को प्रचारित एवं प्रसारित करें। श्री नड्डा ने कहा कि श्री मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम ÷मन की बात' के 115वें संस्करण में कहा है कि इस बार 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के दिन ही दीपावली का पर्व भी है। हम हर साल 31 अक्टूबर 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन करते हैं। दीपावली की वजह से इस बार 29 अक्टूबर यानि 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया जायेगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'मेरा आग्रह है, ज्यादा से ज्यादा संख्या में इसमें हिस्सा लीजिए देश की एकता के मंत्र के साथ ही फिटनेस के मंत्र को भी हर तरफ फैलाईये। पार्टी कार्यकर्ता 29 अक्टूबर को ÷रन फॉर यूनिटी÷ का कार्यक्रम सफल बनाने के लिए कार्य करें। मैं भाजपा के सांसदों एवं विधायकों सहित सभी जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी के सभी पदाधिकारियों से भी अनुरोध है कि वे भी 'रन फॉर यूनिटी' सहित सभी कार्यक्रमों में भाग लें और सरदार पटेल को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करें। भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने में सरदार पटेल की अद्वितीय भूमिका हम सभी के लिये सदैव प्रेरणा का अक्षय स्रोत रहेगी।

माधवी बुच के खिलाफ हम करेंगे कार्रवाई : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड - सेबी प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है एवं ना ही इस मामले की जांच की जा रही है लेकिन कांग्रेस ने जांच की है तथा समय आने पर कार्रवाई भी की जाएगी। श्री गांधी ने कहा कि सेबी प्रमुख ने घोटाला किया है लेकिन उनसे सवाल नहीं पूछे जाते हैं और ना ही उन पर लगे आरोपों की जांच होती है। उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है क्योंकि मोदी सरकार अडानी और बुच जैसे लोगों के पैसे की रक्षक बनी है और उनको बचाने में लगी है।

श्री गांधी ने कहा,÷सेबी अध्यक्ष माधबी बुच आईसीआईसीआई से किस बात के पैसे ले रही थीं। अध्यक्ष रहते हुए अनलिस्टेड कंपनियों में शेयर कैसे रख सकती थीं। उस कंपनी को स्टार्टअप इंडिया के करोड़ों रुपए क्यों मिले। सरकार किस डर से इस पर कार्रवाई नहीं कर रही। उन्होंने

कहा, साफ है बुच अडानी के पैसे, उनका मूल्यांकन और प्रतिष्ठा की रक्षा कर रही है मगर बुच को कौन और क्यों बचा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है लेकिन कांग्रेस करेगी। उन्होंने कहा,÷एजेंसियों ने जांच नहीं की, मीडिया ने सवाल नहीं किया, सरकार ने कार्रवाई नहीं की - हमने जांच भी की है, सवाल भी कर रहे हैं और वक्त आने पर कार्रवाई भी होगी।

वेद के मंत्रों के साथ तटरक्षक बल में शामिल हुए 'अदम्य' और 'अक्षर'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तट रक्षक ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित दो फास्ट पेट्रोल वेसल (एफपीवी) जहाज 'अदम्य' और 'अक्षर' एक साथ लॉन्च किये। भारतीय तटरक्षक के प्रवक्ता ने बताया कि ये जहाज उन आठ जहाजों का हिस्सा है जिनके लिए जीएसएल से 473 करोड़ रूपये का अनुबंध किया गया है। ये दोनों 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ बनाये गये हैं।

ये उन्नत जहाज सुरक्षा, निगरानी और नियंत्रण प्रणालियों से लैस हैं और इनसे तटरक्षकों को अपतटीय संपत्तियों और द्वीप क्षेत्रों की रक्षा में मदद मिलेगी। इनकी लंबाई 52 मीटर, चौड़ाई 8 मीटर, अधिकतम गति 27 समुद्री मील है और इसका वजन 320 टन है। जहाजों को अमेरिकन ब्यूरो ऑफ शिपिंग और इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग के कड़े दोहरे वर्ग

प्रमाणीकरण के तहत आईसीजी की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन और निर्मित किया गया है। जहाज का उद्घाटन और नामकरण महानिदेशक भारतीय तटरक्षक, परमेश शिवमणि की पत्नी प्रिया परमेश द्वारा 'अथर्ववेद' के मंत्रों के बीच एक समारोह में किया गया।

महानिदेशक ने सभा को संबोधित करते हुए जीएसएल और विभिन्न उद्योगों के प्रयासों की सराहना की कि सभी जहाजों के निर्माण में स्वदेशी सामग्री का जरूरत के अनुसार इस्तेमाल किया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने के लिए जीएसएल के कर्मचारियों को बधाई देते हुए उन्होंने उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया कि रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में सही ढंग से आगे बढा जाना चाहिए। समारोह में जीएसएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय और नौसेना, आईसीजी, जीएसएल और वर्गीकरण समितियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदूषण के ख़िलाफ़ 'युद्ध' में तैनात होंगे 10 हज़ार मार्शल : आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा है कि दिल्ली में एक सप्ताह के अंदर 10 हज़ार नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और बस मार्शलों को प्रदूषण के ख़िलाफ़ 'युद्ध' में ज़मीन पर तैनात किया जाएगा।

सुश्री आतिशी ने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ जंग में 10,000 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और बस मार्शलों को ज़मीन पर तैनात किया जाएगा और सप्ताह भर में इनका पंजीकरण शुरू होगा। उन्होंने कहा कि, वाहनों को गलत तरीके से प्रदूषण सर्टिफिकेट न मिलें, इसके लिए सभी जांच केंद्रों पर नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और बस मार्शल तैनात किए जाएँगे। साथ ही ग्रैप की पाबंदियां बढ़ने के साथ दिल्ली की सीमाओं पर चेकिंग के एनफोर्समेंट टीमों के साथ बस मार्शलों की भी तैनाती होगी। उन्होंने कहा कि

प्रदूषण रोकथाम के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मदद के साथ-साथ जागरूकता अभियानों में भी मार्शलों की तैनाती होगी। उन्होंने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहे जितना परेशान करे,आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में हम दिल्लीवासियों की हर समस्या का समाधान जरूर निकालेंगे।

सुश्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली में बसों में महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए 2017-18 में दिल्ली सरकार ने बस मार्शल तैनात किए लेकिन 2023 के अप्रैल से केंद्र सरकार ने इन बस मार्शलों को हटाने की साजिश रची और इनकी तनख्वाह रोक दी। उन्होंने कहा कि आख़िरकार इन बस मार्शलों का संघर्ष रंग लाया और केंद्र सरकार को इन बस मार्शलों के संघर्ष के सामने झुकना पड़ा। दिल्ली सरकार कहती आ रही थी कि, इन बस मार्शलों को दोबारा नौकरी पर रखा जाए, उस प्रस्ताव को आख़िरकार केंद्र सरकार को मानना पड़ा।

दिल्ली में कांग्रेस की न्याय यात्रा का उद्देश्य दिल्ली वासियों को अन्याय से मुक्ति दिलाना : आलोक शर्मा

एजेंसी

द्वनई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी दिल्ली चुनाव से पहले राज्य में न्याय यात्रा शुरू करने जा रही है। पार्टी यह यात्रा आठ नवंबर से शुरू कर रही है। यह यात्रा आठ नवंबर से शुरू होकर चार दिसंबर तक चलेगी। इस पर कांग्रेस सचिव आलोक शर्मा ने प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि न्याय का मतलब बहुत सरल है, जिन लोगों के साथ वर्षों से अन्याय हो रहा था, उससे उन्हें कैसे मुक्ति मिले। जिसे केजरीवाल की सरकार और मोदी की सरकार ने जो किया उससे कैसे निजात पाई जाए। आज दिल्ली प्रदूषण में नंबर वन है। कानून व्यवस्था से जुड़े अपराध में नंबर वन है। बेरोजगारी में नंबर वन है। महंगाई इस तरह से बढ़ रही है, ही नहीं चलता कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क है। कांग्रेस पार्टी दिल्ली को न्याय दिलाने के लिए

न्याय यात्रा निकाल रही है। हम दिल्ली की जनता की आवाज भी सुनेंगे और अपने पिता की आवाज को लोगों के सामने रखेंगे। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा दिल्ली में 25 सीटों पर ध्यान केंद्रित करने की बात पर उन्होंने कहा, ÷नहीं, ऐसा नहीं है, ये सिर्फ मीडिया की खबरें हैं, सभी 70 सीटों पर ध्यान केंद्रित है लगाए गए संपत्ति छिपाने के आरोप पर उन्होंने कहा, ÷चुनाव आयोग इसकी जांच करेगा, भाजपा का काम हमें भटकाना है, असली मुद्दों पर बात करना नहीं है। वायनाड में इतनी त्रासदी हुई, भाजपा ने क्या किया, केंद्र सरकार ने क्या किया, यह हमें बताएं। बता दें कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली चुनाव से पहले राज्य में न्याय यात्रा शुरू करने जा रही है। पार्टी यह यात्रा आठ नवंबर से शुरू कर रही है। यह यात्रा आठ नवंबर से शुरू होकर चार दिसंबर तक चलेगी। इस न्याय यात्रा का आयोजन पार्टी चार चरणों में करेगी। इस यात्रा के दौरान प्रत्येक चरण एक सप्ताह का होगा। इसमें 16

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत जेपी नड्डा ने सत्यनिष्ठा की ली शपथ, पारदर्शिता पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के भाग के रूप में निर्माण भवन में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणा मंत्री जेपी नड्डा ने मंत्रालय के अधिकारियों और डॉक्टरों के साथ सत्यनिष्ठा की शपथ के लिए आयोजित समारोह में भाग लिया। जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि यह उत्सव हम सभी को शासन में पारदर्शिता और नैतिक आचरण बनाए रखने की हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है।

जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में हमारी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए प्रतिबद्ध है। खत्म करने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए हाथ मिलाएं ताकि ये मूल्य हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनें, क्योंकि हम विकसित भारत-सभी के लिए एक विकसित और समृद्ध भारत- के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में काम कर रहे हैं। शपथ समारोह में ऑनलाइन रूप से राममनोहर लोहिया अस्पताल के निदेशक और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शुक्ला ने अस्पताल के चिकित्सकों और प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ भाग लिया। राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति विषय पर शपथ समारोह का उद्देश्य कर्मचारियों को पारदर्शिता, जवाबदेही और अखंडता की आवश्यकता के बारे में संवेदनशील बनाना है।

PUBLIC NOTICE

I, Mamata Khatun D/o Ismail Mondal R/o D 2/142, First Floor, Jeevan park, Uttam Nagar,PO: D.K Mohan Garden, Dist. West Delhi, Delhi -110059, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Hinduism and renounced ISLAM with effect from 21.07.2024

NAME CHANGE

I, hitherto known as RASHMI DAR W/o Vinay Kumar residing at Flat No. 304, Wing B, Vasundra Apartments, Plot No. 16, Dwarka Sector-6, South West Delhi, Delhi -110075 have changed my name and shall hereafter be known as RASHMI GUPTA.

PUBLIC NOTICE

I, Hitherto Known as Mamata Khatun D/o Ismail Mondal R/o D 2/142, First Floor, Jeevan park, Uttam Nagar, PO: D.K Mohan Garden Dist. West Delhi, Delhi - 110059, Have Changed My Name and Shall Hereafter be known as Mamata.

Religion change

I, Rukhsana D/O Mustak Ali R/O N-68/45,T- Huts Aruna Nagar Majnu Ka Tila VTC: Timarpur, PO: Civil Lines District North Delhi, Delhi -110054, have changed my Religion Muslim to Hindu from dated 29/10/2024 and Changed my name to Rakshita

DATE OF BIRTH CHANGE

I, MALABIKA PRAGYAN PARAMITA PRADHAN Wife of JC-768577L Rank-SUB, Name-MEGHANADA PRADHAN residing at VILL- BASUDEVPUR, POST- KHALISAHI, DISTT- NAYAGARH, PS-KHANDAPARA, ODISHA-752077, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/12/1980 instead of my correct date of birth as 08/07/1980 vide affidavit dated 29/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Anas Hasin Saifi S/o Mohammed Hasin R/o T-510, Saifi House, Main Chamelian Road, Sadar Bazar, Delhi-110006 have changed my name to Anas Hasin for all fiturey purpose.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल अशोक कुमार शमी पुत्र पन्नालाल शमी व इनकी पत्नी शकुंतला शमी ऋश 34/1127 डीडीए फ्लैट मदनगीर, अंबेडकर नगर, नई दिल्ली -110062, ने अपने पुत्र परितोष शमी के गलत आचरण और व्यवहार से तंग आकर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है। भविष्य में अपने कृत्यों का यह स्वयं जिम्वेदार होगे।

Dr. Subodh Kumar (Adv)

NAME CHANGE

I, VENKATRAM REDDY Father of No. 16123632P Rank-NK Name-SRIDHAR REDDY R/O 1-19, VILL-POTHIREDDY PALLY, TEH-KOSGI, DIST-MAHABUBNAGAR, TELANGANA-509339, have changed my name from VENKATRAM REDDY to PULLAMGARI VENKAT RAMREDDY for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/05/1971 instead of my correct date of birth as 12/10/1968 Vide Affidavit dated 29/10/2024 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, No-15813423A Rank-L/NK Name-SUNEEL KUMAR VEMULAPATI residing at 7-1-263, YADAVA STREET, VILL-RANGANAYAKULA PETA, PO-TIKKANA TELEGRAM, TEH-NELLORE, DIST-NELLORE, ANDHRA PRADESH-524001 have changed my father's name from V SUDHAKAR to VEMULAPATI SUDHAKAR for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 14/04/1977 instead of his correct date of birth as 14/04/1964 vide Affidavit dated 29/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, VIJAYA LAXMI mother of No. 16123632P Rank-NK Name-SRIDHAR REDDY R/O 1-19, VILL-POTHIREDDY PALLY, TEH-KOSGI, DIST-MAHABUBNAGAR, TELANGANA-509339 have changed my name from VIJAYA LAXMI to PULLAMGARI VIJAYALAKSHMI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/07/1978 instead of my correct date of birth as 20/09/1972 Vide Affidavit dated 29/10/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15813423A Rank-L/NK Name-SUNEEL KUMAR VEMULAPATI residing at 7-1-263, YADAVA STREET, VILL-RANGANAYAKULA PETA, PO-TIKKANA TELEGRAM, TEH-NELLORE, DIST-NELLORE, ANDHRA PRADESH-524001 have changed my wife's name from SARANYA PODALI to PODALI SARANYA for all future purposes and in my service records my wife's date of birth wrongly mentioned as 20/06/1997 instead of her correct date of birth as 20/06/1998 vide Affidavit dated 29/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15813423A Rank-L/NK Name-SUNEEL KUMAR VEMULAPATI residing at 7-1-263, YADAVA STREET, VILL-RANGANAYAKULA PETA, PO-TIKKANA TELEGRAM, TEH-NELLORE, DIST-NELLORE, ANDHRA PRADESH-524001 have changed my mother's name from SVLOCHANAMMA to VEMULAPATI SULOCHANA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 05/07/1976 instead of her correct date of birth as 15/05/1966 vide Affidavit dated 29/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Pooja Sharma, D/O Rajendra Prasad Sharma, Ex-W/O Late Ankit Sharma, S/O Chandra Mohan Sharma, R/O H. No. 266, Shastri Nagar, Block- F- 2-1, F Block, Meerut, Uttar Pradesh- 250004, Nagar Nigam Meerut declare that my husband expired on 18.12.2020 and death certificate was issued with registration no D-2021: 9-90087-004129 dated 09.05.2021. Further I remarried with Neeraj Kumar Aggarwal S/O Ramesh Chand Aggarwal R/O C - 7/217 A, 4th Floor, Yamuna Vihar, North East, Delhi -110053 vide marriage certificate no. 992 dated 08.06.2023. Further I have changed the name of mine, my minor daughter namely Anshika Sharma, aged 12 years and my minor son namely Vaibhav Sharma, aged 11 years and we shall hereafter be known as Pooja Aggarwal, Anshika Aggarwal and Vaibhav Aggarwal respectively. Further I also declare that the father of my minor children may be known as Neeraj Kumar Aggarwal in future for all purposes.

PUBLIC NOTICE

It is informed that my clients Shri Rajesh Verma S/o Shri Chhote Lal Age-52 Years and Guddi Verma W/o Shri Rajesh Verma Age-47 Years R/o: C-146, Gali No-36, Mahavir Enclave Part-3, West Delhi, Delhi-110059 have severed all relations from their Son namely Himanshu Verma and Daughter-in-Law Smt. Priya Verma D/o Shri Arjun Verma W/o Shri Himanshu Verma and debarred, disown them from their entire moveable and immovable properties because of their misconduct, misbehavior, disrespect, disobey and not having been in control of my clients. My clients and their family Members shall not be responsible at all for the acts, omissions, conduct and transaction of Himanshu Verma and Daughter-in-Law Smt. Priya Verma in any manner whatsoever and any person dealing with them shall do at his/her own risk.

Pinku Singh Advocate
Seat No.5, Hall No. 2
Dwarka Court. New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given by Mrs. Preeti Dubey that The Sale Deed dated 08.07.2016 registered as Doc no. 9744 executed by Mrs. Neelam in favour of Mrs. Priyanka for HOUSE NO. 261/22, ADMEASURING 50.6 SQ. YDS., MU. KILLA NO. 25//7/2 (3-0), SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE KADIPUR, HALL COLONY GANDHI NAGAR, GURGAON HARYANA has been lost/Misplaced. Further Mrs. Preeti Dubey will be taking financial assistance from ANAND RATHI GLOBAL FINANCE LTD. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048
Contact #011-49774545

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक अमिय भट्टाचार्य दिलशाद एक्सटेंशन नंबर पर स्थित खसरा नंबर 1076/5/2/257 में से प्लॉट नंबर बी-1 का हिस्सा, ग्राउंड फ्लोर पर 375 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले फ्रीहोल्ड आवासीय फ्लैट नंबर बी-1/जी-3 को खरीद रहे हैं। 1, ग्राम झिलमिल ताहिरपुर, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली के क्षेत्र में श्रीमती बीना नारायण से, स्वर्गीय श्री कुमार हरेंद्र नारायण के कानूनी उत्तराधिकारियों की मृत्यु हो गई और उन्हें उक्त संपत्ति खरीदी गई, बिक्री विलेख दिनांक 14/08/2000 के माध्यम से हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा एनएसपी दिल्ली द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, Manish Yadav R/o 509/5, Patel Nagar, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Minor Son Name Aayush Yadav To Ayushh Rao For All Future Purpose

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक मेसर्स सिवास इंफ्रा अपने साझेदारों के माध्यम से श्री मनोज कुमार सिवास खाता संख्या 00128, खसरा संख्या 360 में से फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर ए-1, क्षेत्रफल 400 वर्ग गज और प्लॉट नंबर ए, क्षेत्रफल 360 वर्ग गज का मालिक है।, स्थित ग्राम सरफाबाद परगना और तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर यूपी, बिक्री विलेख के आधार पर दिनांक 21.07.2022 को एसआर I, नोएडा के कार्यालय में दस्तावेज़ संख्या 4639, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 11399, पृष्ठ संख्या 283 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। 304, और बिक्री विलेख दिनांक 18.03.2024 को दस्तावेज़ संख्या 2906, खंड संख्या 12607, पृष्ठ संख्या 251-270, दिनांक 18.03.2024, एसआरओ I नोएडा के रूप में नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं है यानी (1) पंजीकृत वसीयत का प्रोबेट आदेश दिनांक 3.01.2020 और (2) मूल विक्रय विलेख दिनांक 22.05.2018 को श्री शीशपाल सिंह यादव पुत्र श्री रिसाल सिंह यादव द्वारा श्री ब्रह्म पाल पुत्र श्री दरियाव के वकील के रूप में श्री तरूण यादव पुत्र श्री राजवीर के पक्ष में निष्पादित किया गया। यादव के रूप में दस्तावेज़ संख्या 4152, खंड संख्या 8290, पृष्ठ संख्या 307-356, दिनांक 22.05.2018, एसआरओ I नोएडा अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे वित्तपोषित किया गया है। आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा नोएडा उत्तर प्रदेश। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना

आपको सूचित किया जाता है कि श्री राजेश सांवरिया पुत्र स्व. श्री मिश्री लाल, संपत्ति संख्या 130-एच के मालिक हैं, जिसकी माप 275 वर्ग गज, खसरा संख्या है। 82 और 83, गौतम नगर, नई दिल्ली में स्थित है। संपूर्ण संपत्ति श्री मिश्री लाल द्वारा (1) श्री सोहन लाल, (2) श्री भीम सिंह, (3) श्री हीरा लाल, और (4) श्री बथवा से 9 अगस्त को एक बिक्री विलेख के माध्यम से खरीदी गई थी। 1963. श्री मिश्री लाल का 19 जनवरी 2002 को निधन हो गया, और उनकी पत्नी श्रीमती भोरी देवी का निधन 16 नवंबर 1996 को हो चुका था, वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए÷ (1) श्रीमती शांति देवी (बेटी) , (2) श्रीमती गीता (बेटी), (3) श्रीमती राज चौला (बेटी), (4) श्री राजेश सांवरिया (बेटा), और (5) श्री ब्रह्मा नंद सांवरिया (बेटा)। इसके बाद, उन्होंने 4 अप्रैल, 2014 को एक त्याग पत्र के माध्यम से श्री ब्रह्मा नंद सांवरिया के पक्ष में उक्त संपत्ति में अपना हिस्सा जारी कर दिया। इसके बाद, श्री ब्रह्म नंद सावारिया और श्री राजेश सावारिया के बीच एक परिवारिक व्यवस्था का ज्ञापन निष्पादित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप श्री राजेश सावारिया ने 7 सितंबर 2022 को पंजीकृत परिवारिक व्यवस्था के ज्ञापन के माध्यम से उक्त संपत्ति का स्वामित्व प्राप्त किया, जिसमें भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 33 के तहत पंजीकृत ज्ञापन की मुहरबंदी की गई, जिसमें स्टाम्प ड्यूटी की कमी ?18,37,438 है। दोनों पक्षों ने 27 जून 2023 के एसडीएम पत्र के अनुसार जुर्माना व स्टाम्प ड्यूटी अदा किया और कहा गया दस्तावेज उपहार पत्र/बिक्री पत्र के रूप में माने जाएंगे। उसी संपत्ति को सम्मान फिनसर्व लिमिटेड, शाखा 2 मंजिल, बीपी -47, भदाना कॉम्प्लेक्स नीलम बाटा रोड, एनआईटी फ़रीदाबाद, हरियाणा - 121001 द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

समाधान शिविर में जिले से आई 27 शिकायतें, मौके पर 7 का किया समाधान

एजेंसी

हिसार। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार नगर निगम से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविर लगाकर समस्याएं सुनने का क्रम जारी है। निगम में जिलेभर से 27 शिकायतें आई, जिनमें से सात का समाधान हो पाया। नगर निगम के मुख्य सभागार में आयोजित समाधान शिविर के पांचवे दिन निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। समाधान शिविर सुबह 9 बजे शुरू हुआ जो कि 11 बजे तक चला। इसमें शहरवासियों ने प्रॉपर्टी टैक्स, सफाई, तहबाजारी, जन्म-मृत्यु व तकनीकी शाखा से संबंधित शिकायतें दी। निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार नगर निगम से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर एक माह तक प्रतिदिन लगाया जाएगा। निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि समाधान शिविर के पांचवे दिन नगर निगम हिसार में 17 शिकायतें व पूरे जिले में 27 शिकायतें आई। इनमें से जिले से मिली 7 शिकायतों का समाधान मौके पर कर दिया गया। शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को समाधान करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि अधिकतर शिकायतें प्रॉपर्टी टैक्स से संबंधित हैं। इसके अलावा जन्म-मृत्यु, तकनीकी, सफाई शाखाओं से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं। नगर निगम हिसार में 17 शिकायतें आई जिनमें 3 का मौके पर निपटान किया गया।

गुरु दक्ष कुम्हार शिक्षण संस्थान में मंत्री रणवीर सिंह गंगवा किया स्वागत

हिसार। नजदीकी गांव आर्यनगर स्थित गुरु दक्ष आईटीआई में पहुंचने पर शिक्षण समिति व संस्थान के पदाधिकारियों ने लोक निर्माण विभाग भवन व सडक़ तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणवीर सिंह गंगवा का स्वागत किया। पदाधिकारियों ने मंत्री को उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। शिक्षण समिति के वर्तमान प्रधान कृष्ण कुमार वर्मा ने बताया कि शिक्षण समिति के पूर्ण कालिक व प्रथम प्रधान रहे मंत्री रणबीर गंगवा के कर कमलों से ही इस संस्थान की नींव रखी गई थी। उनके द्वारा लगाए गई इस शिक्षण संस्थान रूपी पौधे से आज हर समाज के छात्र-छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर कुशलतापूर्वक हर क्षेत्र में सफलता रूपी फल प्राप्त कर रहे हैं।

विधायक रणधीर पनिहार ने मंडी पहुंचकर लिया फसल खरीद का जायजा

हिसार। नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने अनाज मंडी में पहुंचकर फसल उठान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों एवं आढ़तियों से मंडियों में पहुंच रही ग्वार, बाजरा, धान, मुंगफली एवं अन्य फसलों के बारे में बातचीत की। विधायक रणधीर पनिहार ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अनाज मंडी में फसल लाने और बेचने तक के दौरान किसानों को किसी तरह की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। विधायक ने अनाज मंडी में फसल की आवक, उठान कार्य, सुविधाओं बारे चर्चा की तथा आढ़तियों, किसानों व मंडी में काम करने वाले मजदूरों से भी बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का सही निर्वहन करें और खरीद प्रक्रिया की निगरानी लगातार करते रहें। रणधीर पनिहार ने मंडी में सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने आढ़तियों से कहा कि वे खरीद प्रक्रिया में अपना पूरा सहयोग दें ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। रणधीर पनिहार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के निर्देशानुसार हर अनाज मंडी में समय पर किसानों की फसल खरीद एवं उठाने की व्यवस्था की गई है और भाजपा नेता व कार्यकर्ता अनाज मंडियों का दौरा करके पता लगा रहे हैं कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने किया हॉस्टल का निरीक्षण

सोनीपत। हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाईस चेयरपर्सन सोनिया अग्रवाल ने बीपीएस महिला मेडिकल कॉलेज, खानपुर का दौरा कर वहां पढ़ने वाली छात्राओं को मिलने वाली सभी सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं के हॉस्टल का भी जायजा लिया और पाया कि कुछ कमरों में सुधार की जरूरत है। कॉलेज के निदेशक को निर्देश दिए कि छात्राओं के हॉस्टल में मौजूद खामियों को जल्द से जल्द ठीक किया जाए, ताकि उनकी पढ़ाई में कोई रुकावट न आए। सोनिया अग्रवाल ने बताया कि हाल ही में कॉलेज की कुछ छात्राओंने उनसे मिलकर समस्याओं की जानकारी दी थी, जिसके बाद उन्होंने कॉलेज का दौरा करने का निर्णय लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हॉस्टल में मिलने वाले भोजन की भी जांच की और यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी छात्राओं को शुद्ध और पौष्टिक भोजन मिलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर इस दिशा में कोई लापरवाही बरती गई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कॉलेज और हॉस्टलों में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। दौरे के दौरान सोनिया अग्रवाल ने छात्राओं से भी बातचीत की और उन्हें अनुशासन के साथ पढ़ाई करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि महिला आयोग 24 घंटे महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए तत्पर है और यदि किसी छात्रा को किसी प्रकार की समस्या होती है।

पिहोवा से यमुनानगर तक बनेगी फोरलेन और कुरुक्षेत्र व लाडवा में बनेगा बाईपास : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में तेज गति के साथ कई हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाया जाएगा। सरकार पिहोवा, कुरुक्षेत्र, लाड़वा के साथ-साथ हरिद्वार जाने वाले लाखों लोगों की पुरानी मांग को पूरा करते हुए पिहोवा से यमुनानगर तक सड़क को फोरलेन बनाएगी। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र और लाडवा में भी बाईपास बनाकर लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाई जाएगी।

मुख्यमंत्री सैनी जिला कुरुक्षेत्र में कार्यकर्ताओं की ओर से आयोजित स्वागत समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों व क्षेत्र की जनता को हाथ जोड़कर शीश नवाकर कमल का फूल खिलाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा व

विश्वकर्मा जयंती की सभी को बधाई देते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि भाजपा की प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर लाडवा को विकास की दृष्टि से बेहतर बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मेट्रो व लोकल ट्रेनों का विस्तार किया जाएगा ताकि लोगों को अपने आवागमन में आसानी हो। प्रदेश में जल्द ही ऐसे बहुत सी सड़क परियोजनाओं व अन्य परियोजनाओं को गति देने का काम किया जाएगा जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हो और लोगों को इन सुविधाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नागरिकों की जो भी समस्याएं एवं कार्य हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर करवाना सुनिश्चित किया जाए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि लाडवाविधानसभा क्षेत्र के तहत जहां पर भी सड़कों से संबंधित पैच वर्क या सड़कों को दुरुस्त किया जाना है, उस कार्य को जल्द से जल्द करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की समस्या का समाधान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और जनता के लिए 24 घंटेहमारे दरवाजे खुले रहेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे ही समय मिलेगा वह लाडवा के हर वार्ड, गांव, मोहल्ले में जाकर जनता का यहां से कमल का फूल खिलाने के लिए धन्यवाद भी करेंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, मंडल प्रमुख को कहा कि भाजपा द्वारा ऑनलाइन भाजपा की प्राथमिक सदस्य बनाने की मुहिम चलाई गई है। हर बूथ पर समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए कम से कम 300 लोगों को इस मुहिम से जोड़ना है। इस मौके पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त राजेश जोगपाल, पुलिस अधीक्षक वरूण सिंगला सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

जीटी रोड पर खुली पहली ट्रैफिक पुलिस चौकी

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए गन्नौर जीटी रोड पर पहली ट्रैफिक चौकी शुरू हो गई है। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के आदेश पर गन्नौर में बंद पड़ी जीटी रोड चौकी में ट्रैफिक पुलिस चौकी खोली गई है। ट्रैफिक चौकी खुलने से अब गलत लेन में घुसने, वाहनों की ओवर स्पीड और शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारना की जिम्मदारी अब चौकी में तैनात प्रभारी व उनके स्टाफ की होगी। एसआई शमशेर सिंह को चौकी इंचार्ज की जिम्मदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि वह शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने का सार्थक प्रयास करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील करी है कि वे यातायात के नियमों का पालन करें और ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने में पुलिस का सहयोग दें।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने भतीजे के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

रोहतक। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल स्थानीय प्रीत विहार कॉलोनी में पहुंचे और अपने भतीजे वैभव खट्टर के निधन पर शोक प्रकट किया। करीब 30 वर्षीय वैभव खट्टर का गत 23 अक्टूबर को बीमारी के चलते अचानक निधन हो गया था। वे गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में उपचाराधीन थे। वैभव के निधन पर दुख प्रकट करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जिस भी इंसान ने इस धरती पर जन्म लिया है, उसका इस दुनिया से जाना निश्चित है लेकिन मौत के समय के बारे में किसी को कुछ पता नहीं होता, यह सब विधाता ही जानता है।

मौत को हमें स्वीकार करना पड़ता है। उन्होंने अपने भाई एवं वैभव के पिता चरणजीत खट्टर, माता पुष्पा खट्टर और बहन हिमांशी, जगदीश खट्टर, विजय खट्टर, केशव खट्टर, रमित खट्टर, अमित खट्टर, नीरज खट्टर, ईशान खट्टर सहित अन्य परिवार के लोगों का ढांढस बंधाया। इस दौरान करनाल से विधायक जगमोहन आनंद, पूर्व मंत्री

मनीष कुमार ग्रोवर, राजीव जैन, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, कोषाध्यक्ष अजय बंसल, जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, जिला मीडिया प्रभारी तरूण सन्नी शर्मा, राजकुमार शर्मा, रेनू डाबला, प्रतिभा सुमन, विजय आर्य, सन्नी हंस, नरेंद्र खट्टर, कुलविंद्र सिंह सिक्का के अलावा जिला प्रशासन से उपायुक्त अजय कुमार, पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग, उपमंडलाधीश आशीष कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। वहीं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल जवाहर नगर में पहुंचे और पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष सतीश आहूजा के निधन पर शोक प्रकट किया। सतीश आहूजा का अचानक निधन हो गया, वे कुछ समय से बीमार थे।

हरियाणा और राजस्थान रोडवेज के बीच मामला खत्म हो गया है : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा और राजस्थान रोडवेज के बीच चालान को लेकर हुए विवाद पर हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह एक मसला बन गया था मगर, हरियाणा रोडवेज और राजस्थान रोडवेज के बीच वो सेटल कर लिया गया है। उन्होंने कहाकि अधिकारियों से बात करके वो मामला खत्म हो गया है। विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। आम आदमी पार्टी के आरोप कि अगर केजरीवाल को कुछ होता है तो उसका जिम्मेवार भाजपा होगी पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि ये लोग घर बैठ के ऐसे ही गुब्बारे छोड़ते रहते है। कोई कारण तो बताओं उसके बाद जवाब देगे।वहीं, दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर आम आदमी पार्टी द्वारा हरियाणा पर लगाए गए आरोपों पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने आम आदमी पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि दूसरों पर दोषारोपण करने से

पहले अपनी असफलताओं को नहीं देखते यह आम आदमी पार्टी का चरित्र बन गया है। उन्होंने कहा आप की सरकार को दिल्ली में आए 10 साल हो गए क्यों यमुना साफ नहीं हुई, जो नाले यमुना में गिर रहे है।उन्होंने कहा जितनी यमुना दिल्ली में प्रवेश करने से पहले हरियाणा में बहती है उसका बीओडी चेक कर लो और दिल्ली में प्रवेश करने के बाद ओखला तक उसका पीओडी चेक कर लें पता चल जाएगा कि गंदगी कौन फला रहा है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली वालों की गंदगी हम थोड़ा साफ करेंगे। उधर, कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी बस स्टैंड पर रिपेयर के लिए लगभग 93 लाख रुपए की प्रशासनिक मंजूरी दिलवाई गई है।

हरियाणा में मेट्रो के विस्तार के लिए कराई जाएगी मैपिंग

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मेट्रो विस्तार को लेकर कवायद शुरू कर दी है। एनसीआर में हरियाणा के कई नगरों की दिल्ली की दूरी घटाने और आमजन के सफर को सुगम बनाने के लिए मेट्रो विस्तार की मैपिंग कराई जाएगी। खासकर गुरुग्राम, फरीदाबाद, रेवाड़ी और झज्जर में मेट्रो विस्तार की कार्य योजना तैयार होगी।

इसके साथ ही रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का दिल्ली से पानीपत की बजाय करनाल तक विस्तार किया जाएगा, इसको लेकर भी केंद्र सरकार ने कदम बढ़ाया है। हरियाणा में मेट्रो लाइन के विस्तार और रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर को दिल्ली से पानीपत की बजाय करनाल तक विस्तार करने को लेकर मैपिंग होगी। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के बीच हुई बैठक के बाद मनोहर लाल के ओएसडी मीडिया सुदेश कटारिया ने पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेट्रो रेल लाइन और आरआरटीएस की सुविधा बढ़ाने को लेकर अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इनमें मेट्रो को गुरुग्राम के पालम विहार से एयरपोर्ट को जोड़ने का रोडमैप तैयार होगा, दो अलग-अलग लाइन बिछाने पर भी संभावनाओं को तलाशा जाएगा। मेट्रो कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए गुरुग्राम के पालम विहार को एयरपोर्ट लाइन से दो रूट पर जोड़ने पर अध्ययन होगा। दिल्ली एयरपोर्ट से गुरुग्राम-फरीदाबाद-जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए आरआरटीएस की संभावनाओं को तलाशा जाएगा और इसका अध्ययन किया जाएगा। कटारिया ने बताया कि गुरुग्राम के सेक्टर-56 से पंचगांव तक की प्रस्तावित मेट्रो लाईन को बिछाने का खर्च हरियाणा सरकार वहन करेगी और इसकी परियोजना की डीपीआर प्राप्त होने के बाद मंजूरी केंद्रीय मंत्रालय द्वारा 15 दिन के भीतर दे दी जाएगी।

धान व बाजरा की खरीद के लिए किसानों को अब तक 8931 करोड़ का भुगतान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में धान और बाजरा की फसलों की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। अब तक धान और बाजरा किसानों को 8931 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। जिसमें 8084 करोड़ रुपये धान किसानों को और 847 करोड़ रुपये बाजरा किसानों को भुगतान किया जा चुका है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि खरीद सीजन के दौरान मंडियों में धान व बाजरे की खरीद हो रही है। अब तक विभिन्न मंडियों में 4550473 मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है। कुल आवक में से 4302418 मीट्रिक टन धान की खरीद एजेंसियों ने एमएसपी पर की है। मंडियों से धान का निरंतर उठान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, अब तक विभिन्न मंडियों में 430193 मीट्रिक टन बाजरा की आवक हो चुकी है, जिसमें से 41,7771 मीट्रिक टन बाजरा को एमएसपी पर खरीदा भी जा चुका है।

प्रवक्ता ने बताया कि इस बार किसानों को फसल बेचने में कोई परेशानी न आए तथा उन्हें मंडियों में प्रवेश के लिए अनावश्यक इंतजार न

करना पड़े, इसके लिए विभाग ने ऑनलाइन गेट पास की सुविधा उपलब्ध करवाई है। सरकार सामान्य धान के लिए 2,300 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान के लिए 2,320 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दे रही है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पूरी खरीद प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र जिले की मंडियों में 962575 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है, जिसमें से 935432 मीट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है। इसी प्रकार करनाल जिले की मंडियों में 808728 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है और 7,94,323 मीट्रिक टन की खरीद हुई है। कैथल जिले में 7,86,955 मीट्रिक टन धान मंडियों में आया है जिसमें से 772039 मीट्रिक टन खरीदा गया है। अंबाला जिले में 519087 मीट्रिक टन आवक में से 474075 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। यमुनानगर जिले की मंडियों में 513520 मीट्रिक टन में से 480191 मीट्रिक टन और फतेहाबाद जिले में 459677 मीट्रिक टन में से 409851 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। इसके अलावा, जींद जिले की मंडियों में 173479 मीट्रिक टन में से 158599 मीट्रिक टन, सिरसा जिले में 141838 मीट्रिक टन में से 115694 मीट्रिक टन तथा पंचकूला जिले में 82021 मीट्रिक टन में से 71091 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

महेंद्रगढ़ में बाजरे की सबसे ज्यादा आवक व खरीद

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि महेंद्रगढ़ जिले की विभिन्न मंडियों में 106732 मीट्रिक टन बाजरा आ चुका है, जिसमें से 105841 मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। इसी प्रकार, रेवाड़ी जिले की विभिन्न मंडियों में 95130 मीट्रिक टन बाजरा आ चुका है, जिसमें से 94,115 मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है। भिवानी में 68545 मीट्रिक टन की आवक में से 65780 मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है।

पर्यावरण प्रदूषण कम करने को सरकार गंभीरता से कर रही काम: राव नरबीर

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि बढ़ता हुआ पर्यावरण प्रदूषण हम सभी के लिए चिंता का विषय है और सभी को प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपना सहयोग देना चाहिए। कैबिनेट मंत्री सिविल लाइंस क्षेत्र में नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शुरू की गई 4 एंटी स्मॉग गन का शुभारंभ कर रहे थे।उन्होंने कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का दूसरा चरण लागू कर दिया गया है तथा इसके तहत लगाए गए प्रतिबंधों की पालना सभी को करनी चाहिए, ताकि हमें स्वच्छ वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। इसके तहत सडक़ों की सफाई मैकेनाइज्ड करवाई जा रही है। इसके अलावा, धूल को उडऩे से रोकने के लिए सडक़ों व पेड़ों पर पानी का छिडक़ाव लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि ग्रैप नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में निगरानी कर रही हैं। प्रतिबंधित गतिविधियां करने वालों पर कार्रवाई भी की जा

रही है। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम प्रदूषण को कम करने का भरसक प्रयास कर रहा है। इसी दिशा में निगम क्षेत्र में धूल को उडऩे से रोकने व प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 4 एंटी स्मॉग गन मशीन ट्रायल आधार पर शुरू की गई हैं। ये मशीन 320 डिग्री तोप रोटेशन के साथ 20 मीटर तक पानी का छिडक़ाव कर सकती है। मशीन पर 1000 लीटर क्षमता का स्टेनलेस स्टील टैंक लगा हुआ है। इस मशीन की विशेषता यह है कि यह छोटी गलियों व बाजारों में भी जा सकती है। एक मशीन की कीमत लगभग 18 लाख रुपए है। इस प्रकार चारों मशीनों पर लगभग 72 लाख रुपए का खर्च आने का अनुमान है। निगम द्वारा पहले से ही ट्रैक्टर माउंटिड एंटी स्मॉग गन क्षेत्र में चलाई जा रही हैं।

खेलों की आउटपुट रिपोर्ट तैयार करेगा खेल विभाग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने प्रदेश के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह खेलों की आउटपुट रिपोर्ट तैयार करें। जिला खेल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के स्टेडियम का दौरा करके खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए मैपिंग कराने के निर्देश जारी किए हैं।

खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने सोमवार को खेल विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान जिलेवार चल रही खेल नर्सरियों और खेल प्रोजेक्टों की प्रगति की जानकारी ली। राज्यमंत्री गौतम ने जिला खेल अधिकारियों को कड़ी हिदायत दी कि अपने जिले में सभी खेल स्टेडियम, नर्सरियों व अन्य खेलकूद गतिविधियों के आयोजन स्थलों का निरीक्षण करें। इन स्थानों पर जो खिलाड़ी कोचिंग ले रहे हैं, उनको मिलने वाली सुविधाओं का विशेष ध्यान रखें। खेल राज्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि आउट पुट रिपोर्ट में खिलाड़ियों से लेकर खेल सुविधाओं से संबंधित सुझाव सम्मलित किए जाएंगे। रजिडेंशल अकादमी में खिलाड़ियों के रहने की सुविधा, साफ-सफाई की व्यवस्था और खाने की व्यवस्थाओं की जांच करें और इन अकादमियों का माहौल कैसा है और खिलाड़ियों को अभ्यास के दौरान कौन सी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, उनकी तमाम समस्याओं को रिपोर्ट में समाहित किया जाए। खेल राज्यमंत्री ने खेल नर्सरियों व स्टेडियमों में तैनात कोच के व्यवहार भी आपत्ति जताते हुए स्पष्ट हिदायत जारी की है कि कोचों का खिलाड़ियों और उनके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए।

बाजारो में अतिक्रम के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान, व्यापारियों ने किया रोड जाम

एजेंसी

रोहतक। त्यौहरी सीजन को लेकर शहर के बाजार पूरी तरह से गुजलार हो चुके है, वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा बाजारो में अतिक्रम को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस की टीम ने रेलवे रोड स्थित बाजारों में सडक़ों पर व्यापारियों द्वारा लगाई फडियां हटाई तो व्यापारी विरोध में उतर आए और रोड़ जाम कर दिया। व्यापारियों का आरोप है कि पुलिस अक्सर त्यौहारी सीजन में उन्हें परेशान करने का काम करती है, जबकि वह प्रशासन का हर समय सहयोग करने पर तैयार रहते है, जबकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नियमों के खिलाफ जाकर व्यापारी सडक़ पर फडी लगाते है, जिसके कारण बाजारों में जाम की स्थिति पैदा हो जाती है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आमजन को परेशानी ना हो, इसी लिए बाजारो में अतिक्रमण अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही अलग अलग स्थानों पर वाहनों के लिए पार्किंग भी बनाई गई है। करीब आधा घंटे तक पुलिस व व्यापारियों के बीच तानातनी बनी रही। बाद में व्यापारियों ने उचित कारवाई का आश्वासन

मिलने पर जाम खोल दिया। साथ ही पुलिस द्वारा बाजारों में फडियां हटाने के विरोध में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक से भी मिला और अपनी समस्याओं बारे अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि व्यापारियों को किसी प्रकार की परेशानी नही आने दी जाएगी, पुलिस प्रशासन पूरी तरह से उनके साथ है। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी ना हो, इसके लिए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है।

व्यापारियों ने भी पुलिस अधीक्षक को आश्वासन दिलाया कि नियमों के तहत ही शहर के बाजारों में फडियां लगाई जाएगी और अगर कोई व्यापारी नियमों का उल्लघंन करेगा तो व्यापारी के खिलाफ जुर्माना भी लगाया जाएगा।

ईवीएम जैसी निर्जीव चीज का बहाना लेती है कांग्रेस: ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ अपनी हार पर कांग्रेस ईवीएम जैसी निर्जीव चीज का बहाना लेती है जो जवाब नहीं दे सकती। भाजपा मजबूती के साथ चुनाव लड़ती है और जीत दर्ज करती है। भविष्य में भी होने वाले निकाय चुनावों में भाजपा की जीत जय है। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर पार्टी कार्यालय में कार्यशाला के बाद पत्रकार वार्ता में कही। जिलाध्यक्ष कमल यादव की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में विधायक बिमला चौधरी, तेजपाल तंवर, मुकेश शर्मा व महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष उषा प्रियदर्शी भी उपस्थित रहीं। कार्यशाला में ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि गुरुग्राम जिला में 4 लाख 50 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा। सदस्यता अभियान को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इसके बारे में राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कार्यकर्ताओं को विस्तार से जानकारी दी। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने बूथ और मंडल स्तर पर कार्यशाला करके नए सदस्य जोडऩे के बारे में बताया। ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि हरियाणा में भाजपा ने 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। हरियाणा में 20 हजार 629 बूथ हैं और हर बूथ पर 250 सदस्य बनाए जाने हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जिला में 4 लाख 50 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य कार्यकर्ताओं को दिया है। गुरुग्राम विधानसभा में 1 लाख 25 हजार, बादशाहपुर विधानसभा में भी 1 लाख 25 हजार व पटौदी तथा सोहना विधानसभा में 1-1 लाख नए सदस्य बनाए जाएंगे। कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए धनखड़ ने कहा कि यह सदस्यता अभियान नगर निगम चुनाव को भी सरल बना देगा और चुनाव में भाजपा का परचम लहराएगा। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा की जीत व तीसरी बार सरकार बनाने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही स्पष्ट बहुमत की सरकार बनी है। भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कार्यशाला में गुरुग्राम जिला की चारों विधानसभाओं में जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया। कमल यादव ने कहा कि जल्द ही नगर निगम चुनाव होने हैं, इसलिए कार्यकर्ता अधिक से अधिक मेहनत करें और नए लोगों को भाजपा के साथ जोड़ें। कार्यशाला में महेश चौहान, बोधराज सीकरी, समय सिंह भाटी, महेश यादव, हरविंद्र कोहली, जिला महामंत्री रामबीर भाटी, सर्वप्रिय त्यागी, जिला मीडिया प्रमुख पवन यादव, सह प्रमुख राकेश राणा, नीरज यादव, प्रदेश और जिले के पदाधिकारी, प्रकोष्ठ, विभाग और मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आशीष कचोलिया और कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स ने क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक के प्री-आईपीओ में किया निवेश

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम विकसित करने वाली अनुसंधान-उन्मुख नई पीढ़ी की कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड ने आशीष कचोलिया, कैप्री ग्लोबल और अन्य प्रमुख व्यक्तिगत निवेशकों से 48 करोड़ रुपये जुटाए हैं। क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड ने बताया कि कंपनी ने अपने प्री-आईपीओ दौर में आशीष कचोलिया, कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स और अन्य उल्लेखनीय व्यक्तिगत निवेशकों से 48 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी के मुताबिक ये लेन-देन कंपनी के प्रमोटरों द्वारा निवेशकों को इक्विटी शेयरों की बिक्री अर्थात द्वितीयक बिक्री है। यह कोई नया निर्गम या प्राथमिक बिक्री नहीं है। कंपनी ने बताया कि 275 करोड़ रुपये का मूल आईपीओ आकार अभी भी बरकरार है। कंपनी ने 26 अक्टूबर, 2024 को की गई एक सार्वजनिक घोषणा में कहा कि अपने प्रमुख बैंकरों के परामर्श से, उसने व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशकों को 240 रुपये प्रति शेयर (230 रुपये के प्रीमियम सहित) के निर्गम मूल्य पर 2,000,000 इक्विटी शेयर जारी किए हैं, जिसका कुल योग 48 करोड़ रुपये होता है। इस इन्वेस्टमेंट राउंड में प्रमुख रूप से हिस्सा लेने वालों में सूर्यवंशी कमोट्रेड प्राइवेट लिमिटेड (आशीष कचोलिया) शामिल हैं, जिसने 765,000 इक्विटी शेयर हासिल किए हैं, जबकि प्लांटिफाई कैपिटल लिमिटेड ने 125,000 शेयर प्राप्त किए हैं।

8वें एफआईआई में भाग लेने रियाद जाएंगे केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, लुलु हाइपरमार्केट में दिवाली उत्सव का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 29-30 अक्टूबर तक आर्थिक संबंधों को बढ़ाने और 8वें फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) में भाग लेने के लिए सऊदी अरब के दौरे पर जाएंगे। मंत्री गोयल रियाद के लुलु हाइपरमार्केट में दिवाली उत्सव का उद्घाटन भी करेंगे। इसके साथ ही वे भारतीय दूतावास में एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) दीवार का अनावरण भी करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 29-30 अक्टूबर तक सऊदी अरब की यात्रा पर रहेंगे। गोयल के इस यात्रा का उद्देश्य भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना तथा व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के नए रास्ते तलाशना है, जो भारत की बढ़ती वैश्विक आर्थिक उपस्थिति को रेखांकित करता है। मंत्रालय के मुताबिक गोयल इस दौरान रियाद में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) के 8वें संस्करण में भाग लेंगे, जो एक महत्वपूर्ण मंच है और वैश्विक नेताओं, निवेशकों और नवोन्मेषकों को एक साथ लाता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस दौरान रियाद के लुलु हाइपरमार्केट में दिवाली उत्सव का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री भारतीय दूतावास में एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) दीवार का अनावरण करेंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय शिल्प कौशल को बढ़ावा मिलेगा।

वारी एनर्जीज का शेयर करीब 70 फीसदी प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध

मुंबई/नई दिल्ली। सोलर पीवी मॉड्यूल निर्माता वारी एनर्जीज लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 1503 रुपये से करीब 70 फीसदी उछाल के साथ शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी ने 4,321.44 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 1,427-1,503 रुपये प्रति शेयर तय किया था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 2,550 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है, जो निर्गम मूल्य से 69.66 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। इसके बाद यह 72.98 फीसदी चढ़कर 2,600 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचे (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 66.33 फीसदी की बढ़त के साथ 2,500 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 67,866.35 करोड़ रुपये रहा। वारी एनर्जीज लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन 76.34 गुना अभिदान मिला था। ये आईपीओ 21 से 23 अक्टूबर तक निवेश के लिए खुला हुआ था। कंपनी का आईपीओ तीन दिनों में कुल 79.44 गुना सब्सक्राइब हुआ। खुदरा कैटेगरी में ये इश्यू 11.27 गुना, क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) में 215.03 गुना, जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) कैटगरी में 65.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा 12 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। आवास ऋण प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1329 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1188 करोड़ रुपये की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्रिभुवन अधिकारी ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुये कहा कि इस तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व 6926 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 6753 करोड़ रुपये की तुलना में करीब तीन प्रतिशत अधिक है।

सांची का नया उत्पाद नेचुरल नारियल पानी लॉन्च, मंत्री पटेल ने किया शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सहकारी दुग्ध संघ सांची ने नया उत्पाद पाश्चरीकृत नेचुरल नारियल पानी लॉन्च किया है। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य डेयरी प्लांट में इस नेचुरल नारियल पानी की बिक्री का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वेटरनरी कौंसिल ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष डॉ उमेश शर्मा, संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पीएस पटेल आदि उपस्थित थे। मंत्री पटेल ने स्वयं भी नारियल पानी पिया और उसकी सराहना की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने सांची नारियल पानी का सेवन किया और उसे गुणवत्ता एवं स्वाद युक्त बताया।

इस अवसर पर मंत्री पटेल ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्पादन से बड़ा कोई रास्ता नहीं है। मध्य प्रदेश सहकारी दुग्ध संघ अपने सांची ब्रांड के माध्यम से नए नए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बाजार में ला रहा है। आज सांची ने

नेचुरल नारियल पानी लॉन्च किया है, जो कि अत्यंत गुणवत्तापूर्ण और स्वास्थ्य वर्धक है। भविष्य में दुग्ध संघ की माइनर मिलेट्स कोदो-कुटकी के उत्पाद भी बाजार में लाने की योजना है। मंत्री पटेल ने कहा कि भोपाल दुग्ध संघ की आय निरंतर बढ़ रही है। इस वर्ष अभी तक लगभग 700 करोड़ का लाभ दुग्ध संघ को हुआ है। दुग्ध संघ निरंतर किसानों के लाभ के लिए कार्य तो कर ही रहा है, संघ के कर्मचारियों के कल्याण में भी पीछे नहीं है। अब किसानों के साथ ही कर्मचारियों का भी बीमा कराया जाएगा। मंत्री पटेल ने कहा कि सहकारिता का मूल सिद्धांत है पारदर्शिता और जुड़े हुए हर व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना। हमारी सरकार इसी सिद्धांत पर कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य है दुग्ध उत्पादक किसानों को अधिक से अधिक आमदनी हो और हम इसके लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व इस वर्ष हमारी सरकार गौ-संरक्षण एवं गौ-संवर्धन वर्ष मना रही है। गायों की सुरक्षा और उनके समुचित पालन पोषण के प्रति जन-सामान्य में जागरूकता लाने के लिए इस वर्ष सरकार गोवर्धन पूजा पर 2 नवंबर को बड़ी गौ-शालाओं में गो संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग ले और इस पावन कार्य में अपना योगदान दें।

एयर इंडिया को विमान के अंदरूनी हिस्सों में बदलाव के लिए डीजीसीए की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया को विमान के अंदरूनी हिस्सों में खुद सुधार या बदलाव करने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की मंजूरी मिल गई है। एयर इंडिया ने एक जारी एक बयान में कहा कि एयर इंडिया पहली भारतीय एयरलाइन कंपनी है, जिसे विमानन नियामक डीजीसीए का डिजाइन ऑर्गनाइजेशन अप्रूवल मिला है, जो हमें विमान के अंदरूनी हिस्सों को इन-हाउस संशोधित करने की अनुमति देता है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक एमडी कैम्पबेल विल्सन ने कहा टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी में यह पहल एयर इंडिया के विश्व स्तरीय एयरलाइन बनने के अपने प्रयास में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक और मील का पत्थर है। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया अपने बेड़े को नया रूप देने और परिचालन का विस्तार करने पर काम कर रही है। कंपनी ने अपने बेड़े में शामिल विमान के अंदरूनी हिस्सों को बेहतर बनाने के लिए टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ सहयोग किया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टैक्स प्रैक्टिशनर्स के लिए नया अवसर : नारायण जैन

एजेंसी

कोल्हापुर। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट नारायण जैन ने कोल्हापुर में आयोजित राष्ट्रीय कर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत के टैक्स प्रैक्टिशनर्स, अधिवक्ताओं और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए एक नया अवसर प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारत पहले से ही सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणी है और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह क्षेत्र कर प्रैक्टिस के क्षेत्र में नए दरवाजे खोल सकता है। एआईएफटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट जैन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत के कानून मंत्री को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सही उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द कानूनी ढांचे को स्थापित करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उन्होंने एनवीआईडिया के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सेन हुआंग के बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें एआई के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला गया था। जैन ने बताया कि यह सम्मेलन 26 और 27 अक्टूबर को कोल्हापुर में एआईएफटीपी द्वारा जीएसटीपीएम, एमसीसीआईए और अन्य कई कर संघों के सहयोग से आयोजित किया गया। दो दिवसीय इस सम्मेलन को डिप्टी प्रेसिडेंट समीर जानी ने भी संबोधित किया और आयोजकों की विशेष सराहना की। सम्मेलन के आयोजन में विनायक पाटकर (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) और अरुण बाहेती की महत्वपूर्ण भूमिका की भी

तारीफ की गई। सम्मेलन में महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर (एमसीसीआईए) के अध्यक्ष ललित गांधी ने कर पेशेवरों की भूमिका की प्रशंसा की और आयकर के साथ-साथ जीएसटी के अनुपालन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कर सुधारों के लिए प्रतिनिधित्व करने और कर प्रणाली को सरल बनाने में अपने चैंबर और एआईएफटीपी की सक्रिय भागीदारी का सुझाव दिया।

केंद्र को एचएएल, एसपीएमसीआईएल और यूसीआईएल से मिला 1013 करोड़ रुपये का लाभांश

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) और यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) ने केंद्र सरकार को लाभांश किश्तों के रूप में कुल 1,013 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वित्?त मंत्रालय के तहत निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार को लाभांश किश्तों के रूप में एचएएल, एसपीएमसीआईएल और यूसीआईएल से क्रमशः 623 करोड़ रुपये, 364 करोड़ रुपये और 26 करोड़ रुपये रुपये प्राप्त हुए हैं। दीपम सचिव ने कहा कि इन कंपनियों ने इस तरह सरकार को कुल 1,013 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। उल्लेखनीय है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) एक सार्वजनिक क्षेत्र की एयरोस्पेस रक्षा कंपनी है, जिसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के सिक्का और मुद्रा प्रभाग के तहत एक संगठन है। यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) यूरेनियम खनन और प्रौद्योगिकी के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत भारत सरकार का एक सार्वजनिक उपक्रम है।

लगातार 1 हफ्ते की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान लगातार कमजोरी का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज दिवाली वाले सप्ताह की जोरदार शुरुआत की। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में उतार-चढ़ाव भी होता हुआ नजर आया लेकिन इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने जोरदार तेजी दिखाई। सेंसेक्स जहां इंट्रा-डे में 1,137 अंक चढ़ गया, वहीं निफ्टी ने भी 311 अंक से अधिक की छलांग लगाई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली होने की वजह से ये दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.76 प्रतिशत और निफ्टी 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, बैंकिंग, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही आईटी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, टेक और पीएसई इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.11 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

प्रह्लाद जोशी ने चावल मिलर्स की शिकायतों के समाधान के लिए मोबाइल ऐप किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने नई दिल्ली में चावल मिलर्स के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के शिकायत निवारण प्रणाली (एफसीआई-जीआरएस) मोबाइल ऐप को लॉन्च किया। इस नए ऐप के माध्यम से चावल मिलर्स की चिंताओं को दूर करने में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है।

चावल मिलर्स के लिए एफसीआई की शिकायत निवारण प्रणाली मोबाइल ऐप एफसीआई-जीआरएस ऐप की लॉन्चिंग के अवसर पर प्रहलाद जोशी ने कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता एक प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप इस उल्लेखनीय कदम का उद्देश्य एफसीआई के साथ सीधे संपर्क स्थापित करके देशभर में हमारे मेहनती चावल मिलर्स को सशक्त बनाना है, जिससे शिकायत निवारण प्रणाली को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जा सके। जोशी ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक ऐसी शासन प्रणाली बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है, जो वास्तव में समावेशी, जवाबदेह और नागरिकों की जरूरतों में निहित हो। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री ने कहा कि यह ऐप चावल मिलर्स को सीधे अपनी शिकायतें दर्ज करने की अनुमति देता है। एक बार शिकायत दर्ज होने के बाद तीन दिनों के भीतर जांच करने के लिए तीन सदस्यीय टीम भेजी जाएगी, जो मिलर्स से बातचीत करेगी और उसी अवधि के भीतर समाधान की सिफारिश करेगी। भारतीय खाद्य निगम मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों ने ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की शपथ भी ली। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के 'डिजिटल इंडिया' विजन के अनुरूप ये ऐप चावल मिलर्स को शिकायत दर्ज करने, स्थिति को ट्रैक करने और एफसीआई से प्रतिक्रिया और टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए एक सहज मंच प्रदान करता है। इस प्रकार एंड-टू-एंड डिजिटल तरीके से जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ाया जा रहा है।

अंबुजा सीमेंट का मुनाफा 52 प्रतिशत लुढ़का

मुंबई। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले दिग्गज अडानी समूह की सीमेंट निर्माता कंपनी अंबुजा सीमेंट का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष के 987.24 करोड़ रुपये के मुकाबले 52 प्रतिशत लुढ़ककर 472.89 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसे 472.89 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो, वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही के 987.24 करोड़ रुपये के मुकाबले 52 प्रतिशत कम है। आलोच्य अवधि में कंपनी की कुल आय में 0.12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 7899.99 करोड़ रुपये से घटकर 7890.14 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि इस अवधि में उसका कुल व्यय 6564.28 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब सात प्रतिशत बढ़कर 7023.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

लिस्टिंग के जरिये 2 कंपनियों की स्टॉक मार्केट में एंट्री, मजबूत शुरुआत के बाद लिस्टिंग लेवल से नीचे लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इन दोनों कंपनियों के शेयर आज प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए, लेकिन दिन के कारोबार में बिकवाली के दबाव की वजह से दोनों कंपनियों के शेयर लिस्टिंग प्राइस से नीचे गिर कर बंद हुए। लिस्टिंग लेवल से गिर कर बंद होने के बावजूद इन दोनों में से एक कंपनी वारी एनर्जीज के आईपीओ निवेशक 55.62 प्रतिशत के फायदे में रहे, वहीं दूसरी कंपनी प्रीमियम प्लास्ट के निवेशकों को 0.20 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा।सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयरों की आज में घरेलू शेयर बाजार में शानदार एंट्री हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 69.66 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 2,550 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 66.33 प्रतिशत

प्रीमियम के साथ 2,500 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर उछल कर 2,624.40 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। इस तेजी के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस शेयर की चाल में भी गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव में ये शेयर 2,300 रुपये के स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 2,338.90 रुपये के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। लिस्टिंग लेवल से करीब 160 रुपये गिर कर बंद होने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक आज ओवरऑल 55.62 प्रतिशत का मुनाफा कमाने में सफल रहे।आज ही कमर्शियल गाड़ियां बनाने वाली कंपनियों को प्लास्टिक पार्ट्स की सप्लाई करने वाली कंपनी प्रीमियम प्लास्ट के शेयर ने भी लिस्टिंग के जरिए घरेलू शेयर बाजार में एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 49 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 51.45 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर की कीमत 51.75 रुपये तक पहुंची, लेकिन इसके बाद बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर में ही ये शेयर 48.90 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 0.20 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा।

एनटीपीसी ग्रीन और अवांसे फाइनेंशियल को आईपीओ लाने की मंजूरी, सेबी ने जारी किया ऑब्जर्वेशन लेटर

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी और अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज को आईपीओ लाने के लिए हरी झंडी दे दी है। सेबी ने इन दोनों कंपनियों के नाम से ऑब्जर्वेशन लेटर भी जारी कर दिया है। इन कंपनियों को अब ऑब्जर्वेशन लेटर जारी होने के बाद 1 साल की अवधि में अपना आईपीओ लॉन्च करना होगा। देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी की सब्सिडियरी कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने 18 सितंबर को मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराया था। कंपनी अपने पब्लिक इश्यू के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी में बताया गया है कि पब्लिक इश्यू के जरिए सिर्फ फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए कोई बिक्री नहीं होगी। आईपीओ द्वारा जुटाए जाने वाले पैसे के 75 प्रतिशत हिस्से का इस्तेमाल कंपनी के पुराने कर्ज को चुकाने में किया जाएगा जबकि शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा। इसी तरह नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज ने 31 जुलाई को सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराया था। कंपनी ने अपने आईपीओ में नए इश्यू के जरिए 1,000 करोड़ रुपये और ऑफर फॉर सेल के जरिए 2,500 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य तय किया है। मुंबई की ये कंपनी एसेट अंडर मैनेजमेंट के मामले में देश की दूसरी सबसे बड़ी एजुकेशनल फोकस्ड एनबीएफसी है।

देश का आर्थिक प्रदर्शन संतोषजनक, मांग पर नजर रखने की जरूरतः वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही के दौरान संतोषजनक रहा है लेकिन आगे मांग की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई हैं। अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय की ओर से सितंबर महीने की जारी एक समीक्षा रिपोर्ट में यह बात कही गई है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट के सितंबर संस्करण में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का परिदृश्य अच्छा है। इसका कारण रुपये समेत बाह्य मोर्चे पर स्थिरता, सकारात्मक कृषि परिदृश्य, त्योहारों की मांग में सुधार और सरकारी खर्च में वृद्धि की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल मिलाकर उम्मीद है कि इससे निवेश गतिविधियों में तेजी आएगी। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। मंत्रालय के इस आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट के मुताबिक उपभोक्ता धारणा में नरमी, सामान्य से अधिक बारिश के कारण सीमित ग्राहक संख्या और विभिन्न मौसमी अवधियों में लोगों के नई खरीदारी से बचने को देखते हुए ऐसा जान पड़ता है कि शहरी मांग में नरमी है।सितंबर की मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई दर दो महीने की नरमी के बाद सितंबर महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दर बढ़ी है। इसकी वजह अनियमित मानसून के चलते मुख्य

रूप से कुछ सब्जियों की आपूर्ति पर असर पड़ना था। रिपोर्ट के अनुसार कुछ सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि को छोड़ दिया जाए तो महंगाई काफी हद तक काबू में नजर आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रत्यक्ष रूप से और पोर्टफोलियो निवेशकों के बीच भारत के प्रति धारणा सकारात्मक है। इन भावनाओं को वास्तविक प्रत्यक्ष और पोर्टफोलियो निवेश में बदलने के लिए आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखना जरूरी है। हालांकि, विदेशी निवेशक सितंबर माह में शेयरों से 85,790 करोड़ रुपये (करीब 10.2 अरब डॉलर) की भारी निकासी की है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में सर्वाधिक निकासी की गई। इससे पहले मार्च, 2020 में एफपीआई ने 61,973 करोड़ रुपये शेयर बाजार से निकाले थे। इसकी वजह चीन में प्रोत्साहन उपाय, आकर्षक शेयर मूल्यांकन और घरेलू शेयर बाजार में शेयरों का मूल्यांकन अधिक होना है।वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक बाह्य क्षेत्र लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। यह बढ़ते पूंजी प्रवाह, स्थिर रुपये और संतोषजनक विदेशी मुद्रा भंडार से पता चलता है। इस साल सितंबर में विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर गया था। इसके साथ ही भारत सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार वाले टॉप चार देशों में शामिल हो गया। इस रिपोर्ट में नौकरी बाजार के संबंध में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियों में वृद्धि जारी है। यह वित्त वर्ष 2022-23 के लिए उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण से भी पता चलता है। वहीं, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत नए लोगों के जुड़ने, क्रय प्रबंधकों के रोजगार उप-सूचकांक और नौकरी जॉब स्पीक इंडेक्स संगठित क्षेत्र में रोजगार सृजन का संकेत देते हैं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट में कृत्रिम मेधा (एआई) से कर्मचारियों के नौकरी जाने की बात आई है। ऐसे में इस पर नजर रखने की जरूरत है।

बढ़ते वजन पर करना है वार तो इन 5 फूड से कर लें प्यार, मोटापे पर ब्रेक के साथ इम्यूनिटी भी होगी बूस्ट, हार्ट की होगी रक्षा

आपको लग रहा है कि आपका वजन बढ़ रहा है तो आप अपने फूड में परिवर्तन कर लें. आप ऐसे फूड का सेवन करें जिसमें कैलोरी तो कम हो लेकिन पोषक तत्वों की कोई कमी न हो.

क्या डाइट से मोटापे पर वार हो सकता है? बिल्कुल हो सकता है, बशर्ते पर आप डाइट में क्या चुनते हैं यह मायने रखता है. वजन कम करने के लिए अक्सर लोग खाना छोड़ देते है लेकिन यह तरीका सही नहीं है. इससे शरीर को आवश्यक एनर्जी नहीं मिलेगी और आप कुपोषण के शिकार हो जाएंगे. हां, यह जरूरी है कि जब आप वजन कम कर रहे हैं तो आपको डाइट के साथ-साथ एक्सरसाइज को भी प्राथमिकता में रखना चाहिए. दोनों एक-दूसरे के पूरक है. वजन कम करने में अगर आप एक्सरसाइज के साथ ही बेहतर फूड को चुनेंगे तो निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी. दरअसल, वजन कम करने के लिए ऐसे फूड का चयन करना होता है जिसमें कैलोरी तो कम हो लेकिन उसमें पोषक तत्वों का खजाना छुपा हो ताकि हमारे शरीर को आवश्यक पोषक तत्वों की कमी नहीं हो. इसलिए हम आपको यहां ऐसे ही 5 फूड के बारे में बताएंगे जो वजन पर लगाम लगा सकता है.

इन फूड से लगेगा मोटापे पर ब्रेक

1. मशरूम-मशरूम पोषक तत्वों का खजाना है. इसमें विटामिन बी 12, राइबोफ्लाविन, पेंटोथेनिक एसिड, बायोटिन, सेलेनियम, कॉपर, पोटैशियम जैसे तत्व मौजूद होते हैं. इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कई बीमारियों से भी रक्षा करते हैं. हेल्थलाइन की खबर के मुताबिक 96 ग्राम मशरूम में सिर्फ 21 कैलोरी होती है. मशरूम में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा नहीं है. मशरूम फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पेट भरने में मदद करता है और आपको लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देता. इनमें संतृप्त वसा की मात्रा बहुत कम होती है,जो वजन कम करने के लिए फायदेमंद है.

2. खीरा-अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो हर दिन अपनी डाइट में खीरे को शामिल कीजिए. खीरा वजन घटाने में बेमिसाल है. 100 ग्राम खीरे में सिर्फ 13 कैलोरी होती है. खीरा और टमाटर का सलाद आपके वजन पर हमेशा लगाम लगा के रखेगा.खीरे में पोटैशियम भी पाया जाता है जो हार्ट डिजीज से भी रक्षा कर सकता है.

3. स्ट्रॉबेरी-हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक 100 ग्राम स्ट्रॉबेरी में 32 कैलोरी होती है. दूसरी ओर स्ट्रॉबेरी में पोषक तत्वों की भी कोई कमी नहीं होती. इसमें कई तरह के विटामिन, फाइबर और पॉलीफेनॉल कंटेंट होता है जो ब्लड शुगर को कम करने के साथ-साथ कैंसर से भी रक्षा करता है. स्ट्रॉबेरी फाइबर से भरपूर होती हैं, जो पेट में भूख को नियंत्रित करती हैं, जिससे ओवरईटिंग की संभावना कम होती है. इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सिडेंट्स और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं.

4. शिमला मिर्च- शिमला मिर्च में कैलोरी नाम मात्र होती है. वहीं इसमें विटामिन सी, ए, बी 6 सहित कई तरह के मिनिरल्स पाए जाते हैं. शिमला मिर्च का नियमित सेवन इम्यून फंक्शन को बढ़ाता है. इससे मेटाबोलिज्म बूस्ट होता है और यहां तक कि कैंसर का जोखिम भी कम हो जाता है.

5. अंडा-अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो 2 से 3 अंडे रोज खाएं. एक अंडे में सिर्फ 72 कैलोरी ऊर्जा रहती है, इसलिए यह वजन को बढ़ने से रोकने में मददगार है. अंडा में एल्ब्यूमिन प्रोटीन होता है जो आपको देर तक भूख का अहसास नहीं होने देगा.

सीमा से सैनिकों की वापसी- क्या पिघलने लगी भारत और चीन के बीच रिश्तों की बर्फ

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पूरे विश्व की दृष्टि भारत के प्रधानमंत्री मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य होने वाली द्विपक्षीय वार्ता पर थी क्योंकि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को हल करने के लिए सहमति बन गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में वैश्विक स्तर की गम्भीर समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय हैं। प्रत्येक वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। युद्ध व आतंकवाद के कारण अशांत विश्व की दृष्टि अब वैश्विक शांति की स्थापना के लिए भारत की ओर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके लिए संकल्पवान हैं। प्रधानमंत्री मोदी रूस -यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-अरब के बीच चल रहे तनाव को कम करने के लिए नेताओं के संपर्क में हैं। तीसरी बार पद सँभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी दो बार रूस की यात्रा पर जा चुके हैं। 2024 लोकसभा चुनावों के पूर्व ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भारत और रूस के मध्य संबंधों में कुछ खटास आ रही है लेकिन रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के मध्य मैत्रीपूर्ण व्यवहार व वार्ता को देखकर राजनैतिक विश्लेषक आश्चर्यचकित रह गये। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पूरे विश्व की दृष्टि भारत के प्रधानमंत्री मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य होने वाली द्विपक्षीय वार्ता पर थी क्योंकि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को हल करने के लिए सहमति बन गई थी। भारत और चीन के शासनाध्यक्षों के मध्य यह वार्ता गलवान दुर्घटना के लम्बे अंतराल के हुयी जिससे लगा कि अब भारत और चीन के मध्य जमी बर्फ अब पिघल रही है।दोनों शासनाध्यक्षों की भेंट के बाद यह समाचार भी आ गया है कि भारत और चीन के मध्य हुए समझौते के अनुसार पूर्वी लद्दाख सेक्टर में डेमचोक और देपसांग से भारत और चीन के सैनिकों की वापसी आरम्भ हो गई है। यह भारत की बड़ी रणनीतिक, कूटनीतिक और सामरिक जीत है। डेमचोक में दोनों सेनाओं ने पांच -पांच टेंट हटा लिये हैं तथा यह प्रक्रिया लगातार जारी है। एक बार जब सभी टेंट और अस्थायी ढांचे पूरी तरह से हटा दिये जाऐंगे तब एक संयुक्त सत्यापन प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। सत्यापन जमीन पर और हवाई सर्वेक्षण दोनों के माध्यम से किया जाएगा। प्रारम्भिक आपरेशन के अंतर्गत डेमचोक में भारतीय सैनिक चार्डिंग नाला के पश्चिमी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं और चीनी सैनिक नाला के पूर्वी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं।दोनों तरफ करीब 10 से 12 अस्थायी ढांचे और करीब 12 तंबू बने हुए हैं जिन्हें हटाया जा रहा है। देपसांग इलाके में चीन ने अपने सैनिकों व वाहनों की संख्या काफी कम कर दी है और भारतीय सेना ने भी अपने सैनिक वहां से कम कर दिये हैं।

ताजा घटनाक्रम को लेकर चीन का वक्तव्य भी आ गया है कि भारत- चीन सीमा पर तनाव कम हो जाने के बाद लद्दाख में सैनिकों की वापसी आरम्भ हो गई है । इस वक्तव्य में कहा गया हे कि दोनों पक्षों की अग्रिम पंक्ति की टुकड़ियाँ सुचारू रूप से प्रासंगिक कार्य कर रही हैं, जो लंबे समय से चली आ रही गतिरोध चर्चाओं के बाद तनाव कम करने की शुरूआत है। ज्ञातव्य है कि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही कई दौर की वार्ता होने के बाद भारत के साथ सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में सहमति बनी थी अब वही सहमति धरातल पर उतारी जा रही है। यदि यह कार्य इसी प्रकार चलता रहा तो पूर्वी लद्दाख में मई 2020 के पूर्व की स्थिति वापस आ जाएगी। भारत और चीन के मध्य जो समझौता हुआ है उसके अनुसार पेट्रोलिंग को लेकर भी व्यापक सहमति बन गई है। अब सर्दियों के मौसम में दोनों देशों के सैनिक पीछे हटेंगे। बेहतर तालमेल के लिये दोनों देशों के कमांडर्स के बीच हर महीने एक बैठक होगी। यह बदले हुए भारत की मजबूत इच्छाशक्ति की जीत है। रूस के कजान शहर में आयेजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मोदी और शी जिनपिंग की वार्ता के बाद भारत और चीन के मध्य अन्य अनेक मुद्दों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना नजर आ रही है। पचास मिनट की बैठक में तय हुआ है कि भारत और चीन सीमा विवाद को स्थाई रूप से सुलझाने के साथ - साथ आर्थिक मोर्चे पर भी मिलकर काम करेंगे। वार्ता में यह भी तय हुआ है कि सीमा पर शांति हो जाने के बाद अब मानसरोवर यात्रा प्रारंभ करने पर भी बैठक होगी। कजान में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आपसी व्यापार बढ़ाने तथा सहयोग के नये क्षेत्र ढूँढने और अनेक वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत और चीन के मध्य पांच साल के बाद तनाव कम होना एक महत्वपूर्ण है। यहाँ यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि भारत और चीन के मध्य संबंधों में उतार चढ़ाव आता रहता है और इतिहास सिखाता है कि भले ही समझौते को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई हो चीन पर तब तक भरोसा नहीं किया जा सकता जब तक कि सब कुछ संपूर्णता पर न आ जाये। हिंदी -चीनी भाई भाई के नारे की आड़ में चीन भारत पर पूर्व में आक्रमण और घुसपैठ दोनों ही कर चुका है और भारत की भूमि हड़प चुका है। चीन की धोखेबाजी के ही कारण गलवान घटना घटित हुई थी किंतु भारतीय सैनिकों ने चीन को मुहंतोड़ जवाब दिया और झड़प वाली जगह पर सीना तान कर खड़े रहे। वर्तमान समझौता इसीलिए हो भी सका है क्योंकि भारतीय सैनिकों ने चीन को पैर वापस खीचने को बाध्य कर दिया।भारत अब 1962 वाला देश नहीं रहा। आज का भारत जो कहता है वह करता भी है। पहली बार बिना बड़े युद्ध के चीन को पीछे हटने पर मजबूर किया गया है। पहली बार भारत सरकार ने चीन के खिलाफ वास्तविक रूप से कड़े कदम उठाए। गलवान की घटना के बाद भारत ने चीन के साथ सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया, वीजा नियम सख्त किये गये । भारत में चीनी निवेश पर कड़े नियम लागू कर दिये गये जिसके कारण विगत चार वर्षों में चीन द्वारा प्रस्तावित अरबों डालर की अनुमोदन प्रक्रिया रुक गई। इसी प्रकार डाटा और गोपनीयता के मुद्दों को सामने रखते हुए 300 चीन ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया गया जिसके कारण चीन को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

भारत को अभी भी बहुत अधिक सावधान रहना है क्योंकि भारत और चीन के मध्य अरुणाचंल प्रदेश तनाव का बड़ा कारन बना रहेगा। आतंकवाद पर भी चीन की नीति स्पष्ट नहीं है, आतंकवाद के मुद्दे पर वह पाकिस्तान व आर्तकियों के साथ खड़ा दिखाई देता है। उसने अभी तक पाक आतंकी मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित कर उस पर प्रतिबंध लगाने के बजाय संयुक्तराष्ट्र में वीटो किया है। वहीं संयुक्तराष्ट्र महासभा में भारत की स्थायी सदस्यता का अब केवल चीन ही विरोध कर रहा है जिसके कारण संयुक्तराष्ट्र में भारत को स्थायी सदस्यता नहीं मिल पा रही है और न ही वहां सुधार लागू हो पा रहे हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या चीन आतंकवाद के मुद्दे पर अपना दोहरा रवैया छोड़ेगा। व्यावसयिक और व्यापारिक दृष्टि से भी चीन के समकक्ष रहने के लिए भारत को वोकल फॉर वोकल पर बहुत बल देना होगा।

मोदी और जिनपिंग की ताजा वार्ता की सफलता की अग्निपरीक्षा शीघ्र ही हो जाएगी क्योंकि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद को साझा खतरा बताकर निर्णायक कदम उठाने का संकल्प लिया है। रूस के कजान शहर में जारी साझा घोषणापत्र में आतंकवादी विचारधारा के प्रसार, उसके उद्देश्यों के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग, आर्तकियों की सीमा पार आवाजाही व आतंकी वित्तपोषण को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने का संकल्प लिया गया है। ब्रिक्स घोषणपत्र पर चीन के भी हस्ताक्षर हैं।

संपादकीय

बहुत खास हैं खरगे के 2 साल

सामान्यत- किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर आदि के कार्यकाल की वर्षगांठ को देखने के तो लोग आदी हैं परन्तु यदि किसी राजनीतिक संगठन का प्रमुख बनने के दो साल पूरा करने पर दल के कार्यकर्ताओं और जनसाधारण में खुशी हो तो मानकर चलना चाहिये इसके पीछे कोई खास वजह तो होगी ही, ऐसा व्यक्ति भी कुछ विशेष ही होना चाहिये। देश की सबसे पुरानी और स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष पूरा करने पर यदि सभी एक स्वर से मल्लिकार्जुन खरगे को बधाइयां दे रहे हैं तो वह सिर्फ सांगठनिक शिष्टाचार के बदौलत नहीं वरन यह इस दौरान उनकी निभाई भूमिका एवं नेतृत्व कौशल की सराहना के रूप में कहा जा रहा है।जिस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कतारबद्ध होकर खरगे को बधाइयां दीं, उस दल ने अपने 140 वर्षों के प्रदीर्घ इतिहास में अनेक महान अध्यक्षों को देखा है, और उनके नेतृत्व में न केवल देश को औपनिवेशिक गुलामी से आजाद कराया है बल्कि देश को फर्श से अर्श तक पहुंचाया है। अलग-अलग परिस्थितियों में कांग्रेस के विभिन्न अध्यक्षों ने पार्टी की सेवा की है। फिर भी पिछले कई वर्षों से ऐसा कोई वाकया याद नहीं पड़ता कि किसी का एक या दो साल पूरा होना यूं मनाया गया हो।संगठन ने पार्टी के सबसे वयोवृद्ध परन्तु किसी भी युवा नेता की बराबरी की सक्रियता के साथ पार्टी की कमान सम्हालने वाले खरगे के ये दो वर्ष अनेक मायनों में महत्वपूर्ण रहे हैं, जिस दौरान उनकी भूमिका उतनी ही रेखांकित किये जाने के योग्य है। पार्टी में आंतरिक चुनाव के जरिये शशि थरूर को हराकर खरगे 26 अक्टूबर 2022 को इस पद पर आसीन हुए थे। जब खरगे ने कांग्रेसाध्यक्ष का पद सम्हाला था, उसके करीब डेढ़ माह पहले राहुल गांधी अपनी ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा प्रारम्भ कर चुके थे। 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से निकलकर 30 जनवरी 2023 को श्रीनगर में पहुंचकर समाप्त हुए इस पैदल मार्च का आयोजन करने वाले संगठन के कार्यकर्ताओं को ऐसा अध्यक्ष चाहिये था जो चाहे राहुल की तरह 3600 किलोमीटर पैदल न चले (जो सबके बस की बात भी नहीं है), परन्तु एक समानातंर ऊर्जा के साथ संगठन को नेतृत्व प्रदान कर सके।शशि थरूर की सवर्ण पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं अभिजात्य जीवन शैली के ठीक विपरीत एक बहुत ही कष्टप्रद सामाजिक व्यवस्था को पराजित कर पार्टी के शीर्ष नेताओं की कतार में बैठने के पीछे खरगे का छह दशकों से अधिक का समर्पण एवं कर्मठता थी। इस दौरान कांग्रेस के तमाम उतार-चढ़ावों में पार्टी नेतृत्व के साथ पूरी निष्ठा के साथ खड़े रहने वाले खरगे का जब निर्वाचन हुआ तो कई आश्चर्यचकित थे, तो कई निराश।

अधिकतर यह भी मानकर चल रहे थे कि वे शायद ही लम्बे समय तक इस पद पर बने रहेंगे और देर-सबेर गांधी परिवार के ही किसी सदस्य (पहले के कुछ दृष्टांतों के अनुरूप) को इस पद को सम्हालने के लिये आगे बढ़ना पड़ेगा।

यह वह वक्त था जब अपनी क्षमता तथा उपलब्ध शक्ति के अनुरूप पार्टी को चलाने के बाद स्वास्थ्यगत कारणों से सोनिया गांधी यह पद छोड़ने की इच्छा जता चुकी थी और दूसरी पसंद राहुल दोबारा अध्यक्ष पद सम्हालना नहीं चाहते थे। वे पहले यह पद 2019 में छोड़ चुके थे जब उनका दल लोकसभा में ऐतिहासिक गिरावट के साथ केवल 44 सीटें पाकर सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नियमित मखौल का पात्र बनकर रह गया था। अध्यक्ष पद के लिये गांधी परिवार की पसंद खरगे ही थे। उन्होंने कांग्रेस तथा देश को निराश नहीं किया।यही वह कालखंड था जब कांग्रेस बाहरी हमलों के अलावा भीतरघात से भी बेतरह जूझ रही थी। %ऑपरेशन लोटस% के तहत कांग्रेस के सैकड़ों नेता, विधायक, सांसद आदि पैसे की लालच में या जांच एजेंसियों के डर से भाजपा में समाते जा रहे थे। पार्टी के भीतर %जी 23% जैसी कारगुजारियां हो रही थीं जो पार्टी की भीतरी दीवारों को कमज़ोर करती चली गयीं। ऐसा नहीं कि यह सिलसिला अब थम गया हो। इन तूफानी झटकों के बीच पार्टी रूपी जहाज के मस्तूल को खरगे ने मजबूती से थामे रखा। लोगों को अपने सिद्धातों के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा दी।

अब मुकाबला सीधा : डराने वालों और डरो मत के बीच

केन्द्र में जहां चार सौ पार के दावे कर रहे थे। वहां बहुमत के लिए भी कई पार्टियों का समर्थन लेना पड़ा। यूपी में तो सपा और कांग्रेस ने मिलकर 43 सीटें जीत लीं। और बीजेपी केवल 33 पर रह गई। जनता नफरत और विभाजन फैलाने के उद्देश्य को समझ गई। महंगाई बढ़ाई जाएगी, नौकरी नहीं दी जाएगी, सरकारी अस्पतालों को खत्म कर दिया जाएगा, सरकारी स्कूलों को भी। पांच किलो मुफ्त अनाज को बड़ा अहसान बताया जाएगा।बटेंगे तो कटेंगे जैसे नारों का उद्देश्य एक ही होता है दलित पिछड़ों आदिवासियों, कृषि निर्भर जातियों और सवर्णों में भी अन्य दूसरे तीसरे पायदान पर आने वाली जातियों को डराना कि उन्हें कोई खतम करने वाला है। नारा देने वाले के कहने का मतलब होता है देश में कोई कानून व्यवस्था नहीं है। न्याय नहीं है। शांति का माहौल नहीं है। दस साल केन्द्र के और सात साल उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों को हो गए मगर तुम निश्चिंत नहीं रह सकते, तुम्हें डरना चाहिए। दस साल पहले डर नहीं था। कोई कटने कटाने की बात नहीं करता था। लेकिन अब इनकी सरकार आ गई हो तो बंटना कटना जैसे हिंसक, भय पैदा करना वाले शब्दों का उपयोग किया जाने लगा है।डर लोगों को नहीं है। डर इन्हें है कि लोग कहीं डरना नहीं छोड़ दें। इन्हें लगता है कि जनता अगर निर्भय हो गई तो अपने असली मुद्दों की बात करने लगेगी। अभी लोकसभा में बहुमत से दूर 240 पर सिमट जाने और यूपी में तो 80 में से केवल 33 पर रुक जाने के बाद भाजपा में खलबली मच गई। ऐसा नहीं है कि इस लोकसभा चुनाव में हिन्दू मुसलमान कुछ कम करा हो। बल्कि पिछले चुनावों से आगे बढ़कर किया। भैंस छीन लेंगे, मंगल सूत्र छीन लेंगे जैसा डर पैदा करने की कोशिश की गई। यूपी में बुलडोजर के सहारे लड़ा गया। अजान, नमाज, टोपी, तहमद जैसे मुद्दे उठाए। लेकिन नतीजा क्या हुआ?

केन्द्र में जहां चार सौ पार के दावे कर रहे थे। वहां बहुमत के लिए भी कई पार्टियों का समर्थन लेना पड़ा। यूपी में तो सपा और कांग्रेस ने मिलकर 43 सीटें जीत लीं। और बीजेपी केवल 33 पर रह गई। जनता नफरत और विभाजन फैलाने के उद्देश्य को समझ गई। महंगाई बढ़ाई जाएगी, नौकरी नहीं दी जाएगी, सरकारी अस्पतालों को खत्म कर दिया जाएगा, सरकारी स्कूलों को भी। पांच किलो मुफ्त अनाज को बड़ा अहसान बताया जाएगा। गरीब को केवल उसी पर निर्भर कर दिया जाएगा। कोई काम धंधा नहीं, नौकरी रोजगार नहीं, उसके बच्चों का स्कूल, कापी पेंसिल, खुद उसकी, उसके बुजुर्ग मां बाप की दवा, इलाज का कोई इंतजाम नहीं। केवल पांच किलो अनाज लो और नफरती विभाजनकारी भाषणों को सुनकर बंटने कटने के काल्पनिक भय में जियो।

प्रभाव कहीं नहीं हो रहा है। लोकसभा के बाद हरियाणा में सरकार जरूर बना ली मगर वोट 11 परसेंट कांग्रेस का बढ़ा। बंटने कटने की बात करने के बावजूद भाजपा का वोट केवल 3 परसेंट बढ़ा। जीत भाजपा को अपने डर पैदा करने वाले अजेंडे की वजह से नहीं मिली बल्कि कांग्रेस के गुटबाज नेताओं द्वारा खुद ही माहौल खराब करने, मैं बनूंगा मुख्यमंत्री, की मूर्खतापूर्ण बहस और ईवीएम की वजह से मिली। कांग्रेस ने चुनाव आयोग में दस्तावेजों के आधार पर शिकायत दर्ज करवाई है कि 20 सीटों पर ईवीएम में गड़बड़ियां थीं।

कांग्रेस के इस आरोप का जवाब चुनाव आयोग या उसकी तरफ से अभी तक जो भाजपा और मीडिया देते थे वे भी नहीं दे पाए हैं कि जिन मशीनों में वोटिंग हुई है वे 99 प्रतिशत तक चार्ज कैसे मिलीं? कोई भी मशीन अगर काम करती है। या रखी भी रहती है तो इसकी बैटरी कम होती जाती है। यहां 5 अक्टूबर को मतदान हुआ और 8 अक्टूबर को गिनती। तीन दिन बाद मशीन 99 प्रतिशत तक चार्ज ! इसका क्या जवाब हो सकता है? इसीलिए मीडिया और भाजपा ने दिया नहीं और चुनाव आयोग को देना नहीं है।

तो यह अलग मुद्दा है हरियाणा में बीजेपी की जीत का, मगर यहां यह जीत अब नफरत फैलाने से नहीं मिल रही है। तो क्या करें? जनहितकारी काम तो कुछ कर नहीं सकते। क्योंकि पूरी सोच जनविरोधी है। जनता को डरा कर नफरत के नशे में रखो। वह जनता नहीं प्रजा है। उसका काम है निष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करना। शासक जिस हाल में रखे उसमें रहना और उसका शुक्रगुजार रहना क्यों कि यही प्रजा का काम है। याद नहीं? कोविड में क्या कहा था। ताली थाली बजवाई। दवा, आक्सिजन सिलेंडर, अस्पताल में बेड मरने के बाद श्मशान तक कुछ नहीं दिया, लोगों ने पुलों पर से शव फेंके, नदी में बहाए, रेत में दबा दिए। और संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा क्या, जो मरे वे मोक्ष को प्राप्त हो गए। सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से इनकार कर दिया। कहा सिस्टम की गलती ! सिस्टम क्या। एक अमूर्त चीज। कुछ भी मान लो। लेकिन कोरोना वैक्सिन सर्टिफिकेट पर अपना फोटो छपवाना नहीं भूले। मोदी जी के फोटो सबके घरों में पहुंच गए। एक एक आदमी के पास दो या तीन सर्टिफिकेट। मतलब उतने ही फोटो। लेकिन अब हार्ट अटैक से मौतें हो रही हैं। युवा किशोर खड़े खड़े गिर कर मर रहे हैं। डाक्टर वैक्सिन को दोषी बता रहे हैं। मगर कोई जांच शोध नहीं। वैक्सिन बनाने वाली कंपनियों ने बेहिसाब पैसा बना लिया। लंदन में सबसे महंगी प्रापर्टी खरीद ली। यहां इलेक्टोरल बांड के जरिए बीजेपी को खूब पैसा दे दिया। आज कोई वैक्सिन कंपनियों से सवाल करने वाला नहीं है। प्रजा पर ऐसे प्रयोग होते रहते हैं। पहले दवा वैक्सिन के प्रयोग जानवरों पर होते थे। क्यों जनता होती थी उसे इंसान माना जाता था। नेता तो जनता जनार्दन यानि भगवान भी कहते थे मगर अब उसका वह दर्जा खत्म हो गया।

सका काम अब केवल डरना और डराने वालों को वोट देना रह गया है। मगर ऐसा होगा क्या? मानव जाति का इतिहास तो बताता है कि इंसान ने हमेशा डर पर जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने नारा ही यह दिया है- डरो मत ! मतलब अब सीधे सीधे देश दो स्पष्ट मुद्दों पर आ गया है। एक तरफ राहुल गांधी हैं जो जनता को निर्भय बनाने कि लिए लड़ रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा और संघ है जो डराने की कोशिश कर रहा है। कह रहा है कटोगे। खुद की सरकार। दोनों जगह केन्द्र और राज्य में। और कटने की बात कर रहा है। एक तरफ यह बहुत ही खतरनाक स्थिति है। दूसरी तरफ जनता की परीक्षा। क्या वह इतनी बेवकूफ है कि कोई कहेगा और वह मान जाएगी? सोचेगी नहीं? कौन काटने आ रहा ? और क्यों? और क्या इनके शासन में बिल्कुल जंगल राज आ गया है कि देश के बहुसंख्यक लोगों को कोई काट जाएगा ? मार जाएगा? नहीं जनता सब समझती है। अगर भाजपा का डर दिखाना कामयाब होता तो लोकसभा में वह चार सौ पार जाती। हरियाणा में 11 परसेन्ट कांग्रेस का वोट नहीं उसका बढ़ता।

जम्मू कश्मीर में इस बार उसकी मुराद पुरी हो जाती। वह 29 सीटें नहीं कम से कम जम्मू संभाग की तो पूरी 43 जीतती। परिसीमन करवा कर उसने जम्मू में सीटें इसीलिए बढ़वाई थीं। पहले जम्मू में केवल 37 सीटें थीं। उसमें 6 बढ़वा लीं। उसका गणित सीधा था।

इसी विभाजन की राजनीति के भरोसे वह जम्मू की अधिकांश सीटें जीतना चाहती थी। 6 उसने पहली बार मनोनीत सदस्य की व्यवस्था कर ली थी। 90 की विधानसभा में जीत का पूरा हिसाब किताब। मगर जैसा हमने कहा कि क्या जनता इतनी बेवकूफ है? नहीं। उसने जम्मू में भाजपा को रोक दिया। जबकि वह सबसे बड़ा इशु लेकर गई थी। 370 हटा दिया। लेकिन जनता समझदार है। अपना हित अनहित पहचानती है। तो लोकसभा और उसके बाद जम्मू कश्मीर हरियाणा कहीं भी नफरत और विभाजन के मुद्दे नहीं चले। अब महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हैं। भाजपा उसी नफरत को बटेंगे तो कटेंगे के जरिए और तेज करने की कोशिश कर रही है। खतरनाक स्थिति है। देश की सत्ताधारी पार्टी केवल नफरत के भरोसे। लेकिन जनता हमेशा सिद्ध करती है कि उसमें एक सहज बोध है। कामन सेंस। शिक्षित हो या अशिक्षित वह झूठ और सच में फर्क पहचानती है। डराने वालों और डर से बचाने वालों में फर्क करती है।

ब्रेडीकार्डिया: हृदय की धड़कनों पर रखें नजर

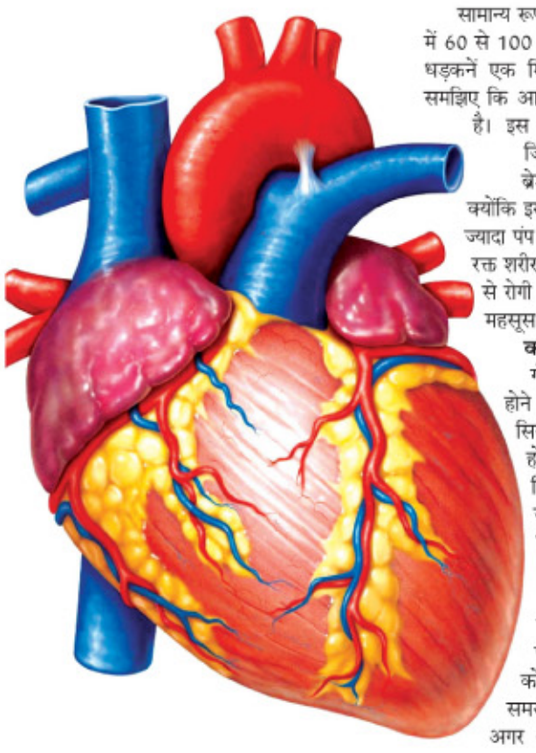

सामान्य रूप से वयस्क शख्स का हृदय एक मिनट में 60 से 100 बार धड़कता है, लेकिन अगर हृदय की धड़कनें एक मिनट में 60 बार से कम धड़कें तो समझिए कि आपको डॉक्टर के पास जाने की जरूरत है। इस समस्या को ब्रेडीकार्डिया कहते हैं, जिसका अब कारगर इलाज संभव है...

ब्रेडीकार्डिया काफी गंभीर समस्या है क्योंकि इसका मतलब है कि आपका हृदय इतना ज्यादा पंप नहीं कर पा रहा है कि ऑक्सीजनयुक्त रक्त शरीर में प्रचुर मात्रा में पहुंच सके। इस स्थिति से रोगी को सामान्य गतिविधियां करने में दिक्कत महसूस होती है।

कारण

गौरतलब है कि हृदय की गति के कम होने का अर्थ है- दिल के इलेक्ट्रिकल सिस्टम में समस्या होना। इसकी कई वजहें हो सकती हैं जिसमें उम्र के साथ हृदय के टिश्यू का क्षतिग्रस्त होना, उच्च रक्तचाप, जन्म के समय हृदय में कोई समस्या होना, किसी जटिल सर्जरी का होना और इलेक्ट्रिकल सिस्टम में किसी आवश्यक खनिज लवण (मिनरल्स) का कम होना आदि। इस समस्या के चलते दिल का दौरा पडने या हृदय की कोई बीमारी हो सकती है। ब्रेडीकार्डिया की समस्या में सोने में भी तकलीफ होती है। अगर आप उच्च रक्तचाप या दिल से जुड़ी किसी बीमारी के चलते दवाई ले रहे हैं, तो भी ये समस्या हो सकती है। अगर इलेक्ट्रिकल सिस्टम में ज्यादा समस्या हो,तो लगातार बेहोशी महसूस होती है या दिल ऑक्सीजनयुक्त रक्त देने में नाकाम रहता है।

लक्षण

बेहोश होना।
कमजोरी और थकान महसूस होना।
सांस लेने में तकलीफ होना।
सीने में दर्द होना।
किसी बात को याद रखने में दिक्कत होना।
किसी भी शारीरिक गतिविधि को करते समय बहुत ज्यादा थकान महसूस होना।

लेकिन ये जानना बहुत जरूरी है कि कई बार अपवाद स्वरूप युवाओं और एथलीटों की धड़कनें सामान्य से कम होती हैं, इसके बावजूद वे सामान्य होते हैं और उन्हें ब्रेडीकार्डिया की बीमारी नहीं होती है। अगर किसी शख्स मेंउपर्युक्त लक्षण लगातार प्रकट हो रहे हैं, तो शीघ्र ही डॉक्टर से परामर्श करें।

इलाज

ब्रेडीकार्डिया का इलाज रोगी की स्थिति के अनुसार किया जाता है। अगर ये बीमारी ज्यादा गंभीर स्थिति में नहीं है तो डॉक्टर दवाइयों में बदलाव कर देते हैं। लेकिन अगर इलेक्ट्रिकल सिस्टम में खराबी हो गई है,तो पेसमेकर लगाना ही इसका एकमात्र इलाज है। एक आधुनिक मिनिएचर ट्रांस केथेटर पेसिंग सिस्टम यानी टीपीएस अन्य पारम्परिक पेसमेकर के मुकाबले काफी छोटा है और इसे लगाने के लिए बहुत कम चीरा लगाने की जरूरत पड़ती है। टीपीएस को सीधे ही कैथेटर की मदद से हृदय के साथ जोड़ दिया जाता है। इस प्रक्रिया में सर्जरी करने की जरूरत नहीं होती और न ही त्वचा के भीतर जेबनुमा भाग बनाने कीआवश्यकता होती है। टीपीएस को लगाने के बाद अगर जरूरत महसूस होती है, तो इसकी स्थिति में भी बदलाव किया जा सकता है। टीपीएस जैसी आधुनिक तकनीक के साथ ब्रेडीकार्डिया के रोगी अब आसानी से सामान्य जिंदगी बिता सकते हैं।

✦ दिल की बीमारी पर किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि अब ऐसे युवा, मोटे लोग दिल की बीमारी के शिकार हो रहे हैं जो धूम्रपान करते हैं और उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह से ग्रस्त होते हैं। इस शोध में भारतीय मूल के एक अनुसंधानकर्ता भी शामिल हैं। अध्ययन में 3,900 से अधिक ऐसे मरीजों में दिल की बीमारी पैदा करने वाले कारकों का विश्लेषण किया गया है, जिनका अमेरिका के क्लीवलैंड क्लीनिक में 1995 और 2014 के बीच दिल की बीमारी की गंभीर एवं खतरनाक किस्म एसटी-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फैक्शन या एसटी सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फैक्शन (एसटीईएमआई) के लिए उपचार किया गया है।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करती है धूप

जीवनशैली में बदलाव के चलते हृदय से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं। शोधकर्ताओं ने इस समस्या से बचने का नया तरीका ढूंढने का दावा किया है। ताजा अध्ययन में धूप का सेवन करने वाली महिलाओं में दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा काफी कम पाया गया है। इतना ही नहीं, ऐसी महिलाएं सामान्य की तुलना में ज्यादा समय तक जीवन का लुत्फ उठाती हैं। शोध में शामिल महिलाओं पर लगातार 20 वर्षों तक नजर रखी गई थी। विशेषज्ञों ने हालांकि चेतावनी भी दी है कि धूप का ज्यादा सेवन करने वालों में त्वचा कैंसर का खतरा ज्यादा रहता है। मालूम हो कि ग्रामीण के बजाय शहरी क्षेत्रों में रहने वालों में दिल संबंधी बीमारी होने का खतरा ज्यादा रहता है। इस नुस्खे को आजमाने से हृदय संबंधी रोगों से होने वाली मौतों में कमी की उम्मीद जताई गई है।

ज्यादा लंबे समय तक बैठना हो सकता है जानलेवा

एक अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में करीब चार प्रतिशत मौतें तीन घंटे से ज्यादा समय तक बैठने से शरीर पर पड़ने वाले दुष्परिणामों के कारण होती हैं। अध्ययन में 54 देशों के सर्वेक्षणों का विश्लेषण किया गया है। अमेरिकन जर्नल ऑफ प्रीवेंटिव मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया कि सर्वेक्षण के अनुसार हर दिन तीन घंटे से कम समय बैठने से जीवन प्रत्याशा में औसतन 0.2 वर्षों की बढ़ोतरी होती है। बैठने के नुकसानकारी प्रभावों का सही से आकलन करने के लिए अध्ययन में दुनिया भर के 54 देशों के व्यवहार संबंधी सर्वेक्षणों का विश्लेषण किया गया और उन्हें आबादी के आकार, जीवनाकिक तालिका एवं कुल मौतों के आकड़े के साथ मिलाया गया। ब्राजील के यूनिवर्सिटी ऑफ साओ पाउलो स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि बैठने के समय से महत्वपूर्ण रूप से हर तरह की मौत के कारण प्रभावित होते हैं। इनका आंकड़ा 54 देशों में कुल मौतों की संख्या में करीब 3.8 प्रतिशत है।

पाचन शक्ति बढ़ाने में कारगर है बादाम

शारीरिक मजबूती के लिए अक्सर लोग बादाम खाने की सलाह देते हैं लेकिन शारीरिक शक्ति बढ़ाने के अलावा बादाम पेट का पाचन तंत्र ठीक रखने में भी कारगर साबित होता है। बादाम में मौजूद फाइबर तत्व हमारे पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। बादाम नैचुरल प्रोबायोटिक होता है। बादाम जो कि एक प्रोबायोटिक है, उसे खाने से शरीर में फायदेमंद बैक्टीरिया बढ़ जाता है, जो पाचन तंत्र के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। साथ ही साथ, ये अच्छे बैक्टीरिया हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को भी मज़बूत बनाते हैं, और बार-बार होने वाली मौसमी बीमारियों से हमारा बचाव करते हैं। बादाम में पॉलिफिनॉल होते हैं। ये तत्व एंटी-माइक्रोबायल एजेंट के रूप में काम करते हैं। ये आपको खाने-पीने से पैदा होने वाली कई बीमारियों से सुरक्षा देते हैं और उनका उपचार करने में आपकी मदद करते हैं।

हमारे पाचन तंत्र में ऐसे बहुत सारे बैक्टीरिया होते हैं जो शरीर को नुकसानदायक माइक्रोऑर्गेनिज्म से बचाते हैं। प्रोबायोटिक खाद्य पदार्थों के ऐसे न पाने वाले हिस्से होते हैं जो बैक्टीरियल ग्रोथ और एक्टिविटी को बढ़ावा देते हैं। शोध अध्ययनों में ये सामने आया है कि बादाम में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो प्रोबायोटिक गुणों को प्रदर्शित करते हैं, और आतों के अंदर फायदेमंद बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं।

अल्जाइमर से भूली बातें वापस याद आ सकती हैं

अल्जाइमर के कारण लोग बातें भूल जाते हैं। उन्हें याद दिलाना जटिल काम है। लेकिन नोबेल पुरस्कार से सम्मानित सुसुमु तोनेगावा ने अपने नए शोध के आधार पर पाया है कि दिमाग के एक खास हिस्से में नीली रोशनी डालने से याददाश्त वापस लाई जा सकती है। जापानी वैज्ञानिक सुसुमु को जेनेटिक मैकेनिज्म में उनकी खोज के लिए 1987 में मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे मोल्येकुलर (आणविक) जीवविज्ञानी हैं। लेकिन उन्हें इम्यूनोलॉजी (रोगक्षमता विज्ञान) में काम के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। अब वे न्यूरोसाइंस (तंत्रिका विज्ञान) के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। सुसुमु की टीम ने अभी चूहे तक ही प्रयोग किया है और वे सफल रहे हैं। उनका कहना है कि याददाश्त के मामले में चूहे और आदमी में एकसमान चीजें पाई जाती हैं इसलिए यह संभावना बनी है। अल्जाइमर के शुरुआती स्टेज में तो इसकी संभावना ज्यादा है कि याददाश्त वापस लाई जाए। इस प्रयोग के बारे में नेचर जर्नल में इस टीम का लेख छपा है।

कैसे किया

इसके लिए चूहे में जेनेटिक बदलाव लाया गया ताकि उसके दिमाग में उस तरह की स्थिति लाई जा सके जो अल्जाइमर की शुरुआत में होती हैं। ऐसे कई चूहों को एक बक्से में रखा गया जिसके पेंदे में काफी कम स्तर का बिजली का करेंट दिया गया। यह उनके लिए असुविधाजनक तो था लेकिन खतरनाक नहीं था। इसका मकसद उनके पैरों को शॉक ट्रीटमेंट देना था। थोड़े दिनों बाद दिमाग की स्कैनिंग से लगा कि वे कुछ बातें भूल गए हो सकते हैं। फिर, उन चूहों के सिर के एक खास हिस्से को लेजर से नीली रोशनी डालकर उत्तेजित किया गया। इस हिस्से को एनग्राम सेल्स कहते हैं। इससे उन्हें उस शॉक की याद आने लगी।

क्या संभावना

✦ जापानी वैज्ञानिक सुसुमु को जेनेटिक मैकेनिज्म में उनकी खोज के लिए 1987 में मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे मोल्येकुलर (आणविक) जीवविज्ञानी हैं।

सामान्य चूहे पर भी इसी तरह के प्रयोग किए गए। इसका मकसद यह देखना था कि उनके दिमाग पर वही असर होता है या वे सामान्य तरीके से व्यवहार करते हैं। सामान्य तरीके का व्यवहार पाए जाने के बाद यह पाया गया कि अल्जाइमर का इस तरह इलाज किया जाना संभव है। चूंकि इसमें ऑप्टिकल (प्रकाशीय) तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है इसलिए इसे ऑप्टोजेनेटिक्स नाम दिया गया है। आने वाले दिनों में इस तरह के प्रयोग लोगों पर भी किए जाएंगे।

दवा से हो सकेगी कैंसर की जांच

समय से जांच कैंसर के इलाज में एक अहम पड़ाव होता है। रूसी शोधकर्ताओं ने इस दिशा में बड़ी कामयाबी हासिल की है। शोधकर्ताओं ने एक ऐसा नैनोड्रग तैयार किया है, जो पहले स्टेज में ही ब्रेन ट्यूमर की पहचान करने में सक्षम है। इसका प्रयोग अन्य प्रकार के कैंसर की जांच में भी किया जा सकता है। रूस की नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने इस खास दवा को ईजाद किया है। प्रमुख शोधकर्ता अलेक्जेंडर मजूगा ने कहा कि इस दवा का क्लीनिकल परीक्षण 2018 में शुरू किया जा सकता है। भविष्य में इस नैनोड्रग का इस्तेमाल सिर्फ कैंसर की जल्द जांच ही नहीं, इलाज में भी हो सकेगा। इसके जरिये कैंसर की दवाओं को सीधे कैंसरग्रस्त कोशिकाओं तक पहुंचाया जा सकेगा। शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रभावित कोशिका को पहचानकर यह नैनोड्रग सिर्फ उसी कोशिका को निशाना बनाता है। आसपास की स्वस्थ कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं होता। मजूगा ने बताया कि इस नैनोड्रग को अभी इस्तेमाल होने वाली तकनीक पोजिट्रोन इमीशन टोमोग्राफी (पीईटी) स्कैन का उन्नत संस्करण कहा जा सकता है। यह पीईटी की तुलना में सस्ती और सुरक्षित तकनीक है।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है **कच्चा पपीता**

कच्चा पपीता लीवर के लिए बहुत उपयोगी है यह लीवर को काफी बल प्रदान करता है। पीलिया में लीवर काफी खराब हो जाता है, कच्चा पपीता खाने से या उसकी सब्जी के रूप में खाने से पीलिया रोगियों को काफी फायदा पहुंचता है। कच्चे पपीते और उसके बीज में बहुत सारा विटामिन 'ए', 'सी' और 'ई' होता है, जो कि शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकता है। कच्चा पपीता सर्दी और जुखाम के साथ इंफेक्शन से भी लड़ता है, यह मूत्र संबंधी समस्याओं में फायदा पहुंचा सकता है। यह बैक्टीरिया बढ़ने से रोकता है

शरीर पर अनचाहे बाल देखने में काफी भद्दे लगते हैं और इनसे छुटकारा पाना भी मुश्किल होता है। हर महीने इन्हें साफ करने के लिए वैक्स या शेव करना आपके लिए बोझिल और दर्दनाक हो सकता है। कच्चे पपीते से अनचाहे बालों को दोबारा उगने से भी रोका जा सकता है।

कच्चे पपीते में एक शक्तिशाली एंजाइम होता है,

✦ शरीर पर अनचाहे बाल देखने में काफी भद्दे लगते हैं और इनसे छुटकारा पाना भी मुश्किल होता है। हर महीने इन्हें साफ करने के लिए वैक्स या शेव करना आपके लिए बोझिल और दर्दनाक हो सकता है। कच्चे पपीते से अनचाहे बालों को दोबारा उगने से भी रोका जा सकता है।

जिसे पैपिन के नाम से जाना जाता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मसूटिक्स में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, पैपिन बालों के रोम को कमजोर कर और उन्हें दोबारा से बढ़ने से रोककर आपको अनचाहे बालों से छुटकारा दिलाने में सहायक है।

इस मामले में कच्चा पपीता बाजार में उपलब्ध अन्य क्रीम से ज्यादा प्रभावी है। आपको बता दें कि कच्चे पपीते में पके हुए पपीते की तुलना में पैपिन की मात्रा अधिक होती है।

रेटिनल डिटैचमेंटः अब है कारगर इलाज

आंखों के अंदर टिश्यूज की एक बारीक पर्त होती है, जिसे हम रेटिना कहते है। रेटिना के ऊपर प्रकाश किरणें केंद्रित होकर एक छवि बनाती है, जिसे वह सिग्नल में बदलती हैं और मस्तिष्क में भेजती है ताकि हमारी आंखों के सामने छवि नजर आ सके। रेटिना हमारी दृष्टि में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छोटी हो या बड़ी, रेटिना पर किसी भी प्रकार की हानि बहुत गंभीर हो सकती है, जिसके लिए नेत्र विशेषज्ञ की देखभालआवश्यक है। ऐसा न होने पर व्यक्ति अपनी दृष्टि खो सकता है।

रोग का स्वरूप

रेटिनल डिटैचमेंट एक ऐसी स्थिति है, जिसमें रेटिना आंख की पिछली पर्त से अलग हो जाती है। इस कारण रेटिना तक खून का संचार कम होने लगता है। रेटिना अगर ज्यादा समय तक अलग रहे, तो व्यक्ति अपनी दृष्टि हमेशा के लिए खो सकता है।

लक्षण

अगर किसी व्यक्ति को नजर के सामने अलग सी रोशनी की किरणें या धागे जैसी हिलने वाली वस्तुएं दिखने लगें।

अगर किसी को आंख के किनारों से वस्तुएं अंधेरी सी दिखाई दें।

उपर्युक्त लक्षणों के प्रकट होने पर देरी किए बगैर अनुभवी रेटिना विशेषज्ञ से परामर्श लें।

प्रकार

रेटिनल डिटैचमेंट मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं। पहला और सबसे ज्यादा होने वाला प्रकार है, रेटिनल ब्रेक या टीयर जिसे मेडिकल शब्दों में रेग्मैटोजीनस रेटिनल डिटैचमेंट कहते हैं। इसमें आंख के मध्य में मौजूद तरल पदार्थ (जिसे विट्रियस कहते हैं) रेटिनल टीयर से निकलने लगता है। इस कारण रेटिना अपने स्थान से हटती है। दूसरा प्रकार है- एक्सुडेटिव रेटिनल डिटैचमेंट। यह रेटिना से तरल पदार्थ के रिसाव के कारण होता है। ज्यादातर मामलों में ट्यूमर या किसी सूजन संबंधी विकार के कारण एक्सुडेटिव रेटिनल डिटैचमेंट होता है। वहीं ट्रैक्शन रेटिनल डिटैचमेंट, रेटिनल डिटैचमेंट का तीसरा प्रकार है।

उपचार

रेटिनल डिटैचमेंट के इलाज में सबसे अधिक उपयोग में लायी जाने वाली तकनीक स्क्लीरल बकल है। यह तकनीक रेग्मैटोजीनस रेटिनल डिटैचमेंट से पीड़ित व्यक्तियों के लिए प्रयोग की जाती है। इस तकनीक में सिलिकॉन का एक स्पंज या ठोस सिलिकॉन (जिसे बकल कहते हैं) के द्वारा आंख की पुतली की बाहरी दीवार पर बने रेटिनल टीयर या छेद को सिला जाता है। ऑपरेशन के फौरन बाद ही व्यक्ति अपने घर वापस जा सकता है।

विट्रेक्टॅमी विधिः इसे ज्यादातर डाइबिटीज के कारण होने वाले ट्रैक्शन रेटिनल डिटैचमेंट से पीड़ित मरीजों के लिए प्रयोग किया जाता है। ऐसे लोग जिन्हें एक छेद वाला रेग्मैटोजीनस रेटिनल डिटैचमेंट होता है, उनके लिए न्यूमैटिक रेटिनोपेक्सी एक अच्छा विकल्प है। इस तकनीक में एक गैस का बुलबुला आंख के मध्य भाग (जिसे विट्रियस कैविटी कहा जाता है) में इंजेक्ट किया जाता है। इसके बाद इस बुलबुले को इस तरह स्थित किया जाता है ताकि यह रेटिनल टीयर या छेद को ढक ले।

रोकथाम

अधिकतर मामलों में रेटिनल डिटैचमेंट की समस्या को नियमित नेत्र जांच से बचाया जा सकता है। यदि आपको मधुमेह या डाइबिटीज है, तो साल में एक बार आंखों की जांच कराना जरूरी है। इन्हें है ज्यादा खतरा वे लोग जिनकी पास की नजर कमजोर होती है, उनमें रेटिनल डिटैचमेंट का खतरा ज्यादा होता है। इसके अलावा अगर किसी शख्स को अतीत में कभी आंख की चोट लगी हो या उसने मोतियाबिंद की जटिल सर्जरी करायी हो, तो उन्हें भी रेटिनल डिटैचमेंट के होने की संभावना अधिक होती है। इसके अतिरिक्त अगर आपके परिवार में किसी सदस्य को रेटिनल डिटैचमेंट की समस्या हो, तब भी आपको यह बीमारी हो सकती है।

मुंह की कई बीमारियों को दूर करता है गुड़

सुबह उठकर अगर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पीया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक, इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के उपचार में लाभ मिलता है, बल्कि आपकी सेहत भी दुरुस्त रहती है।

आयुर्वेद के मुताबिक सुबह उठते ही गर्म पानी पीने के कई फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह उठकर अगर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पिया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित होता है। आयुर्वेद के मुताबिक, इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के उपचार में लाभ मिलता है, बल्कि आपकी सेहत भी दुरुस्त रहती है। सुबह उठकर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पीने से शरीर में भी काफी शक्ति आती है।

हालांकि कई सारे लोग इन दोनों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में नहीं जानते होंगे, लेकिन इनका सेवन हर किसी व्यक्ति के लिए फायदेमंद हैं। अगर आप भी इन दोनों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में नहीं जानते हैं तो हम आपको यहां गर्म पानी और गुड़ के सेवन से जुड़े कई लाभ बताने जा रहे हैं। ऐसा करने से आपके शरीर से न केवल कई सारे रोग दूर होंगे, बल्कि आपका स्वास्थ्य भी हमेशा दरुस्त रहेगा।

वजन घटाने में फायदेमंद

अगर आप गुड़ और गर्म पानी पीने के फायदों के बारे में नहीं जानते हैं तो आपको बता दें कि गुड़ में मौजूद पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन B1, B6 और विटामिन C हमारे शरीर में एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं, जिसके कारण आपका बढ़ा हुए पेट अंदर हो सकता है और आपको वजन कम करने में भी मदद मिलेगी। ऐसा करने के लिए आप रात को दो टुकड़े गुड़ के खाकर गर्म पानी पी लीजिए।

पेट से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर

अगर आप गैस की समस्या से परेशान रहते हैं तो आप रोज रात को सोने से पहले दो टुकड़े गुड़ खाकर गर्म पानी पी लें। ऐसा करने से गैस, कब्ज जैसी पेट संबंधी परेशानियां दूर होती है। अगर आप लगातार सुबह पेट न साफ होने की शिकायत से परेशान रहते हैं तो आप इस उपाय को जरूर अपना सकते हैं।

अनिद्रा की समस्या भी होती है दूर

अगर आप भी उन लोगों में शुमार हैं, जिन्हें रात को ठीक से नींद नहीं आती या फिर बैचेनी महसूस होती है तो वे लोग गर्म पानी के साथ गुड़ के एक या दो टुकड़े जरूर खाएं। गुड़ में पाए जाने वाले एंटी-डिप्रेसेंट गुण तनाव को दूर करने और नींद दिलाने में मदद करते हैं।

बीमारियों को खत्म करता है गर्म पानी और गुड़

रोज रात को इलायची के साथ गुड़ खाकर गर्म पानी पीने से मुंह के बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। ऐसा करने से न केवल आप कैविटी जैसी समस्या से दूर रहते हैं, बल्कि आपके मुंह से बदबू की समस्या भी खत्म हो जाती है। गर्म पानी और गुड़ से आपके मसूड़े भी स्वस्थ रहते हैं।

दूध में गुड़ डालकर पीना है कितना फायदेमंद

अनिद्रा को दूर करे

अगर आपको नींद न आने की समस्या हो तो सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध और गुड़ मिलाकर पीना चाहिए। इससे आपकी अनिद्रा की बीमारी दूर हो जाएगी। गुड़ का सेवन करने से हमारा खून शुद्ध होता है और दूध हमारे शरीर में ऊर्जा बनाएं रखता है। ये हमारे शरीर को रिलैक्स की मुद्रा में लाता है।

पाचन को ठीक करे

पाचन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने में दूध और गुड़ बहुत लाभकारी होते हैं। इन दोनों सामग्रियों में मौजूद पोषण पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे पाचन ठीक बना रहता है। इसे पीने से हमारी पाचन क्रिया से जुड़ी सारी समस्याएं दूर हो जाती है। साथ ही इसका सेवन करने से पेट में गैस नहीं बनती।

कैल्शियम से भरपूर

दूध एवं गुड़ दोनों ही कैल्शियम के भरपूर स्रोत माने जाते है, इसलिए शरीर को हेल्दी बनाएं रखने के साथ ही हड्डियों की बीमारियों जैसे स्टियोपोरोसिस या उम्र के साथ होने वाले जोड़ों के दर्द आदि से भी सुरक्षित रखता है। इसलिए हर रोज गुड़ की छोटा सा पीस अदरक के साथ मिलाकर खाएं और गरम दूध पिएं। ऐसा करने से आपके जोड़ मजबूत होंगे और दर्द भी दूर हो जाएगा।

दूर करे पीरियड का दर्द

महिलाओं को पीरियड्स के दर्द से बचने के लिए गरम दूध में गुड़ डालकर कर जरूर पीना चाहिए। डॉक्टर हमेशा गर्भवती महिलाओं को थकावट और कमजोरी को दूर करने से लिए गुड़ का सेवन करने के सलाह देते हैं। अगर गर्भवती महिला हर रोज गुड़ खाती है तो उन्हें एनीमिया नहीं होता।

वजन घटाने मे सहायक

अगर आप मोटापे के शिकार हैं तो इसे बचने के लिए गुड़ को शक्कर की जगह दूध या चाय में डाल कर पीएं। गुड़ और दूध वेट को कम करने में मदद करते हैं। गुड़ में प्रोटीन के रूप में एनर्जी होता है और दूध दूसरी ओर चर्बी को जलाने में मदद करता है।

रेसिपी

चने के कबाब

सामग्री

■ काले चने: 2 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स: 1/2 कप ■ बारीक काटे प्याज: 2 ■ बारीक काटी शिमला मिर्च: 1 ■ उबले आलू: 2 ■ अदरक लहसुन का पेस्ट: 2 टेबलस्पून ■ धनियापत्ती: 2 टेबलस्पून ■ अमचूर पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गरम मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ चाट मसाला: 1/ टीस्पून ■ पानी जरूरत के हिसाब ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कबाब पकाने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले चने को भिगोकर 5-6 घंटे के लिए रख दें। इसके बाद चने का पानी छान लें। फिर कूकर में चने और 1 कप पानी डालकर 5-6 सीटी लगा लें। कूकर का प्रेशर खत्म होने के बाद चने का पानी छान लें। एक बर्तन में चने मैश कर लें। अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, जीरा पाउडर, अमचूर, धनियापत्ती, अदरक लहसुन का पेस्ट, उबले आलू, शिमला मिर्च, ब्रेड और नमक मिला लें। आलू को भी मैश कर लें। हथेलियों पर थोड़ा-सा तेल लगाकर मिश्रण से थोड़ा-सा हिस्सा लेकर पहले लोई बनाएं फिर इसे चिपटा करके कबाब का आकार दें। इसी तरीके से मिश्रण से कबाब बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करें। गर्म तेल में एक बार 4-5 कबाब डालकर करारे होने तक तल लें। तैयार कबाब पर चाट मसाला छिड़क लें, हरी और लाल चटनी के साथ खाएं-खिलाएं।

व्रत वाले आलू बड़े

सामग्री

■ कुट्टू का आटा: 1 कप ■ उबले आलू : 4 ■ जरूरत के हिसाब से तेल ■ जीरा: 1/2 टीस्पून ■ सौंफ: 1/2 टीस्पून ■ बारीक काटी हरी मिर्च: 2 ■ करी पत्ता: 7-8 ■ काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ सेंधा नमक: 2 टीस्पून ■ नींबू का रस: 1 टीस्पून ■ शक्कर: स्वाद के अनुसार ■ घी: 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले कड़ाही में घी डालकर मीडियम आंच पर मिर्च, सौंफ, जीरा, करी पत्ते डालकर 1-2 मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें आलू मैश करके डाल दें। इसमें काली मिर्च, नींबू का रस और थोड़ी-सी शक्कर डालकर मिक्स कर लें। आलू बड़े का भरावन तैयार है। इसे आंच से उतार कर ठंडा होने दें। भरावन को दूसरे बर्तन में निकाल लें, कड़ाही साफ कर लें। साफ कड़ाही में तेल डालकर धीमी आंच पर रख दें। जब तक तेल गर्म हो रहा है तब तक घोल तैयार कर लें। इसके लिए बर्तन में कुट्टू का आटा और थोड़ा-सा सेंधा नमक मिक्स कर लें। फिर पानी डालकर बढ़िया घोल तैयार कर लें। अब आलू वाले मिश्रण से लोइयां बना लें। एक लोई लेकर इसे घोल में डुबोएं फिर तेल में छोड़ते जाएं। एक बार में 2-3 आलू बड़े ही तेल में डालें। आलू बड़ों को बढ़िया तरीके से तलकर निकाल लीजिए। तैयार व्रत वाले फलाहारी आलू बड़ों को फलाहारी चटनी के साथ खाएं-खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2631

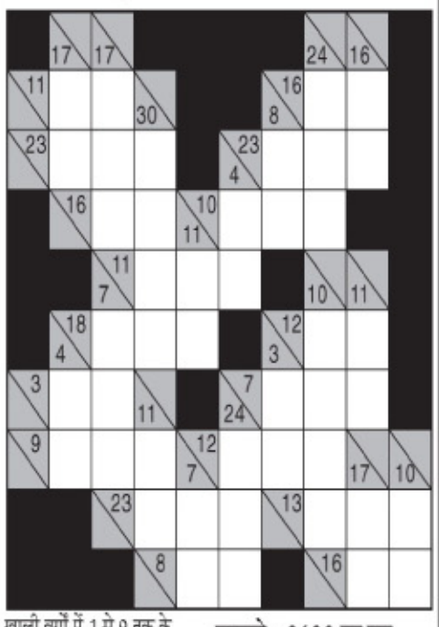

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 2630 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

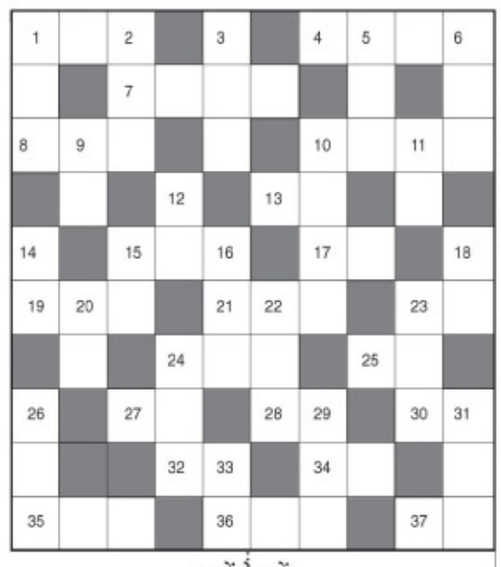

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली - 2631

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2630

सूडोकु -2631

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2630 का हल

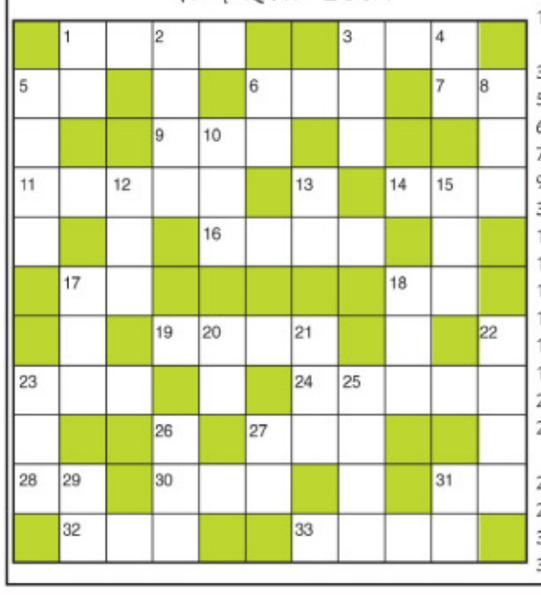

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2631

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -2630 का हल

राइजिंग राजस्थान समिट के ब्रांड एम्बेसडर हैं स्थानीय उद्यमी, प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क कर लाए निवेश: मुख्यमंत्री भजनलाल

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्थानीय उद्यमी एवं व्यापारी राइजिंग राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर हैं। वे देश के कई राज्यों में कार्यरत प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों से संपर्क कर उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करें, ताकि वे अपना औद्योगिक कौशल अपनी मातृभूमि पर दिखा सके।शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाली 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के संबंध में स्थानीय औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय उद्यमी एवं उनके संगठनों का व्यापक नेटवर्क आगामी राइजिंग राजस्थान समिट की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस नेटवर्क का उपयोग करते हुए ये संगठन अपनी शाखाओं के माध्यम से आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, आसाम, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखंड एवं बिहार में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करें और उन्हें निवेश करने के लिए आकर्षित करें।

प्रधानमंत्री मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति रोड शो के दौरान दिव्यांग छात्रा दीया से मिलने के लिए जीप से नीचे उतरे

एजेंसी

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज के रोड शो में आज सुबह यहां अभूतपूर्व वाकया देखने को मिला। सड़क किनारे आम लोगों की तरह हाथ में पेंटिंग लेकर अभिवादन के खड़ी दिव्यांग छात्रा दीया गोसाई को देखते ही दोनों नेता उससे मिलने के लिए जीप से नीचे उतर आए। उन्होंने दीया से हाथ मिलाया और उसकी पेंटिंग स्वीकार की। दीया वडोदरा के एमएस यूनिवर्सिटी की छात्रा है। वह बेहतरीन चित्रकार है। वह अपने परिजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज की खुद तैयार की पेंटिंग को लेकर पहुंची थी। रोड शो के दौरान दोनों नेता जब उसके पास से गुजरे तो सुरक्षा की परवाह न करते हुए काफिले को रुकने का इशारा किया। दीया ने दोनों नेताओं को उनके फ्रेम कराए चित्र भेंट किए। प्रधानमंत्री मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति ने दीया के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे शुभकामनाएं दीं।

सिन्हा ने की सुरक्षा स्थिति और विकास पहलुओं पर समीक्षा

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां कश्मीर संभाग के सभी जिलों की सुरक्षा स्थिति और विकास पहलुओं पर समीक्षा बैठक की।इस दौरान श्री सिन्हा ने सभी संबंधित अधिकारियों को आतंकवादी खतरों के संबंध में निवारक कार्रवाई पहले करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, हमें शांति और विकास की गति को बनाए रखना चाहिए। साथ ही आतंकवादियों और आतंकवादियों को समर्थन, सुरक्षित पनाह या कोई सहायता प्रदान करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना और लोगों में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र विरोधी प्रचार करने वालों, सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को खतरा पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।उपराज्यपाल ने आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के लिए शून्य-सहिष्णुता के दृष्टिकोण और सुरक्षा एजेंसियों के बीच अधिक सतर्कता तथा समन्वय का आह्वान किया। उन्होंने कहा, नार्को-आतंकवाद के मुद्दे से तुरंत निपटा जाना चाहिए और पूरे नार्को-आतंक नेटवर्क को खत्म करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

घाटल में सड़कें जलमग्न, गहराई बाढ़ की आशंका

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के घाटल में हवाओं के प्रभाव से भारी बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। हर नदी का जलस्तर बढ़ रहा है और कई गांवों और शहर के वार्डों में जलजमाव की समस्या पैदा हो गई है। सड़कें जलमग्न हो चुकी हैं। प्रशासन के अनुसार, क्षीरपाई में शिलावती नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। चंद्रकोना-1 प्रखंड में दो स्थानों पर शिलावती नदी का बांध टूट गया है, जिससे कई गांवों में पानी प्रवेश कर रहा है।

चंद्रकोना-1 प्रखंड में राहत शिविर खोला गया है। घाटल के अनुमंडल शासक सुमन विश्वास ने बताया कि प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है। केवल बारिश के कारण ही बाढ़ का खतरा नहीं है; पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पश्चिमी हिस्से और बांकुड़ा और पुरुलिया जिलों में भी यह खतरा है। प्रभाव से भारी बारिश के बाद शनिवार दोपहर से घाटल उप-विभाग में बाढ़ की स्थिति बिगड़ने लगी है। घाटल शहर के 17 वार्डों में से 12 में पानी प्रवेश कर गया है। कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं और घाटल ब्लॉक के छह पंचायत क्षेत्रों में भी बाढ़ आ गई है।

भारत की बात अब पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

अमरेली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अमरेली जिले के लाठी में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जैसे-जैसे भारत का विकास हो रहा है, दुनिया में भारत का गौरव बढ़ता जा रहा है। विश्व भारत की ओर नई आशा से देख रहा है। विश्व में एक नई दृष्टि भारत के लोगों को देखने के प्रति पैदा हुई है। भारत के सामर्थ्य की लोगों की पहचान होने लगी है। पूरी दुनिया भारत की बात गंभीरता और ध्यान से सुनती है। भारत के अंदर की संभावनाओं को लेकर चर्चा होने लगी है। प्रधानमंत्री ने देश के इस सामर्थ्य में गुजरात की भूमिका की चर्चा की। उन्होंने कहा कि गुजरात ने दुनिया को बताया कि भारत के शहरों-गांवों में कितना सामर्थ्य है। रूस में हुए ब्रिक्स सम्मेलन की चर्चा कर पीएम ने कहा कि वहां विश्व के कई देशों ने भारत के साथ जुड़ने की

मंशा प्रकट की। वे भारत की विकास यात्रा में भागीदार होने के लिए निवेश की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। जर्मनी अपने उद्यमियों को भारत में निवेश के लिए प्रेरित कर रहा है। जर्मनी की भारत के लोगों को वीजा देने की घोषणा पर मोदी ने कहा कि पहले जर्मनी 20 हजार वीजा देता था, अब वह 90 हजार वीजा देगा। मोदी ने इसे भारत के नौजवानों के लिए बड़ा अवसर बताया। वडोदरा में टाटा की फैक्टरी में स्पेन के साथ मिलकर बनने वाले सेना के परिवहन विमान फैक्टरी की चर्चा कर प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे गुजरात के छोटे-छोटे उद्योगों को लाभ होगा। राजकोट समेत गुजरात के कोने-कोने में बनने वाले छोटे उद्योगों के कल-पुर्जों का उपयोग होगा इससे पूर्व, प्रधानमंत्री ने अमरेली के लाठी से 4800 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मोदी ने दिवाली पूर्व हुए इस आयोजन पर कहा कि एक तरफ संस्कृति का उत्सव और दूसरी ओर विकास का उत्सव चल रहा है। यह भारत की एक नई तासीर है, विरासत और विकास साथ-साथ चल रहा है। प्रधानमंत्री ने सौराष्ट्र और अमरेली की धरती को रत्नों की भूमि बताया। उन्होंने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और राजनीतिक महत्व की चर्चा की। कई संतों-महापुरुषों का उल्लेख किया।

जेएमएम-कांग्रेस ने झारखंड को लूटा, भाजपा घोटालेबाजों का करेगी सफाया: मोहन यादव

एजेंसी

गोड्डा। झारखंड के गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र नाथ सिंह और महागामा से अशोक कुमार भगत के नामांकन के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस ने झारखंड को लूटा है। भाजपा घोटालेबाजों का सफाया करेगी। यादव ने कहा कि गठबंधन सरकार में घोटाले ही घोटाले हुए हैं और यह स्थिति अत्यंत गंभीर है। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता के घर से 350 करोड़ रुपये बरामद होना शर्मनाक है। सिर्फ मंत्री नहीं, बल्कि हेमंत सरकार के नेताओं के पीए, नौकर-चाकर के घरों से भी करोड़ों रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में आईएस, आईपीएस, डॉक्टर, और वकील जैसी प्रतिभाएं मौजूद हैं लेकिन युवाओं को अवसर नहीं मिल रहे। क्योंकि, जेएमएम और कांग्रेस के बईमानों का कब्जा है। यादव ने आरोप लगाया कि झामुमो सरकार वोट बैंक की राजनीति करते हुए घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है और आदिवासी बहनों के धर्मांतरण के जरिए उनकी जमीनों पर

कब्जा करवा रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार लैंड जिहाद और लव जिहाद की नीति अपनाते हुए राज्य की संस्कृति और मूल्यों को खतरे में डाल रही है। इसलिए हेमंत सरकार को हटाकर बांग्लादेशी घुसपैठियों से बहन, बेटी और माटी की रक्षा करने के लिए झारखंड में बीजेपी की सरकार बननी चाहिए।

कैथल जिले में बाबा मुकुट नाथ की समाधि पर पहुंच कर यूपी के मुख्यमंत्री ने पूजा अर्चना

एजेंसी

कैथल। गांव सौंगल में बाबा मुकुट नाथ डेरा में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। योगी ने बाबा मुकुटनाथ की समाधि पर पूजा-अर्चना की और स्थानीय ग्रामीणों से सनातन धर्म की अलख जगाने में सहयोग करने की अपील की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर दोपहर बाद 3 बजे गांव के स्टेडियम में बने हेलीपैड पहुंचा। यहां गांव के मठ की ओर से गठित कमेटी सदस्य शमशेर मलिक, राजमल सिंह, ओम प्रकाश, सतपाल शर्मा, रामभज, विक्रम बांगड़ व पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, तुषार ढांडा व दरबारा महला ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी यहां बाबा मुकुट नाथ के डेरा पर पहुंचे। योगी ने बाबा मुकुट नाथ की समाधि पर पूजा अर्चना की और फिर गांव के लोगों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीणों से सनातन धर्म की अलख जगाने में सहयोग

करने की अपील की और नाथ संप्रदाय के इतिहास पर प्रकाश डाला। उनके साथ आए महंत बाबा बालक नाथ ने कहा कि गांव के लोगों को चाहिए कि अपने बच्चों को सनातन शिक्षा की तरफ ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि स्कूल से बड़ा कोई मंदिर नहीं होता इसलिए किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है और इसमें सनातन शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस दौरान तत्कालीन गद्दी नशीन बाबा योगी शेरनाथ डेरा सौंगल ने कहा कि गांव में अमन व शांति के प्रतीक के रूप में इस डेरे की प्रतिष्ठा लोगों के दिल में बसती है और गांव में आपसी भाईचारा व सौहार्द का प्रतीक है।

मोहब्बत की दुकान में नफरत का सौदा : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

गिरिडीह। केन्द्रीय कृषि मंत्री और भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने गिरिडीह विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी निर्भय कुमार शाहबादी और देवघर विधानसभा से उम्मीदवार नारायण दास के नामांकन जनसभा को भी संबोधित करते हुए कहा कि जेएमएम-कांग्रेस की सरकार के रहते झारखंड कभी भी सुखी नहीं रह सकता है। शिवराज ने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार में आज झारखंड की क्या हालत हो गई है। यहां हर दिन बहनें अपमानित की जा रहीं हैं। बहनों का सम्मान सुरक्षित नहीं है। राहुल गांधी कहते हैं कि मैं मोहब्बत की दुकान चलाता हूं और झारखंड में उनकी मोहब्बत की दुकान इरफान अंसारी चला रहे हैं। ये क्या मोहब्बत की दुकान चलाएंगे। बहन-बेटियों का अपमान करने वाले असल में नफरत के सौदागर हैं। शिवराज ने कहा कि अभी सीता सोरेन को इरफान अंसारी ने अपमानित करने का काम किया है मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चुप्पी साधे बैठे

हैं। शिवराज ने कहा कि झारखंड में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। विदेशी घुसपैठिए आ रहे हैं। क्योंकि, वो इनके वोट बैंक है। ये चुनाव केवल किसी सत्ता के स्वर्ण सिंहासन पर बैठने का चुनाव नहीं है, बल्कि ये चुनाव झारखंड की धरती को बचाने का चुनाव है। संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी 44 प्रतिशत थी लेकिन अब केवल 28 प्रतिशत रह गई है। यहां कौन आकर बस गया है? कब तक सोते रहोगे? याद रखना ये बेईमान सरकार फिर से आ गई तो पांच साल में झारखंड को पूरी तरह तबाह और बर्बाद कर देगी। झारखंड में सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही रोटी, माटी, बेटी को सुरक्षित करेगी। ये भाजपा का संकल्प है।

झामुमो में बंटी-बबली का सम्मान और शहीदों के वंशजों का होता है अपमान : हिमंता बिस्वा सरमा

एजेंसी

रांची। झारखंड भाजपा के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने पार्टी प्रदेश कार्यालय में मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस में समर्पित कार्यकर्ताओं को महत्व नहीं दिया जाता है। कांग्रेस परिवार और चाटुकारों की पार्टी बन गई है। कांग्रेस में टिकट मिलने की तीन शर्तें हैं। कार्यकर्ता के पास बड़ा घर और पैसा होना चाहिए। उसका किसी बड़े परिवार से संबंध होना चाहिए और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने और गाली देने वाला हो।

सरमा ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा में बंटी बबली का सम्मान होता है और शहीद के वंशजों का अपमान किया जाता है। सरकारी पदाधिकारी भी अब झामुमो सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं। हेमंत सोरेन तब तक पदाधिकारी का उपयोग करते रहे जब तक उन्होंने साथ दिया। आज पदाधिकारी जब उनके गलत चीजों का विरोध कर रहे हैं तब वे पदाधिकारी के खिलाफ खड़े हो रहे हैं। ऐसा कहीं नहीं देखा गया कि मुख्यमंत्री अफसर के

खिलाफ खड़े हुए हों। प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कुमार राय ने कहा कि भाजपा ने झारखंड राज्य गठन की प्रसव पीड़ा सही है। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राज्य का गठन हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही राज्य का सर्वांगीण विकास संभव है। भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास पर भरोसा करती है। भाजपा और एनडीए सरकार में सभी वर्गों को सम्मान और अधिकार मिलेगा।

भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष मानस सिन्हा ने कहा कि पिछले 27 वर्षों से वे कांग्रेस में थे। कांग्रेस पार्टी में समर्पित कार्यकर्ताओं की अब पूछ नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं को मान-सम्मान देती है। भाजपा की नीति-सिद्धांत, कार्य और प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। झारखंड में भाजपा की सरकार बनाने के लिए रांची सहित पूरे राज्य की विधानसभा में तन-मन से और समर्पित होकर काम करेंगे। पार्टी जो जिम्मेदारी देगी, उसका निर्वहन करेंगे। भाजपा में शामिल होने वालों में 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष मंसूर अंसारी, 20 सूत्री प्रखंड उपाध्यक्ष देवचन प्रसाद यादव, गढ़वा जिला सचिव अशरफ अंसारी सहित अरविंद कुमार यादव, हकीमुद्दीन अंसारी, अलोक कुमार यादव, नवीजाम अंसारी, शैलेश प्रताप देव शैलेंद्र प्रसाद देव, इरफान अंसारी, इंद्रदेव बैठा, इनाज अंसारी, भोला राम, मंसाफ अंसारी, प्रमोद पटेल, नईमुद्दीन अंसारी, सुधीर मेहता, साबिर अंसारी, रोहित कुमार मेहता, विकास कुमार चौधरी, रोशन मेहता, नईमुद्दीन अंसारी, रोशन कुमार रजक, इंद्रदेव बैठा, मुख्तार अंसारी, प्रभात कुमार चंद्रवंशी, महफूज अंसारी, विक्रम कुमार यादव, साबिर अंसारी, विकास बैठा, फिरोज अंसारी, मनीष विश्वकर्मा, श्याम सुंदर बैठा, सुनील यादव, शैलेश बैठा, समशाद अंसारी, अजीत यादव, अमरेश राम, मिथिलेश कुमार, रामानुज कुमार, सुधांशु कुमार यादव, ऋषभ श्रीवास्तव शामिल हैं।

आरएसएस को कोई टैग नहीं कर सकता, वह एक देशभक्त संगठन : सी नारायण स्वामी

एजेंसी

बंगलुरु। कर्नाटक विधान परिषद में नेता विपक्ष सी नारायण स्वामी ने हाल ही में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन द्वारा जमात-ए-इस्लामी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बीच तुलना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

सी नारायण स्वामी ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा कि उनका (पिनाराई विजयन) दिमाग खराब है। उन्होंने कहा कि आरएसएस को कोई भी टैग नहीं कर सकता है। इस दौरान उन्होंने आरएसएस को एक देशभक्त संगठन करार दिया। सी नारायण स्वामी ने आगे कहा कि आरएसएस एक अच्छा संगठन है, एक देशभक्त संगठन है।इसके अलावा, सी नारायण स्वामी ने प्रियंका गांधी की संपत्ति के मुद्दे पर पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने अपनी संपत्ति का पूरी तरह से खुलासा नहीं किया है और उन्हें चुनाव लड़ने से हटा देना चाहिए। स्वामी ने मांग की कि प्रियंका गांधी को डिस्क्वालिफाई करना चाहिए, क्योंकि पारदर्शिता लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बता दें कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 23 अक्टूबर को वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। अपने चुनावी हलफनामे में उन्होंने 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा किया, जिसे लेकर भाजपा ने उन पर लगातार हमला जारी रखा है। भाजपा का आरोप है कि प्रियंका गांधी और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा की संपत्तियों में वित्तीय अनियमितताएं हैं और इससे पारदर्शिता और वैधता के मुद्दे उठ रहे हैं।

दीपावली एवं छठ पूजा महोत्सव का राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर का हुआ शुभारंभ

एजेंसी

नीमराना। नीमराना के ऐतिहासिक तालाब रामलीला मैदान परिसर पर दीपावली एवं छठ पूजा महोत्सव का राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर का उद्घाटन जिला पार्षद जय प्रकाश झाबर ने फीता काटकर बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा गरीब नाथ आश्रम नीमराना महंत ईकसारनाथ महाराज व बाबा शिव स्वरूप आश्रम के महंत मणिगिरी महाराज ने की।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नीमराना नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि शिवचरण गुप्ता रहे। मेला आयोजक भाई रिंकू यादव और रामचंद्र ने बताया की महोत्सव में एक ही छत के नीचे मेले में मारुति सर्कस,भूत बंगला,वाटर बोट,ड्रैगन ट्रेन,ब्रेक डांस,मिकी माउस,डबल डिस्क झूले,शॉपिंग, मनोरंजन,फैशन फूड जोन में खाने पीने के व्यंजन,हैंडीक्राफ्ट दुकान सहित बच्चों के अनेक प्रकार के खेलने एवं घूमने का मेला में बच्चे इनका आनंद ले सकते हैं।

पहले के सभी कुंभों से विराट और भव्य होगा 2025 का प्रयागराज महाकुंभ : आदित्यनाथ

एजेंसी

कुरुक्षेत्र/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के पेहोवा स्थित डेरा सिद्ध बाबा गरीबनाथ मठ में आयोजित आठमान, बत्तीस धुनी व शंखाढाल भण्डारा कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने यहां देशभर से पधारे संतों और भक्तजनों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को प्रयागराज महाकुंभ में आमंत्रित करते हुए कहा कि सनातन धर्म का ये सबसे बड़ा आयोजन पिछले सभी कुंभों से ज्यादा विराट और भव्य होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को विधानसभा चुनाव में जीत की बधाई भी दी। आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणावासियों ने प्रदेश में डबल इंजन की सरकार को फिर से चुनकर भगवान श्रीकृष्णपूछताछ जारी के उद्घोष परित्राणाय साधुनाम, विनाशाय च दुष्कृताम को सिद्ध करके दिखा दिया है। हरियाणा वालों ने दिखा

दिया है कि जनता का जनार्दन रूप कैसा होता है। सज्जन शक्ति का संरक्षण और दुर्जन शक्ति को रसातल में पहुंचाना ही परम कर्तव्य है। उन्होंने धर्म के दो हेतुओं अभ्युदय और निःश्रेयस की चर्चा करते हुए कहा कि अभ्युदय का पालन किये बिना निःश्रेयस की प्राप्ति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म के दो हेतु हैं, पहला अभ्युदय और दूसरा है निःश्रेयस का। अभ्युदय का अर्थ सांसारिक उत्कर्ष है, जिसमें हम अपने सामर्थ्य के अनुसार अपनी ऊर्जा को लोककल्याण के साथ जोड़ते हैं।

देश की प्रगति के लिए स्वर्णिम काल सिद्ध होंगे आगामी 25 साल : धर्मेन्द्र प्रधान

एजेंसी

वाराणसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आगामी 25 साल भारत की प्रगति के लिए स्वर्णिम काल सिद्ध होंगे। नियति ने हमारे भाग्य में देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनना लिखा है। पूरी दुनिया आज भारत को बड़ी आशाओं से देख रही है। विश्व की समस्याओं के समाधान की कुंजी अविनाशी काशी और आईआईटी बीएचयू जैसे संस्थान में ही हैं। उम्मीद है अपने बौद्धिक क्षमता से हमारे विद्यार्थी भारत और सम्पूर्ण विश्व की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। मंत्री प्रधान आईआईटी बीएचयू के 13वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। परिसर स्थित स्वतंत्रता भवन सभागार में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री ने कुल 60 मेधावी विद्यार्थियों को 125 मेडल प्रदान किए। संस्थान में सभी क्षेत्रों में

उत्कृष्ट प्रदर्शन और संगठनात्मक व नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने के लिए मेधावी भव्या मल्होत्रा, बीटेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग को डाइरेक्टर्स स्वर्ण पदक समेत 12 स्वर्ण पदक, एक रजत पदक और तीन पुरस्कार दिया गया। समारोह में बीटेक स्तर पर शैक्षणिक क्षेत्र में संपूर्ण उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए आदित्य कुमार नायक, बीटेक, केमिकल इंजीनियरिंग को प्रेसीडेंट्स स्वर्ण पदक समेत सात स्वर्ण पदक और दो पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान डिजिलॉकर पर 1954 उपाधियां अपलोड की गईं। प्रधान ने कहा कि 21वीं शताब्दी भारत की शताब्दी है। चौथी औद्योगिक क्रांति में भारत के पास दुनिया के लोककल्याण का नेतृत्व करने का अद्भुत अवसर है। इस दिशा में आईआईटी बीएचयू के विद्यार्थी अपना दायित्व निभाएंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। युवाओं को जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनना है। आज चुनौती इसी विषय की है। आने वाले 25 साल में भारत अमृतकाल में रहेगा। आजादी के एक सौ साल पूरा करेंगे। इस दौरान भारत दुनिया का सबसे युवा देश भी रहेगा। दुनिया की अन्य देशों की तुलना में सबसे युवा रहेंगे। आज हमारी अर्थव्यवस्था की साइज तीन ट्रिलियन डॉलर है। आने वाले दिनों में पांच से आठ ट्रिलियन तक पहुंचना है। तब अगर हम जॉब सीकर बनेंगे तो जॉब क्रियेट कौन करेगा।

शिवसेना यूबीटी के उम्मीदवार ने चुनाव लड़ने से इनकार किया, उद्धव ठाकरे को झटका

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना यूबीटी के उम्मीदवार किशनचंद तनवानी ने छत्रपति संभाजीनगर सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। इससे शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को करारा झटका लगा है। जानकारी के अनुसार शिवसेना यूबीटी ने छत्रपति संभाजीनगर सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र के लिए किशनचंद तनवानी को उम्मीदवार बनाया था। लेकिन तनवानी के आज यह टिकट वापस पार्टी को लौटा दिया है। तनवानी ने टिकट क्यों लौटाया, इसका अभी

तक पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा है कि 2014 के चुनाव में किशनचन तनवानी और प्रदीप चुनाव लड़ा था जबकि एमआईएम के इम्तियाज जलील भी पहली बार यहां से चुनाव लड़ रहे थे। इस सीट पर तनवानी और जायसवाल के बीच हिंदू वोट बंट गए थे, जिससे एमआईएम के इम्तियाज चुने गए थे। इसके बाद 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में प्रदीप जयसवाल और किशनचंद तनवानी दोनों में आपसी सहमति बनी कि इस बार जायसवाल चुनाव लड़ेंगे और किशन तनवानी 2024 में चुनाव लड़ेंगे। लेकिन प्रदीप जायसवाल ने पहले ही नामांकन कर दिया और सहमति को नहीं मान रहे हैं। इसी तरह इम्तियाज जलील भी इसी सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इसलिए सीटों का बटवारा न हो इसी वजह से तनवानी ने चुनाव से हटने का निर्णय होगा, इस तरह की चर्चा की जा रही है। इसी तरह शिवसेना यूबीटी ने जलगांव जिले के चोपड़ा विधानसभा क्षेत्र में अचानक उम्मीदवार बदल दिया है। इस सीट पर शिवसेना यूबीटी ने पहले राजू तडवी को उम्मीदवार बनाया था, जबकि आज तडवी की जगह प्रभाकर सोनावणे को उम्मीदवार बनाया है।

वोकल फॉर लोकल से खुल रही आत्मनिर्भर भारत की राह :कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने दीप पर्व के पावन अवसर पर जनता और कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए स्थानीय दुकानदारों से दीपावली पर्व पर ऑर्गेनिक दीये खरीदे। कुशलक्षेम पूछा और यूपीआई से पेमेंट किया।कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हम सभी को यह सुनिश्चित करना है कि राजस्थान हर क्षेत्र में विकास की

नई ऊंचाइयों को छूए। 'वोकल फॉर लोकल' से आत्मनिर्भर भारत की राह खुल रही है।कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सभी से अपील की कि वे दीपावली के इस पावन पर्व पर विकसित राजस्थान बनाने का संकल्प लें। साथ ही उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी दीपावली के इस पावन पर्व पर एक दीया राजस्थान के विकास के नाम जलाएं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हम सभी दीपावली की रोशनी में ऑर्गेनिक दीपों की ज्योति से आपणो अग्रणी राजस्थान को समृद्ध बनाएं।

रूही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उसके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह.रुही, प्लीज कम इन।'' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ था। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं.पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं.जबकि.रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसंद करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पप्पर फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौंचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुट्टी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे.लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसें जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं।

मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं। सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

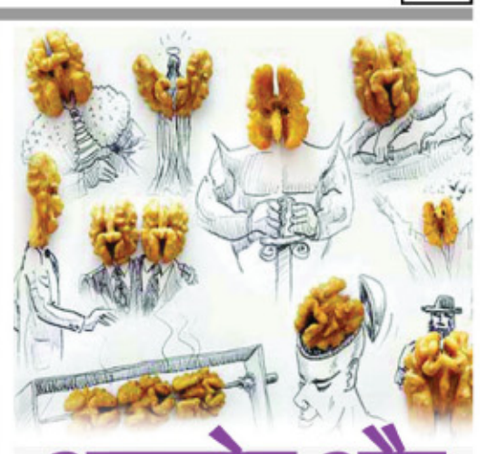

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यतः सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पंखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिंस,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

रॉड्री ने जीता बैलन डी'ओर 2024, यह पुरस्कार जीतने वाले पहले मैनचेस्टर सिटी खिलाड़ी बने

एजेंसी

पेरिस। स्पेन और मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रोड्री ने विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए दिये जाने वाला बैलन डी'ओर पुरस्कार जीता, उन्होंने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए रियल मैड्रिड और ब्राजील के विनिसियस जूनियर और इंग्लैंड के जूड बेलिंगहैम को हराया। पहली बार पुरस्कार जीतने वाले रॉड्री ने पिछले सीजन में अपनी टीम को लगातार चौथी बार प्रीमियर लीग ट्रॉफी जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्पेन द्वारा रिकॉर्ड-चौथा खिताब जीतने के बाद उन्हें इस साल की यूरोपीय चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। 28 वर्षीय मैड्रिड के मूल निवासी 1990 में लोथर मैथॉस के बाद बैलन डी'ओर जीतने वाले पहले डिफेंसिव मिडफील्डर हैं और अल्फ्रेडो डि स्टेफानो (1957 और 1959) और लुइस सुआरेज़ (1960) के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी हैं। हालांकि इस पुरस्कार पर स्पेनिश लीग के खिलाड़ियों का दबदबा रहा है, लेकिन 60 साल से ज़्यादा पहले बार्सिलोना के महान खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ के बाद से किसी भी स्पेनिश खिलाड़ी ने यह पुरस्कार नहीं जीता है, जबकि स्पेन की गोल्डन जेनरेशन ने 2010 विश्व कप, 2008 और 2012 यूरो जीते थे।

रंगपुर राइडर्स के मुख्य कोच नियुक्त हुए मिकी आर्थर

ढ़ाका। रंगपुर राइडर्स ने मिकी आर्थर को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। 56 वर्षीय आर्थर ग्लोबल सुपर लीग से फ्रैंचाइज़ की कमान संभालेंगे, जो 26 नवंबर से शुरू हो रही है। वह इस सीजन के बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दौरान रंगपुर टीम के प्रभारी भी होंगे। आर्थर ने हाल ही में लंका प्रीमियर लीग में दांबुला ऑरा टीम के साथ काम किया है। वह वर्तमान में डर्बीशायर के क्रिकेट निदेशक भी हैं। आर्थर इससे पहले दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और पाकिस्तान के मुख्य कोच रह चुके हैं। रंगपुर टीम के निदेशक शानियान तनीम ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने इस साल जीएसएल और बीपीएल के लिए मिकी आर्थर को अनुबंधित किया है। यह एक साल का करार है। वह इस साल इन दो टूर्नामेंटों के लिए हमारी देखभाल करेंगे। स्थानीय खिलाड़ी उनके द्वारा प्रशिक्षित होने के लिए वास्तव में उत्साहित हैं। हम जीएसएल और बीपीएल के लिए टीम बनाने के लिए पिछले सात-आठ दिनों से मिकी के संपर्क में हैं। वह बहुत सक्रिय हैं, हमेशा खुशी-खुशी हमारी मदद करते हैं। मुझे लगता है कि वह रंगपुर राइडर्स की संस्कृति के लिए एकदम सही हैं। वह बहुत मिलनसार व्यक्ति हैं। वह विशेष रूप से बांग्लादेशी क्रिकेटरों के लिए बहुत फायदेमंद होंगे। उनके पास बहुत अनुभव है। वह पहले ही श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान जैसी कई अंतरराष्ट्रीय टीमों की देखभाल कर चुके हैं।

मैथ्यू वेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, कोचिंग की ओर बढ़ाया कदम

नई दिल्ली। मैथ्यू वेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है और वह अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए तुरंत ही ऑस्ट्रेलिया के साथ कोचिंग की भूमिका में आ जाएंगे। वेड जून में टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की टीम का हिस्सा थे और सितंबर में यूके दौरे के लिए उनकी अनदेखी किए जाने के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि यह टूर्नामेंट उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत होगा। मार्च में उन्होंने शेफील्ड शील्ड फाइनल में तस्मानिया की जीत के बाद लाल गेंद वाले क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वेड होबार्ट हरिकेंस और दुनिया भर के कुछ फ्रैंचाइज़ टूर्नामेंट के लिए बीबीएल में खेलना जारी रखेंगे। वह अब ऑस्ट्रेलिया की युवा टी20 टीम के साथ भी काम करेंगे, जिसके कोच आंद्रे बोरोवेक होंगे, जबकि एंड्रयू मैकडोनाल्ड और उनके अन्य सहायक भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ की तैयारी करेंगे। वेड एकदिवसीय सीरीज़ के दौरान अनौपचारिक क्षमता में ऑस्ट्रेलिया के कोचिंग समूह के साथ भी समय बिताएंगे। वेड ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, मुझे पूरी तरह से पता था कि पिछले टी20 विश्व कप के बाद मेरे अंतरराष्ट्रीय दिन शायद खत्म हो गए थे। पिछले छह महीनों में जॉर्ज [बेली] और एंड्रयू [मैकडोनाल्ड] के साथ मेरी अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति और कोचिंग के बारे में लगातार बातचीत होती रही है। कोचिंग पिछले कुछ सालों से मेरे रडार पर रही है और शुक्र है कि मुझे कुछ बेहतरीन अवसर मिले हैं, जिसके लिए मैं बहुत आभारी और उत्साहित हूं।

बीसीबी की पेशकश पर बांग्लादेश टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने को तैयार ताइजुल इस्लाम

चटगांव। बांग्लादेश के अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम जरूरत पड़ने पर टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं। उनसे टेस्ट टीम की कप्तानी के बारे में पूछा गया था, क्योंकि ऐसी खबरें थीं कि मौजूदा कप्तान नजमुल हुसैन शांतो घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही सीरीज के बाद कप्तानी जारी रखने के लिए तैयार नहीं हैं। बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट 29 अक्टूबर (मंगलवार) से शुरू होने वाला है। मेहमान टीम शुरुआती टेस्ट में सात विकेट से जीत दर्ज करके 1-0 से आगे चल रही है। बता दें कि शांतो ने सीरीज के बाद कप्तानी छोड़ने की इच्छा जताई थी। इस बारे में पूछे जाने पर, एक दशक से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे अनुभवी ताइजुल ने शांतो के बारे में ऐसी किसी भी बात को सुनने से इनकार किया, लेकिन साफ किया कि जरूरत पड़ने पर वह कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं।

तेलुगू टाइटंस ने पटना पाइरेट्स को दो अंक से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। मेजबान तेलुगू टाइटंस ने खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 22वें मैच में पटना पाइरेट्स को 28-26 से हरा दिया। मैच का फैसला अंतिम रेड पर हुआ। यह तेलुगू की इस सीजन में पांच मैचों में दूसरी जीत है। पटना को तीन मैचों में दूसरी हार मिली है। आज यहां गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले के अंतिम मिनट में दोनों टीमों का स्कोर 25-25 था। इसके बाद के उलटफेर में टाइटंस ने समय बनाए रखा और शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के नायक आशीष नरवाल रहे, जिन्होंने सुपर रेड के अलावा अंतिम मिनट में डू ओर डाई रेड पर एक अंक बटोरा। पवन ने पांच अंक लिए जबकि डिफेंस से अंकित ने चार अंक लिए। पटना के लिए देवांक ने सात और अयान ने छह अंक जुटाए।

शुरुआती 10 मिनट में पटना को 7-5 की लीड हासिल थी। रेड में दोनों टीमों को चार-चार अंक प्राप्त हुए लेकिन डिफेस में पटना ने 1 के

मुकाबले दो अंक हासिल किए। उसे एक एक्स्ट्रा प्वाइंट भी मिला। पटना के लिए अयान, देवांक और दीपक ने 2-2 अंक बटोरे जबकि टाइटंस के लिए विजय मलिक ही 2 अंक के साथ बार तीन अंक की लीड हासिल की। इसी बीच संदीप की रेड पर सागर सेल्फ आउट हुए और पटना ने लीड 4 की कर ली। फिर पटना ने विजय को भी आउट कर 11-6 की बढ़त ले ली। चमक दिखा सके। ब्रेक के बाद पटना के डिफेंस ने दूसरी बार पवन का शिकार कर लिया। इसी बीच कृष्ण ढुल सेल्फ आउट हुए और पटना ने पहली टाइटंस के लिए सुपर टैकल की गुंजाइश थी और इसे अंजाम इस टीम ने दो अंक हासिल कर लिए। फिर आशीष ने डाइव पर अंक लेकर स्कोर 9-11 कर दिया। पवन की वापसी हो चुकी थी। इस बीच अयान ने अजीत को आउट कर टाइटंस को फिर सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। पवन ने हालांकि यह स्थिति टाल दी लेकिन संदीप ने एक बेहतरीन अंक के साथ फिर वही स्थिति कायम कर दी। पहल हाफ 13-10 से पटना के नाम रहा। पवन ने हाफटाइम के बाद पहली ही रेड पर अंक लिया और फिर टाइटंस के डिफेंस ने एक और अंक ले स्कोर 12-13 कर दिया। पवन चार के डिफेंस में डू ओर डाई रेड पर गए लेकिन लपके गए। लम्बे समय बाद टाइटंस के लिए एक और डू ओर डाई रेड का मौका आया और इस बार आशीष ने कोई गलती नही की।

चोटिल जाकेर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बंगलादेश के दूसरे टेस्ट से बाहर

एजेंसी

चटगांव। विकेटकीपर बल्लेबाज जाकेर अली चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बंगलादेश के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह पर महिदुल इस्लाम अंकोन को टीम में जगह दी गई है।जाकेर को रविवार को चटगाँव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में प्रशिक्षण के दौरान चोट लगी थी। बंगलादेश के फिजियो बैजदुल इस्लाम खान ने कहा, जाकेर अली को कल बल्लेबाजी अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। उन्हें पहले भी चोट लग चुकी है उनके पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें ठीक होने में कुछ समय लग सकता है। उन्हें दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है।जाकेर अली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बंगलादेश की दूसरी पारी में टेस्ट पर्दापण करते हुए अर्धशतक बनाया था।जाकेर की जगह महिदुल इस्लाम को टीम में जगह दी गई है। महिदुल ने पिछले सप्ताह सिलहट डिवीजन के खिलाफ 118 रन बनाकर अच्छी फॉर्म में हैं।

हाइलो ओपन में मालविका बंसोड़ करेंगी भारतीय युवा टीम की अगुवाई

एजेंसी

सारब्रुकेन। भारतीय खिलाड़ी मालविका बंसोड़ और सतीश कुमार करुणाकरण जर्मनी के सारब्रुकेन में होने वाली हाइलो ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे।शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, एचएस प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत की अनुपस्थिति में सारलैंडहाले इंडोर एरिना के बैडमिंटन कोर्ट में भारतीय युवा खिलाड़ी अपना दमखम दिखायेंगे। पिछले वर्ष की क्वार्टरफाइनलिस्ट और विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 35वें स्थान पर काबिज मालविका बंसोड़ को आगामी संस्करण के लिए महिला एकल वर्ग में छठी वरीयता प्राप्त है। वहीं विश्व के 44वें नंबर के खिलाड़ी सतीश कुमार करुणाकरण को पुरुष एकल में सातवीं वरीयता प्राप्त है और वह मालविका के बाद दूसरे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी है। टीम में इसके अलावा करुणाकरण

मिश्रित युगल प्रतियोगिता में आद्या वरियाथ के साथ जोड़ी बनाएंगे तो वहीं प्रिया कोनजेंबाम और श्रुति मिश्रा की महिला युगल जोड़ी इस प्रतियोगिता के महिला युगल वर्ग की एकमात्र भारतीय जोड़ी होगी। आयुष शेट्टी, एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन और चिराग सेन भी सारब्रुकेन में अपनी दावेदारी पेश करेंगे।हाइलो ओपन 2024 बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सभी मैचों का भारत में सीधा प्रसारण होगा।

अमेरिका की महिला टीम ने एकदिवसीय मैच जिम्बाब्वे को सात विकेट से हराया

एजेंसी

हरारे । चेतना पग्यद्यला (नाबाद 136) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर अमेरिका की महिला टीम ने एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे की महिला टीम को सात विकेट से हरा दिया। पांच मैचों की सीरीज में अमेरिकी टीम की यह पहली जीत है। जिम्बाब्वे तीन मैच जीतकर श्रृंखला में अजेय बढ़त बनाये हुये है। जिम्बाब्वे के 246 रनों के जवाब में अमेरिका की चेतना पग्यद्यला और दिशा ढींगरा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये (116) रन जोड़े। 20वें ओवर में ओलिंडर चारे ने दिशा ढ़ींगरा (34) को आउट कर अमेरिका को पहला झटका दिया। अनिका कोलन (चार), एला क्लैरिज (12) रन बनाकर आउट हुई। चेतना पग्यद्यला 18 चौके लगाते हुये (नाबाद 136) और सिंधु श्रीहर्ष (नाबाद 36) ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 44.2 ओवर में तीन विकेट पर तीन विकेट पर 249 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया।

जिम्बाब्वे की ओर से ऑड्रे मजविशाया, लोरीन फिरी और ओलिंडर चारे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।इससे पहले अमेरिका की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 246 रन बनाये थे। चिपो मुगेरी-तिरिपानो (60), मोडेस्टर मुपाचिवा (59), एंजले निदारिया (39), जोसेफिन नकोमो (40) और लोरीन फ़िरी (नाबाद 14) रनों के योगदान से 246 का स्कोर खड़ा किया। अमेरिका की ओर से तारा नॉरिस, अदितिबा चुडासमा और रितु सिंह ने दो-दो विकेट लिये।

हरियाणा ने दबंग दिल्ली केसी को सात अंक से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। हरियाणा स्टीलर्स ने गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 21वें मैच में दबंग दिल्ली केसी को 41-34 के अंतर से हरा दिया। यह तीन मैचों में हरियाणा की दूसरी जीत है जबकि दिल्ली को चार मैचों में दूसरी हार मिली।मोहम्मदरेजा शादलू (10) और शिवम पटारे (8) के साथ-साथ रेडिंग में जयदीप (हाई-5) हरियाणा की जीत के हीरे रहे। दिल्ली की टीम आशू मलिक (13) के चमकदार खेल के बावजूद हार नहीं बचा सकी। इसका कारण यह रहा कि उसके स्टार रेडर नवीन सिर्फ तीन अंक जुटा सके। विनय ने अच्छा खेलते हुए 8 अंक बनाए।

आशू ने पहली रेड पर दिल्ली को एक अंक दिलाया लेकिन शादलू ने शानदार एंकल होल्ड पर दूसरी रेड में उन्हें लपक लिया और फिर चौथे मिनट तक हरियाणा ने 4-1 की लीड

ले ली। इसी बीच दिल्ली को एक अंक मिला लेकिन हरियाणा ने दूसरी बार आशू का शिकार कर लीड 6-2 की कर ली। विनय ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर दो अंक लेकर स्कोर 4-6 कर दिया। फिर शिवम हरियाणा के लिए डू ओर डाई रेड पर आए और अंक लेकर लौटे। दिल्ली ने वापसी का ऐलान कर कर इस पर रोक लगा दी लेकिन दिल्ली के डिफेंस ने विनय का शिकार कर हिसाब बराबर किया। 10 मिनट के बाद हरियाणा 10-7 से आगे थे।सुपर टैकल कर स्कोर 13-9 किया और फिर मैच की पहली सुपर रेड के साथ शादलू ने हरियाणा को 16-9 की लीड दे दी। अब दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन था। सातवें टैकल प्वाइंट के साथ हरियाणा ने दिल्ली को आलआउट की ओर धकेला और इसे अंजाम देकर 22-12 की बढ़त ले ली। इसी बीच जयदीप ने हाई-5 भी पूरा किया। शुरुआती 20 मिनट दिल्ली के रेडर नहीं चले और हरियाणा के डिफेंडर जमकर दहाड़े। यही कारण है कि हरियाणा ने 24-13 की बढ़त के साथ पहला हाफ समाप्त किया। ब्रेक के बाद सुनिश्चित की। इस बीच दिल्ली का डिफेंस भी चलने लगा था। यही कारण था कि हरियाणा सुपर टैकल की स्थिति में थे। आशू ने सेतपाल का शिकार कर हरियाणा को आलआउट की ओर धकेला लेकिन साहिल ने नवीन का शिकार कर स्कोर 30-21 कर दिया। फिर हरियाणा के डिफेंस ने आशू को लपक बढ़त 11 की कर ली। फिर शिवम ने डू ओर डाई में नितिन का शिकार कर लिया। सुपर सब विनय ने डुबकी पर दो अंक ले लिए। 30 मिनट बाद स्कोर 33-23 से हरियाणा के पक्ष में था।

ड्रेपर ने जीता एटीपी वियना ओपन का खिताब

एजेंसी

वियना। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने रूस के कारेन खाचानोव को 6-4, 7-5 से हराकर वियना ओपन का खिताब

जीता। हुये मुकाबले में ड्रेपर ने पहला सेट जीता और दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त बनाई। ड्रेपर ने लय के साथ खेलते हुए अपना पहला एटीपी 500 खिताब और दूसरा एटीपी टूर खिताब जीता। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा, मुकाबला बहुत कड़ा था, लेकिन मैं दृढ़ था और मानसिक रूप से मजबूत था। सौभाग्य से मैं जीत पाया। उन्होंने कहा, अपना पहला एटीपी 500 जीतना, अविश्वसनीय लगता है। मैं बहुत खुश हूं और मुझे स्वयं पर और अपनी टीम पर गर्व। वहीं रूसी खिलाड़ी खाचानोव ने कहा कि मुझे सकारात्मक रहना है और कड़ी मेहनत करनी है।

बडौदा ने ओडिशा को 98 रन से हराया

एजेंसी

बडौदा। कप्तान क्रुणाल पंड्या (119 और एक विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन तथा निनाद राठवा (छह विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर बडौदा ने रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले के तीसरे दिन ओडिशा को 98 रनों से हरा दिया है।

इससे पहले आज बडौदा ने कल के छह विकेट पर 354 रन से आगे खेला शुरु किया। टीम ने स्कोर में 102 रनों का इजाफा करते हुए अपने चार विकेट गवां दिये। आज क्रुणाल पंड्या ने अपन शतक पूरा किया। उन्होंने 15 चौके और चार छक्के लगाते हुए (119) रनों की पारी खेली। दिन का पहला विकेट निनाद राठवा (10) के रूप में गिरा। मितेश पटेल (6), महेश पिठिया (36) और आकाश सिंह शून्य पर आउट हुये। बदौडा ने 128.4 ओवर में 456 रनों का विशाल स्कोर बनाकर कर ओडिशा की पहली पारी के आधार पर 263 रनों की बढ़त ले ली। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने

उतरी ओडिशा की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके बाद लगातार उसके विकेट गिरते रहे। निनाद राठवा ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए ओडिशा की पूरी टीम 34 ओवर में 165 के स्कोर पर समेट दिया। कार्तिक बिस्वाल (नाबाद 53) रनों की पारी खेली। अनुराग सारंगी (49), संदीप पटनायक (29), आशीर्वाद स्वैन (11) और सुमित शर्मा (12) रन बनाकर आउट हुये। बडौदा की ओर से निनाद राठवा ने छह विकेट लिये। महेश पिठिया और भार्गव भट्ट को दो-दो विकेट मिले। क्रुणाल पंड्या को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।इससे पहले ओडिशा पहली पारी में 64 ओवर में 193 के स्कोर पर सिमट गई थी।

हिमाचल ने डिवीजन को दी मात, हरियाणा ने भी जीता मैच

लखनऊ। सीनियर वोमेन्स टी-20 ट्राफी में हिमाचल प्रदेश ने सिक्किम को 119 रन से हरा दिया। इस मैच में हिमाचल की सुषमा वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 64 रन बनायीं। वहीं दूसरे मैच में हरियाणा ने त्रिपुरा को आठ विकेट से हराया। त्रिपुरा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट गवांकर 132 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज तमन्ना निगम ने 80 रन का योगदान दिया। वहीं रिजू ने 37 रन बनाये, जबकि हरियाणा की टीम ने मात्र दो विकेट गवांकर 137 रन बना ली और मैच को आठ विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज तनिष्का ने अपनी अपनी टीम में सर्वाधिक एक्ट्रेस नीतू सिंह के बारे में ये बातें बहुत कम लोग जानते हैं।

चिराग चिक्कारा ने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

तिराना (अल्बानिया)। भारत के पहलवान चिराग चिक्कारा ने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप कुश्ती में पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में किर्गिस्तान के अब्दिमलिक कराचोव को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत ने इस चैंपियशिप में एक स्वर्ण, एक रजत और सात कांस्य सहित कुल नौ पदक जीते है। अल्बानिया के तिराना में रविवार को हुये मुकाबले में चिक्कारा ने नजदीकी मुकाबले में कराचोव को 4-3 से हराकर यह स्वर्ण पदक पदक हासिल किया। इस जीत के साथ वह अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान बन गए हैं। वह अमन सहरावत और रीतिका हूडा के क्लब में शामिल हो गये। चिराग चिक्कारा ने इससे पहले सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के एलन ओरलबेक

को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में उन्होंने विपक्षी पहलवान पर 8-0 से जोरदार जीत दर्ज की थी। उन्होंने पहले दौर में जापान के गटुको ओजावा को 6-1 से हराया था और फिर क्वार्टर फाइनल में इयुनस इवबातिरोव को 12-2 से शिकस्त दी थी। इस भारवर्ग का कांस्य पदक इवबातिरोव ने जीता।वहीं एक अन्य मुकाबले में सुजीत कलकल ने पुरुषों की 70 किग्रा श्रेणी में कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में इजाफा किया। उन्होंने ताजिकिस्तान के मुस्तफो अखमेदोव को 13-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। विक्की ने पुरुषों की 97 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में यूक्रेन के यूरोपीय जूनियर चैंपियन इवान प्राइमाचेंको को 7-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। विक्की ने पहले दौर में जॉर्जिया के मेरब सुलेमानिश्विली को और क्वार्टरफाइनल में मोल्दोवा के राडू लेफ्टर को हराया था लेकिन सेमीफाइनल में वह ईरान के महदी हाजीलोइयन मोराफा से हार का सामना करना पड़ा था। पुरुषों की 70 किग्रा फ्रीस्टाइल में सुजीत कलकल ने 0-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ताजिकिस्तान के मुस्तफो अखमेदोव को 13-4 से हराकर कांस्य पदक जीता।

रियल मैड्रिड ने बैलन डी'ओर समारोह का बहिष्कार किया, कहा-यह यूईएफए क्लब का सम्मान नहीं करता

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने पेरिस में होने वाले बैलोन डी'ओर समारोह का बहिष्कार किया और कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि पुरुष वर्ग का पुरस्कार जीतने के प्रबल दावेदार उसके स्ट्राइकर विनिसियस को नजरअंदाज किया गया है। क्लब ने एएफपी से कहा, यह स्पष्ट है कि बैलन डी'ओर-यूईएफए रियल मैड्रिड का सम्मान नहीं करता है। और रियल मैड्रिड वहां नहीं जाता जहां उसका

सम्मान नहीं होता। पिछले सीजन में रियल मैड्रिड के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग, स्पेनिश सुपर कप और ला लीगा जीतने वाले विनिसियस ट्रॉफी जीतने की दौड़ में सबसे आगे थे। लेकिन समारोह से कुछ घंटे पहले, यह पता चला कि न तो ब्राजीलियाई और न ही उनकी टीम के किसी भी खिलाड़ी को किसी भी पुरस्कार के लिए चुना नहीं गया है। पेप गार्डियोला द्वारा इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के रूप में प्रचारित, 28 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में अपने क्लब के साथ प्रीमियर लीग और अपने देश के साथ 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप जीता था।

बैलन डी'ओर 2024 : बोनमाटी ने लगातार दूसरी बार जीता सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार

एजेंसी

पेरिस। बार्सिलोना और स्पेन की स्टार ऐताना बोनमाटी ने लगातार दूसरी बार महिला बैलन डी'ओर जीता, उन्होंने अपने क्लब बार्सिलोना को ऐतिहासिक महाद्वीपीय खिताब दिलाया और अपने देश के साथ नेशंस लीग का खिताब भी जीता। 26 वर्षीय बोनमाटी टीम की साथी एलेक्सिया पुटेलस के साथ दो बार बैलन डी'ओर जीतने वाली महिला बन गई हैं। बोनमाटी ने पुरस्कार

प्राप्त करने के बाद कहा, यह अकेले हासिल नहीं किया जा सकता है, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे आसपास ऐसे खिलाड़ी हैं जो मुझे हर दिन बेहतर बनाते हैं। कर्मचारियों, क्लब कार्यकर्ताओं का धन्यवाद, आपके बिना, हम इतनी सफलता हासिल नहीं कर पाते। महिलाओं के खेल में पहले से ही सर्वकालिक महान खिलाड़ी माने जाने वाली बोनमाटी ने बार्सिलोना को 2023/24 सीज़न में कई ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बार्सिलोना ने पिछले सत्र में स्पेनिश लीग, कोपा डे ला रीना, सुपरकोपा डे एस्पाना और लगातार दूसरी महिला चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीती।

बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग के फ़ाइनल में ल्योन को 2-0 से हराकर चार सीज़न में अपना तीसरा खिताब जीता। इस मैच में बोनमाटी ने एक गोल किया और प्लेयर-ऑफ़-द-मैच प्रदर्शन किया।

निम्रत कौर

के साथ काम कर चुके हैं सुरभि ज्योति के पति, 5 साल पहले हुई थी पहली मुलाकात

सुरभि ज्योति ने अपने बॉयफ्रेंड सुमित सूरी से शादी की है. इन दोनों की मुलाकात 6 साल पहले एक म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हुई थी. तब से वे दोनों रिलेशनशिप में हैं. सुरभि ने कभी भी अपना रिश्ता छिपाने की कोशिश नहीं की. अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वो सुमित के साथ फोटो और वीडियो शेयर करते हुए नजर आती थीं. बहुत कम लोग जानते हैं कि सुरभि के पति सुमित एक एक्टर होने के साथ-साथ सफल प्रोड्यूसर भी हैं.अपने प्रोडक्शन हाउस 'द गुड हैंड्स' के तहत सुमित सूरी एडफिल्म्स, डिजिटल फिल्म्स, ब्रांड वीडियो और कॉर्पोरेट वीडियो प्रोड्यूस करते हैं. सुमित ने 11 साल पहले एरोस सिनेमा की फिल्म 'वार्निंग' से अपने करियर की शुरुआत की थी. अपने करियर फ्रेम में सुमित ने अब तक 6 फिल्में की हैं, आखिरी बार उन्हें विक्रांत मैसी और कृति खरबंदा की फिल्म '14 फेरे' में देखा गया था. अल्ट बालाजी की वेब सीरीज 'द टेस्ट केस' में सुमित निम्रत कौर के साथ नजर आए थे. ये वही निम्रत कौर हैं जिनकी अभिषेक बच्चन के साथ अफेयर की अफवाहें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. निम्रत की 'द टेस्ट केस' में सुमित ने कैप्टन रंजीत सुजरेवाल का किरदार निभाया था.

सोशल मीडिया से दूर रहना पसंद करते हैं सुमित

सुमिल सूरी भले ही अपनी एक्टिंग से ऑनलाइन ऑडियंस का खूब मनोरंजन करते हों, लेकिन निजी जिंदगी में वो सोशल मीडिया से दूर रहना पसंद करते हैं और यही वजह है कि इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पर उनका कोई अकाउंट नहीं है. दरअसल सुरभि और सुमित 2024 के मार्च महीने में ही शादी करने वाले थे. सूत्रों की मानें तो दोनों ने राजस्थान के सवाई माधोपुर में शादी करने का फैसला लिया था, लेकिन फिर वेन्यू से जुड़ी दिक्कत की वजह से उन्हें अपनी शादी पोस्टपोन करनी पड़ी. फिर दोनों ने हिमाचल के जिम कॉर्बेट में शादी करने का फैसला लिया.

करण सिंह ग्रोवर के साथ सुरभि ने किया था डेब्यू

सुरभि ज्योति की बात करें तो पंजाबी इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सुरभि ज्योति ने करण सिंह ग्रोवर के टीवी सीरियल 'कुबूल है' से हिंदी इंडस्ट्री में अपना डेब्यू किया था. इश्कबाज, नागिन, कोई लौट के आया है जैसे कई टीवी शोज में वो अपना कमाल दिखा चुकी हैं.

अजय देवगन-कार्तिक आर्यन तो कुछ नहीं, दिवाली के असली डॉन तो अमिताभ बच्चन हैं

इस साल दिवाली पर अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' और कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' रिलीज होने वाली है, इन दोनों फिल्मों के क्लैश को लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड हैं. हालांकि, जहां लोग इन दोनों फिल्मों की कमाई के बारे में सोच रहे हैं, वहीं एक वक्त था जब दिवाली के मौके पर केवल अमिताभ बच्चन का ही राज चलता था. उन्होंने कई सारी बेहतरीन फिल्में दी हैं, इसके साथ ही साथ उनकी फिल्मों ने जमकर कमाई भी की है.अमिताभ बच्चन की फिल्म 'मुकद्दर का सिकंदर' दिवाली के मौके पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. इस फिल्म में रेखा, विनोद खन्ना और राखी जैसे स्टार्स भी शामिल थे. इस फिल्म को प्रकाश मेहरा ने डायरेक्ट किया था, इस फिल्म के गाने भी काफी फेमस हुए थे. 'सलाम-ए-इश्क मेरी जान' भी इसी फिल्म का गाना है. यह फिल्म साल 1978 में रिलीज हुई थी, मुकद्दर का सिकंदर उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी. इतनी ही नहीं 'शोले' और 'बॉबी' जैसी शानदार फिल्मों के बाद ये तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म थी.

46 साल पहले आई 'मुकद्दर का सिकंदर'

'मुकद्दर का सिकंदर' 1.3 करोड़ रुपए की बजट पर बनी थी, जिसने 9 करोड़ रुपए की कमाई की थी. फिल्म में वर्ल्ड वाइड 22 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था. इस फिल्म ने कई सारे फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीते हैं. इस फिल्म ने 7 साल तक अपना रिकॉर्ड कायम रखा, हालांकि अमिताभ ने इतने सालों के बाद खुद ही अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया. साल 1985 में 'मर्द' फिल्म आई जो कि 'मुकद्दर का सिकंदर' के बाद दिवाली पर सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली फिल्म बनी.

7 साल बाद 'मर्द' ने तोड़ दिया रिकॉर्ड

'मर्द' फिल्म के बजट की बात करें तो, ये फिल्म केवल 1 करोड़ रुपए में बनाई गई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 8 करोड़ रुपए की कमाई की थी. मर्द का रिकॉर्ड 17 साल के बाद शाहरुख खान ने तोड़ दिया.

क्या गुपचुप शुरू होने जा रही है आलिया भट्ट की फिल्म? रणबीर कपूर और विकी कौशल कहां चले?

रणबीर कपूर और विकी कौशल दूसरी बार एक साथ किसी फिल्म में दिखने वाले हैं. इस फिल्म का नाम है 'लव एंड वॉर'. इससे पहले दोनों 'संजू' में साथ दिखे थे. 'लव एंड वॉर' में आलिया भट्ट भी हैं. इसे संजय लीला भंसाली बना रहे हैं.हाल ही में रणबीर और विकी को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. दोनों मुंबई से बाहर जा रहे हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि वो दोनों 'लव एंड वॉर' फिल्म की शूटिंग के लिए गए हैं.

क्या शुरू होने जा रही है 'लव एंड वॉर' की शूटिंग ?

दरअसल पिंकविला ने वीडियो डाला है. इसमें विकी कौशल मूछ वाले लुक में दिख रहे हैं. रणबीर अपने डेनिम लुक में हैं. लोग अंदाजा लगा रहे हैं, ये दोनों 'लव एंड वॉर' की शूटिंग के लिए जा रहे हैं. पर ये कहां जा रहे हैं, इसका किसी को अनुमान नहीं है. संभव है दोनों का एक साथ अलग-अलग जाना एक इत्तफाक हो. इसका फिल्म से कोई लेना-देना न हो. हालांकि कुछ दिन पहले खबर आई भी थी कि भंसाली फिल्म को अक्टूबर में शुरू करना चाहते हैं. लेकिन बीते दिनों कहा गया था कि फिल्म की शूटिंग पोस्टपोन कर दी गई है.

क्या पोस्टपोन हो गई है फिल्म की शूटिंग ?

बॉलीवुड हंगामा ने कुछ दिन पहले एक खबर छापी थी. इसमें बताया गया था कि 'लव एंड वॉर' की शूटिंग अब नवंबर के एंड में या फिर दिसंबर में होगी. इसका कारण फिल्म के सेट को बताया गया. ऐसा कहा गया था कि मुंबई में बारिश के चलते फिल्म का सेट डैमेज हो गया था. इसे दोबारा बनाया जा रहा है. इसके बनने तक फिल्म की शूटिंग टाल दी गई है. ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म 7 नवंबर को फ्लोर पर आ सकती है.

हो सकता है कि भंसाली ने सोचा हो, जब तक मुंबई वाला सेट रेडी नहीं होता, फिल्म की शूटिंग दूसरी लोकेशन्स पर कर लेते हैं. लेकिन अभी इस बात का भी अंदाजा नहीं कि फिल्म के लिए कोई दूसरी लोकेशन चुनी भी गई है या नहीं. क्या 'लव एंड वॉर' को पूरी तरह से मुंबई में शूट किया जाएगा या कहीं बाहर भी. इसलिए फिलहाल पुख्ता तौर पर कुछ कह पाना संभव नहीं है. रणबीर और विकी शूट के लिए गए हैं या नहीं, ये कह पाना बहुत मुश्किल है.बहरहाल, 'लव एंड वॉर' एक लव ट्रायंगल फिल्म है. इसकी रिलीज डेट 20 मार्च 2026 बताई जा रही है.

'जल्दी से एक नन्ही परी ले आओ'

सोनाक्षी सिन्हा

की फोटो देख फैंस कर रहे ऐसी बातें

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने साल 2024 में शादी करने का फैसला लिया. उनका ये फैसला कई वजहों से चर्चा में रहा था. इसकी दो वजहें थीं. पहली वजह ये थी कि उनके घरवाले इस रिश्ते से ज्यादा खुश नजर नहीं आ रहे थे और एक्ट्रेस ने अपने परिवार के खिलाफ जाकर ये फैसला लिया. वहीं कुछ लोग इस वजह से भी शॉक्ड हुए थे क्योंकि एक्ट्रेस ने अपने अबतक के करियर में पीक पर रहकर ये फैसला लिया. फिलहाल सोनाक्षी सिन्हा अपने इस फैसले से बहुत खुश हैं और हसबेंड जहीर इकबाल संग अपनी पर्सनल लाइफ एंजॉय कर रही हैं. हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं जिसमें उन्हें देखकर लोग उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगा रहे हैं.

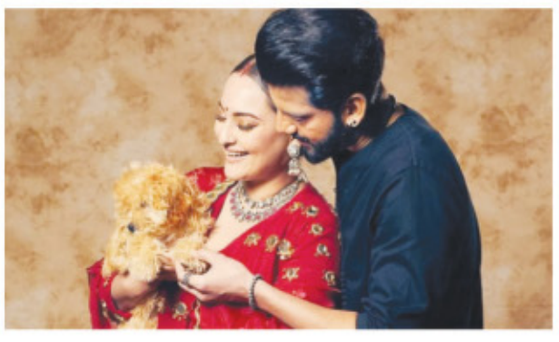

वायरल हो रही हैं सोनाक्षी सिन्हा की फोटोज

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. ये तस्वीरें दिवाली सेलिब्रेशन की नजर आ रही हैं. फोटोज के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा- Guess the pookie. इस फोटो में उनके साथ पेट डॉग भी नजर आ रहा है. जहां एक तरफ कुछ लोग फोटोज पर तारीफ कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ कुछ लोगों का ध्यान सोनाक्षी सिन्हा की ओर गया है और वे उनके प्रेग्नेंट होने का कयास लगा रहे हैं. कुछ लोग तो सोनाक्षी को अभी से बधाई भी देते नजर आ रहे हैं. वैसे सोनाक्षी सिन्हा की बात करें तो एक्ट्रेस की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. सिर्फ फोटोज देखकर ही लोग कयास लगा रहे हैं.

सोनाक्षी सिन्हा को लोगों ने दी बधाई

सोशल मीडिया पर लोग सोनाक्षी को बधाई दे रहे हैं और उनके स्वस्थ्य होने की कामना कर रहे हैं. एक शख्स ने कैप्शन में लिखा- प्रेग्नेंसी पर आपको बधाई. एक दूसरे शख्स ने लिखा- नन्हें बच्चे को जल्दी पाने की आपको बधाई. एक अन्य शख्स ने लिखा- आने वाले बच्चे की आपको बधाई. एक दूसरे शख्स ने सोनाक्षी सिन्हा की पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा- सोना तो प्रेग्नेंट लग रही है. एक अन्य शख्स ने लिखा- गार्जियस कपल के साथ एक क्यूट पप्पी. एक शख्स ने लिखा- नजर ना लगे दोनों को.